



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-07012026-269142
CG-DL-E-07012026-269142

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 837]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 30, 2025/पौष 9, 1947

No. 837]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 30, 2025/PAUSHA 9, 1947

दिल्ली विश्वविद्यालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2025

एफ.सं. सीएनसी-II/093/1(17)/2021-22/233:—दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम 1922 (1922 का VIII) की धारा 31 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कार्यकारी परिषद, विजिटर के अनुमोदन से, दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यादेशों में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ:

- (i) अध्यादेश V (2) और VII में संशोधन।
- (ii) ये आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. विश्वविद्यालय के अध्यादेशों के अध्यादेश V (2) और VII में परिणामी संशोधन निम्नानुसार प्रतिस्थापित किए जाएंगे:

- (i) अध्यादेश V (2) और VII में संशोधन। [ई.सी. संकल्प 8-1-3 दिनांक 31.08.2021]

एम.एससी. जैव-रसायन

वर्तमान				संशोधित			
भाग I: सेमेस्टर I				भाग I: सेमेस्टर I			
पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट	पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीसीसीसी1 01	प्रोटीन-संरचना, फोल्डिंग और इंजीनियरिंग	मुख्य	4	बीसीसीसी1 01	प्रोटीन-संरचना, फोल्डिंग और इंजीनियरिंग	मुख्य	4
बीसीईसीई1 01	संक्रामक रोग: आणविक आधार, नियंत्रण और रोकथाम	वैकल्पिक	4	बीसीईसीई1 01	संक्रामक रोग: आणविक आधार, नियंत्रण और रोकथाम	वैकल्पिक	4
बीसीईसीई1 02	अथवा मध्यवर्ती चयापचय और नैदानिक सहसंबंध			बीसीईसीई1 02	अथवा मध्यवर्ती चयापचय और नैदानिक सहसंबंध		
बीसीईसीई1 03	जीवनशैली विकार: कैंसर और हृदय रोग	वैकल्पिक	4	बीसीईसीई1 03	जीवनशैली विकार: कैंसर और हृदय रोग	वैकल्पिक	4
बीसीईसीई1 04	अथवा जैव-रसायन विज्ञान में उन्नत तकनीकें			बीसीईसीई1 04	अथवा जैव-रसायन विज्ञान में उन्नत तकनीकें		
बीसीसीसी1 02	समसामयिक विषयों पर संगोष्ठी	मुख्य	4	बीसीसीसी1 02	समसामयिक विषयों पर संगोष्ठी	मुख्य	4
बीसीसीसी1 03	प्राैक्तिकल	मुख्य	8	बीसीसीसी1 03	प्राैक्तिकल	मुख्य	8
कुल क्रेडिट			24	कुल क्रेडिट			24
भाग I: सेमेस्टर II				भाग I: सेमेस्टर II			
पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट	पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीसीसीसी 201	कोशिका विज्ञान	मुख्य	4	बीसीओई201	जैव-रसायन विज्ञान की मूल बातें	खुले वैकल्पिक	4
बीसीसीसी 202	प्रतिरक्षा विज्ञान और प्रतिरक्षा तकनीक	मुख्य	4	बीसीसीसी202	प्रतिरक्षा विज्ञान और प्रतिरक्षा तकनीक	मुख्य	4
बीसीसीसी 203	एंजाइम और उनके जैव-प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग	मुख्य	4	बीसीसीसी203	एंजाइम और उनके जैव-प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग	मुख्य	4
बीसीसीसी 204	आणविक जीव-विज्ञान	मुख्य	4	बीसीसीसी204	आणविक जीव-विज्ञान	मुख्य	4
बीसीसीसी2 05	प्राैक्तिकल	मुख्य	8	बीसीसीसी205	प्राैक्तिकल	मुख्य	8
कुल क्रेडिट			24	कुल क्रेडिट			24
भाग II: सेमेस्टर III				भाग II: सेमेस्टर III			
पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट	पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट

बीसीसीसी301	जैव-प्रौद्योगिकी में पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग	मुख्य	4		बीसीसीसी301	प्रौद्योगिकी में पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग	मुख्य	4
बीसीसीसी302	विकासात्मक जीव-विज्ञान	मुख्य	4		बीसीसीसी302	विकासात्मक जीव-विज्ञान	मुख्य	4
बीसीसीसी303	प्रोटीओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स	मुख्य	4		बीसीसीसी303	कोशिका विज्ञान	मुख्य	4
बीसीसीसी304	प्रस्तुति: अनुसंधान में अवधारणाएँ	मुख्य	4		बीसीसीसी304	प्रस्तुति: अनुसंधान में अवधारणाएँ	मुख्य	4
बीसीसीसी305	अनुसंधान में व्यावहारिक कौशल	मुख्य	8		बीसीसीसी305	अनुसंधान में व्यावहारिक कौशल	मुख्य	8
कुल क्रेडिट			24		कुल क्रेडिट			24

भाग II: सेमेस्टर IV				भाग II: सेमेस्टर IV			
पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट	पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीसीसीसी401	जैव-प्रौद्योगिकी के लिए जीनोमिक्स में उन्नत तकनीकें	मुख्य	4	बीसीसीसी401	जैव-प्रौद्योगिकी के लिए जीनोमिक्स में उन्नत तकनीकें	मुख्य	4
बीसीसीसी401	जैव-रसायन विज्ञान की मूल बातें	खुले वैकल्पिक	4	बीसीसीसी402	शोध पर मंथन	मुख्य	16
बीसीसीसी402	शोध पर मंथन	मुख्य	16	बीसीसीसी403	प्रोटीओमिक्स और मेटाबोलोमिक्स	मुख्य	4
कुल क्रेडिट			24	कुल क्रेडिट			24

(i) अध्यादेश V (2) और VII में संशोधन। [ई.सी. संकल्प 8-1-4 दिनांक 31.08.2021]

एम.एससी. जैव-भौतिकी

वर्तमान				संशोधित			
भाग I: सेमेस्टर I				भाग I: सेमेस्टर I			
पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट	पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीपीसीसी101 अथवा बीपीसीसी102	प्रारंभिक जीव-विज्ञान (भौतिक विज्ञान पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए) अथवा प्रारंभिक भौतिकी एवं रसायन विज्ञान (जैविक विज्ञान पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए)	मुख्य	4	बीपीसीसी101 अथवा बीपीसीसी102	प्रारंभिक जीव-विज्ञान (भौतिक विज्ञान पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए) अथवा प्रारंभिक भौतिकी एवं रसायन विज्ञान (जैविक विज्ञान पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए)	मुख्य	4
बीपीसीसी103	जीवन विज्ञान के लिए गणित और सांख्यिकी	मुख्य	4	बीपीसीसी103	जीवन विज्ञान के लिए गणित और सांख्यिकी	मुख्य	4
बीपीसीसी104	जैव-रसायन विज्ञान की अवधारणाएँ	मुख्य	4				

एमबीसीसी301	आणविक जीव-विज्ञान (सूक्ष्मजीव-विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर से)	मुख्य	4
बीपीसीसी105	प्राैक्तिकल (बीपीसीसी104 और एमबीसीसी 301 पर आधारित)	मुख्य	8
कुल क्रेडिट			24

भाग I: सेमेस्टर II

पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीपीसीसी 021	आणविक जैव-भौतिकी	मुख्य	4
बीपीसीसी202	जीव-विज्ञान में भौतिक विधियाँ	मुख्य	4
जीईएनसीसी 204	पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी (आनुवांशिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर से)	मुख्य	4
बीपीसीसी203	प्राैक्तिकल (कागज़ पर आधारित) बीपीसीसी 201, बीपीसीसी 202, जीईएनसीसी204)	मुख्य	8
बीपीईसी201 अथवा बीपीईसी 202	फोटो -जैवभौतिकी, विकिरण एवं पर्यावरणीय जैवभौतिकी अथवा प्रोग्रामिंग एवं डेटा विश्लेषण	वैकल्पिक	4
कुल क्रेडिट			24

भाग II: सेमेस्टर III

पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीपीसीसी 301	कोशिकीय जैव-भौतिकी और जैव-ऊर्जा विज्ञान	मुख्य	4
बीपीसीसी 302	जीव-विज्ञान में कंप्यूटर अनुप्रयोग	मुख्य	4
बीपीसीसी	शारीरिक जैवभौतिकी	मुख्य	4

बीपीसीसी104	जैव-रसायन विज्ञान की अवधारणाएँ	मुख्य	4
बीपीसीसी105	जीव-विज्ञान में कंप्यूटर अनुप्रयोग	मुख्य	4
बीपीसीसी106	प्राैक्तिकल-I(बीपीसीसी 104 और बीपीसीसी 105 पर आधारित)	मुख्य	8
कुल क्रेडिट			24

भाग I: सेमेस्टर II

पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीपीसीसी 201	आणविक जैवभौतिकी	मुख्य	4
बीपीसीसी 202	जीव-विज्ञान में भौतिक विधियाँ	मुख्य	4
जीईएनसीसी 204	पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी (आनुवांशिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर से)	मुख्य	4
बीपीसीसी 203	प्राैक्तिकल-II (पेपर बीपीसीसी201, बीपीसीसी202, जीईएनसीसी204 पर आधारित)	मुख्य	8
बीपीईसी201 अथवा बीपीईसी202	फोटो-जैव-भौतिकी, विकिरण एवं पर्यावरणीय जैवभौतिकी अथवा प्रोग्रामिंग एवं डेटा विश्लेषण	वैकल्पिक	4
कुल क्रेडिट			24

भाग II: सेमेस्टर III

पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीपीसीसी 301	कोशिकीय जैव-भौतिकी और जैव-ऊर्जा विज्ञान	मुख्य	4
बीपीसीसी 302	शारीरिक जैव-भौतिकी	मुख्य	4

303			
बीपीसीसी 304	प्राैक्टिकल-III (पेपर बीपीसीसी301, बीपीसीसी302, बीपीसीसी303 पर आधारित)	मुख्य	8
बीपीईसी301 अथवा बीपीसीसी302	उच्च-प्रवाह जीव-विज्ञान में विधियाँ अथवा विकासात्मक जीव-विज्ञान (जैव-रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर से)	वैकल्पिक	4
कुल क्रेडिट			24

भाग II: सेमेस्टर IV

पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीपीसीसी 401	झिल्ली जैवभौतिकी और तंत्रिका-जैवभौतिकी	मुख्य	4
बीपीसीसी 402	शोध-प्रबंध/परियोजना	मुख्य	16
बीपीओई 401	सैद्धांतिक एवं गणितीय जीव-विज्ञान	खुले वैकल्पिक	4
कुल क्रेडिट			24

एमबीसीसी 301	आणविक जीव-विज्ञान (सूक्ष्मजीव-विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर से)	मुख्य	4
बीपीसीसी 303	प्राैक्टिकल-III बीपीसीसी301, बीपीसीसी302, एमबीसीसी303 पर आधारित)	मुख्य	8
बीपीईसी 301 अथवा बीपीसीसी 302	उच्च-प्रवाह जीव-विज्ञान में विधियाँ अथवा विकासात्मक जीव-विज्ञान (जैव-रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर से)	वैकल्पिक	4
कुल क्रेडिट			24

भाग II: सेमेस्टर IV

पेपर कोड	पेपर का शीर्षक	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट
बीपीसीसी 401	झिल्ली जैवभौतिकी और तंत्रिका-जैवभौतिकी	मुख्य	4
बीपीसीसी 402	शोध-प्रबंध/परियोजना	मुख्य	16
बीपीओई 401	सैद्धांतिक एवं गणितीय जीव-विज्ञान	खुले वैकल्पिक	4
कुल क्रेडिट			24

- (i) अध्यादेश V (2) एवं VII के परिशिष्ट II में संशोधन। [ई.सी. संकल्प संख्या 42-3 दिनांक 17.12.2021] संस्कृत विभाग में यूजीसी एलओसीएफ के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में संशोधन के संबंध में, जिन्हें शैक्षणिक सत्र 2021-2022 से लागू किया जाएगा।

एम.ए. संस्कृत

पेपर संख्या	वर्तमान	संशोधित
मुख्य-201	सीसी-201: दर्शन न्याय एवं वेदान्त अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (04 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट)	सेमेस्टर: II, एम.ए. (संस्कृत) मुख्य पाठ्यक्रम सीसी-201: दर्शन: न्याय एवं वेदान्त अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) 01 ट्यूटोरियल=01 योग=05 क्रेडिट

	इकाईवार विभाजन इकाई I तर्कभाषा (केशवमिश्र)-शास्त्र की त्रिविध प्रवृत्तियाँ, कारण, करण एवं अन्यथासिद्ध, प्रमाणस्वरूप एवं तद्भेद-प्रत्यक्ष। इकाई II तर्कभाषा (केशवमिश्र)-अनुमान, उपमान एवं शब्द, अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि का स्वरूप तथा तद्विषयक विप्रतिपत्तियों का निरास, प्रामाण्यवाद, प्रमेयनिरूपण-आत्मा, दुःख एवं अपवर्ग के साथ सभी प्रमेय-संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा एवं हेत्वाभास। इकाई III वेदान्तसार (सदानन्द)-अधिकारिनिरूपण, वेदान्त, अनुबन्धचतुष्टयनिरूपण, अध्यारोप, अज्ञान का स्वरूप एवं अज्ञान की शक्तियाँ, प्रपञ्चनिरूपण=जाग्रदादि तीनों अवस्थाओं एवं शरीरों में व्याप्त पञ्चकोशोपेत अज्ञान की समष्टि एवं व्यष्टि तथा तदुपहित चैतन्यों का निरूपण, सृष्टिप्रक्रिया एवं पञ्चीकरण। इकाई IV वेदान्तसार (सदानन्द)-आत्मस्वरूप विषयक विप्रतिपत्तियाँ एवं उनका निराकरण, अपवाद, महावाक्यार्थ निर्णय, वृत्ति के कार्य एवं उसके भेद, श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति। ईशावास्योपनिषद्-विशेषतः नैतिकदर्शन, आत्मस्वरूप, विद्या-अविद्या तथा सम्भूति-असम्भूति प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table border="1"> <tr> <td>(i)</td><td>चार व्याख्याएँ (केवल तर्कभाषा और वेदान्तसार की प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>04x07=28</td></tr> <tr> <td>(ii)</td><td>चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक), (केवल ईशावास्योपनिषद् से संस्कृत में एक)</td><td>05+05+05+07=22</td></tr> <tr> <td>(iii)</td><td>केवल तर्कभाषा और वेदान्तसार से दो महत्वपूर्ण प्रश्न</td><td>02x10=20</td></tr> <tr> <td></td><td>योग</td><td>70</td></tr> </table>	(i)	चार व्याख्याएँ (केवल तर्कभाषा और वेदान्तसार की प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28	(ii)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक), (केवल ईशावास्योपनिषद् से संस्कृत में एक)	05+05+05+07=22	(iii)	केवल तर्कभाषा और वेदान्तसार से दो महत्वपूर्ण प्रश्न	02x10=20		योग	70	इकाईवार विभाजन इकाई I तर्कभाषा (केशवमिश्र)-शास्त्र की त्रिविध प्रवृत्तियाँ, कारण, करण एवं अन्यथासिद्ध, प्रमाणस्वरूप एवं तद्भेद-प्रत्यक्ष। इकाई II तर्कभाषा (केशवमिश्र)-अनुमान, उपमान एवं शब्द, अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि का स्वरूप तथा तद्विषयक विप्रतिपत्तियों का निरास, प्रामाण्यवाद, प्रमेयनिरूपण-आत्मा, दुःख एवं अपवर्ग के साथ सभी प्रमेय-संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा एवं हेत्वाभास। इकाई III वेदान्तसार (सदानन्द)-अधिकारिनिरूपण, वेदान्त, अनुबन्धचतुष्टयनिरूपण, अध्यारोप, अज्ञान का स्वरूप एवं अज्ञान की शक्तियाँ, प्रपञ्चनिरूपण=जाग्रदादि तीनों अवस्थाओं एवं शरीरों में व्याप्त पञ्चकोशोपेत अज्ञान की समष्टि एवं व्यष्टि तथा तदुपहित चैतन्यों का निरूपण, सृष्टिप्रक्रिया एवं पञ्चीकरण। इकाई IV वेदान्तसार (सदानन्द)-आत्मस्वरूप विषयक विप्रतिपत्तियाँ एवं उनका निराकरण, अपवाद, महावाक्यार्थनिर्णय, वृत्ति के कार्य एवं उसके भेद, श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table border="1"> <tr> <td>(i)</td><td>चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>04x07=28</td></tr> <tr> <td>(ii)</td><td>चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक, (संस्कृत में एक)</td><td>05+05+05+07=22</td></tr> <tr> <td>(iii)</td><td>दो महत्वपूर्ण प्रश्न</td><td>02x10=20</td></tr> <tr> <td></td><td>योग</td><td>70</td></tr> </table>	(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28	(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक, (संस्कृत में एक)	05+05+05+07=22	(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न	02x10=20		योग	70
(i)	चार व्याख्याएँ (केवल तर्कभाषा और वेदान्तसार की प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28																								
(ii)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक), (केवल ईशावास्योपनिषद् से संस्कृत में एक)	05+05+05+07=22																								
(iii)	केवल तर्कभाषा और वेदान्तसार से दो महत्वपूर्ण प्रश्न	02x10=20																								
	योग	70																								
(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28																								
(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक, (संस्कृत में एक)	05+05+05+07=22																								
(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न	02x10=20																								
	योग	70																								
मुख्य-204	नया संशोधन	सेमेस्टर: II, एम.ए. (संस्कृत) मुख्य पाठ्यक्रम 204: इतिहास एवं पुराण साहित्य का सामान्य ज्ञान अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 60 घंटे (16 सप्ताह). (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) (1 ट्यूटोरियल=1 क्रेडिट) योग=05 क्रेडिट																								

		इकाईवार विभाजन			
		इकाई-I	पुराण-	वायुपुराण-62 (पृथुचरित) मार्कण्डेयपुराण-25 (मदालसा उद्बोधन)	[15 घंटे]
		इकाई-II	रामायण-	3/16/1-42 (हेमन्तवर्णन) 5/15 अशोकवनिका में सीता	[15 घंटे]
		इकाई-III	(महाभारत)	उद्योगपर्व131- 134 (विदुरापुत्रानुशासनम्) भगवद्गीता 15 वाँ अध्याय	[15 घंटे]
		इकाई-IV	(पुराणेतिहास सर्वेक्षण)	पुराण-परिभाषा, विभाजन, पुराण एवं उपपुराणों की विषयवस्तु की भाषा और शैली, भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व रामायण एवं महाभारत-काल- निर्धारण, विभाग, विषयवस्तु, काव्यात्मक, ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक आदि दृष्टि से महत्त्व	[15 घंटे]
		प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन			
		(i)	पहली-तीसरी इकाई से चार व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई को शामिल करते हुए, एक संस्कृत में होनी चाहिए)		05+05+05+ 07=22
		(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक)		04x07=28
		(iii)	दो विश्लेषणात्मक प्रश्न (चौथी इकाई से)		02 10=20
			योग		70
		(सभी प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जाने चाहिए)			
ओई सी- 05	नया संशोधन	ओईसी-305: संस्कृत में भाषा-विषयक चिन्तन अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (04 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट)			

		<table><tr><td colspan="3">इकाईवार विभाजन</td></tr><tr><td>इकाई-I</td><td colspan="2">निम्नलिखित का सामान्य अध्ययन: प्रातिशाख्य, शिक्षा, शाकल्य, शाकाटायन, व्यादि, यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, कैयता, नागेसा, कुमारिल, प्रभाकर, जगदीश तर्कालंकार।</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td colspan="2">वाक्यपदीय, काण्ड 2, कारिका 1-2 एवं 117-152, वाक्य के संबंध में 8 परिभाषाएँ, शब्द-अर्थ के संबंध में 12 परिभाषाएँ, अर्थ का प्रतिभा सिद्धांत</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td colspan="2">न्यायसिद्धांतमुक्तावली-शब्दखंड-वाक्य अर्थ की प्रक्रिया, शब्द के कार्य-अभिधा (शब्द का प्राथमिक कार्य), शक्तिग्रह का साधन, पादपदार्थ, वाक्य अर्थ के साधन</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td colspan="2">अपोहा अर्थ का सिद्धांत, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, स्फोट और शब्दब्राह्मण का सिद्धांत</td></tr><tr><td colspan="3">प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन</td></tr><tr><td>(i)</td><td>पहली इकाई से 3 संक्षिप्त टिप्पणियां</td><td>5+5+5=15</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>दूसरी और तीसरी इकाई से 3 व्याख्यात्मक प्रश्न</td><td>13+13+13=39</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>चौथी इकाई से 2 विस्तृत टिप्पणियां</td><td>08+08=16</td></tr><tr><td></td><td>योग</td><td>70</td></tr></table>	इकाईवार विभाजन			इकाई-I	निम्नलिखित का सामान्य अध्ययन: प्रातिशाख्य, शिक्षा, शाकल्य, शाकाटायन, व्यादि, यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, कैयता, नागेसा, कुमारिल, प्रभाकर, जगदीश तर्कालंकार।		इकाई-II	वाक्यपदीय, काण्ड 2, कारिका 1-2 एवं 117-152, वाक्य के संबंध में 8 परिभाषाएँ, शब्द-अर्थ के संबंध में 12 परिभाषाएँ, अर्थ का प्रतिभा सिद्धांत		इकाई-III	न्यायसिद्धांतमुक्तावली-शब्दखंड-वाक्य अर्थ की प्रक्रिया, शब्द के कार्य-अभिधा (शब्द का प्राथमिक कार्य), शक्तिग्रह का साधन, पादपदार्थ, वाक्य अर्थ के साधन		इकाई-IV	अपोहा अर्थ का सिद्धांत, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, स्फोट और शब्दब्राह्मण का सिद्धांत		प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन			(i)	पहली इकाई से 3 संक्षिप्त टिप्पणियां	5+5+5=15	(ii)	दूसरी और तीसरी इकाई से 3 व्याख्यात्मक प्रश्न	13+13+13=39	(iii)	चौथी इकाई से 2 विस्तृत टिप्पणियां	08+08=16		योग	70
इकाईवार विभाजन																																
इकाई-I	निम्नलिखित का सामान्य अध्ययन: प्रातिशाख्य, शिक्षा, शाकल्य, शाकाटायन, व्यादि, यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, कैयता, नागेसा, कुमारिल, प्रभाकर, जगदीश तर्कालंकार।																															
इकाई-II	वाक्यपदीय, काण्ड 2, कारिका 1-2 एवं 117-152, वाक्य के संबंध में 8 परिभाषाएँ, शब्द-अर्थ के संबंध में 12 परिभाषाएँ, अर्थ का प्रतिभा सिद्धांत																															
इकाई-III	न्यायसिद्धांतमुक्तावली-शब्दखंड-वाक्य अर्थ की प्रक्रिया, शब्द के कार्य-अभिधा (शब्द का प्राथमिक कार्य), शक्तिग्रह का साधन, पादपदार्थ, वाक्य अर्थ के साधन																															
इकाई-IV	अपोहा अर्थ का सिद्धांत, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, स्फोट और शब्दब्राह्मण का सिद्धांत																															
प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन																																
(i)	पहली इकाई से 3 संक्षिप्त टिप्पणियां	5+5+5=15																														
(ii)	दूसरी और तीसरी इकाई से 3 व्याख्यात्मक प्रश्न	13+13+13=39																														
(iii)	चौथी इकाई से 2 विस्तृत टिप्पणियां	08+08=16																														
	योग	70																														
ओईसी -306	नया संशोधन	<table><tr><td colspan="2">सेमेस्टर: III</td></tr><tr><td colspan="2">खुला वैकल्पिक पाठ्यक्रम</td></tr><tr><td colspan="2">ओईसी-306: संस्कृतवाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा</td></tr><tr><td colspan="2">अधिकतम अंक: 100 (70+30)</td></tr><tr><td colspan="2">अवधि: 64 घंटे (04 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट)</td></tr><tr><td colspan="2">इकाईवार विभाजन</td></tr><tr><td>इकाई-I</td><td>सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विशेषताएँ, वैदिक एवं उत्तर वैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) एवं पुराणों में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति</td></tr></table>	सेमेस्टर: III		खुला वैकल्पिक पाठ्यक्रम		ओईसी-306: संस्कृतवाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा		अधिकतम अंक: 100 (70+30)		अवधि: 64 घंटे (04 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट)		इकाईवार विभाजन		इकाई-I	सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विशेषताएँ, वैदिक एवं उत्तर वैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)	इकाई-II	महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) एवं पुराणों में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति														
सेमेस्टर: III																																
खुला वैकल्पिक पाठ्यक्रम																																
ओईसी-306: संस्कृतवाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा																																
अधिकतम अंक: 100 (70+30)																																
अवधि: 64 घंटे (04 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट)																																
इकाईवार विभाजन																																
इकाई-I	सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विशेषताएँ, वैदिक एवं उत्तर वैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)																															
इकाई-II	महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) एवं पुराणों में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति																															

			(सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)	
		इकाई-III	वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय, संस्कार, प्राचीन भारत में नारी की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली एवं शिक्षण-संस्थान	
		इकाई-IV	शैव, वैष्णव, बौद्ध एवं जैन धर्मों का उद्भव, विकास एवं मुख्य सिद्धान्त	
		प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन		
		(i)	चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	12x4=48
		(ii)	चार लघु टिप्पणियां (प्रत्येक इकाई से एक)	5.5x4=22
			कुल अंक	70
मुख्य-403	मुख्य पाठ्यक्रम सीसी-403: दर्शन: सांख्य एवं मीमांसा अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (04 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट)	सीसी-403: दर्शन :सांख्य एवं मीमांसा अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) 01 ट्यूटोरियल=01 क्रेडिट योग=05 क्रेडिट		
	इकाईवार विभाजन	इकाईवार विभाजन		
	इकाई-I	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण)-दुःखत्रयवाद, प्रमाण, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं गुणत्रय, पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया-भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्ष।	इकाई-I	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण)-दुःखत्रयवाद, प्रमाण, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं गुणत्रय, पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया-भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्ष।
	इकाई-II	श्वेताश्वतरोपनिषद् (केवल 1-4 अध्याय)	इकाई-II	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण)-पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया-भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्ष।
	इकाई-III	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर)-धर्म, भावना, वेद की अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि और विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, प्रयोगविधि तथा अधिकारविधि।	इकाई-III	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर)-धर्म, भावना, वेद की अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि और विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि प्रयोगविधि तथा अधिकारविधि।
	इकाई-IV	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर)-मन्त्र, नामधेय, एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि और नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।	इकाई-IV	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर)-मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि और नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।
	प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन			
	(i)	चार स्पष्टीकरण (I, III और IV इकाई से एक)		04x07=28
	(ii)	चार लघु टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक, श्वेताश्वतरोपनिषद् से संस्कृत में एक)		5+5+5+07=22
	प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन			
	(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)		04x07=28
	(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक, एक संस्कृत में)		5+5+5+07=22

	(iii) केवल सांख्यकारिका और अर्थसंग्रह से दो महत्वपूर्ण प्रश्न	02x10=20	(iii) दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	02x10=20																								
	कुल अंक	70	कुल अंक	70																								
मुख्य-404	नया संशोधन	मुख्य पाठ्यक्रम 404: औपनिषदिक परंपरा का दर्शन अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 60 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) 1-ट्यूटोरियल= 1 क्रेडिट योग=05 क्रेडिट इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>ईशावास्योपनिषद्</td><td>[15 घंटे]</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>श्वेताश्वतरोपनिषद् अध्याय – प्रथम एवं द्वितीय</td><td>[15 घंटे]</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>श्वेताश्वतरोपनिषद्, अध्याय-तृतीय एवं चतुर्थ।</td><td>[15 घंटे]</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>उपनिषत्साहित्य का सर्वेक्षण-स्वरूप, स्वरूप, संख्या, सन्देश, सृष्टिविद्या, जीव, आत्मा, ब्रह्म आदि प्रतिपाद्य विषय।</td><td>[15 घंटे]</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>1-3 इकाइयों से चार व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई को कवर करते हुए, एक संस्कृत में होनी चाहिए)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार लघु टिप्पणियां (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>04x07=28</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>दो विश्लेषणात्मक प्रश्न (चौथी इकाई से)</td><td>02x10=20</td></tr><tr><td></td><td>कुल अंक</td><td>70</td></tr></table> (सभी प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जाने चाहिए)			इकाई-I	ईशावास्योपनिषद्	[15 घंटे]	इकाई-II	श्वेताश्वतरोपनिषद् अध्याय – प्रथम एवं द्वितीय	[15 घंटे]	इकाई-III	श्वेताश्वतरोपनिषद्, अध्याय-तृतीय एवं चतुर्थ।	[15 घंटे]	इकाई-IV	उपनिषत्साहित्य का सर्वेक्षण-स्वरूप, स्वरूप, संख्या, सन्देश, सृष्टिविद्या, जीव, आत्मा, ब्रह्म आदि प्रतिपाद्य विषय।	[15 घंटे]	(i)	1-3 इकाइयों से चार व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई को कवर करते हुए, एक संस्कृत में होनी चाहिए)	5+5+5+07=22	(ii)	चार लघु टिप्पणियां (प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28	(iii)	दो विश्लेषणात्मक प्रश्न (चौथी इकाई से)	02x10=20		कुल अंक	70
इकाई-I	ईशावास्योपनिषद्	[15 घंटे]																										
इकाई-II	श्वेताश्वतरोपनिषद् अध्याय – प्रथम एवं द्वितीय	[15 घंटे]																										
इकाई-III	श्वेताश्वतरोपनिषद्, अध्याय-तृतीय एवं चतुर्थ।	[15 घंटे]																										
इकाई-IV	उपनिषत्साहित्य का सर्वेक्षण-स्वरूप, स्वरूप, संख्या, सन्देश, सृष्टिविद्या, जीव, आत्मा, ब्रह्म आदि प्रतिपाद्य विषय।	[15 घंटे]																										
(i)	1-3 इकाइयों से चार व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई को कवर करते हुए, एक संस्कृत में होनी चाहिए)	5+5+5+07=22																										
(ii)	चार लघु टिप्पणियां (प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28																										
(iii)	दो विश्लेषणात्मक प्रश्न (चौथी इकाई से)	02x10=20																										
	कुल अंक	70																										
ओईसी-405	नया संशोधन	ओईसी-405: संस्कृत में भाषा-विषयक चिन्तन (संस्कृत के अलावा अन्य भाषाओं के छात्रों के लिए अवधारणा आधारित मॉड्यूल) अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>निम्नलिखित का सामान्य अध्ययन: प्रातिशाख्य, शिक्षा, शाकल्य, सकातायन, व्यादि, यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, कैयता, नागसा, कुमारिला, प्रभाकर,</td></tr></table>			इकाई-I	निम्नलिखित का सामान्य अध्ययन: प्रातिशाख्य, शिक्षा, शाकल्य, सकातायन, व्यादि, यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, कैयता, नागसा, कुमारिला, प्रभाकर,																						
इकाई-I	निम्नलिखित का सामान्य अध्ययन: प्रातिशाख्य, शिक्षा, शाकल्य, सकातायन, व्यादि, यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, कैयता, नागसा, कुमारिला, प्रभाकर,																											

			जगदीश तर्कालंकार								
		इकाई-II	वाक्यपदीय, काण्ड 2, कारिका 1-2 एवं 117-152, वाक्य के संबंध में 8 परिभाषाएँ, शब्द-अर्थ के संबंध में 12 परिभाषाएँ, अर्थ का प्रतिभा सिद्धांत								
		इकाई-III	न्यायसिद्धांतमुक्तावली-शब्दखंड-वाक्य अर्थ की प्रक्रिया, शब्द के कार्य-अभिधा (शब्द का प्राथमिक कार्य), शक्तिग्रह का साधन, पादपदार्थ, वाक्य अर्थ के साधन								
		इकाई-IV	अपोहा अर्थ का सिद्धांत, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, स्फोट और शब्दब्राह्मण का सिद्धांत								
		प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन									
		(i)	पहली इकाई से 3 संक्षिप्त टिप्पणियां	5+5+5=15							
		(ii)	दूसरी और तीसरी इकाई से 3 व्याख्यात्मक प्रश्न	13+13+13=39							
		(iii)	2 चौथी इकाई से विस्तृत टिप्पणियां	8+8= 16							
			कुल अंक	70							
		ओईसी-406	नया संशोधन	ओईसी-406: वैदिक-व्याख्या, इतिहास एवं चिन्तन अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>वैदिक व्याख्या: प्राच्यपद्धति-(i) वेदव्याख्यान परम्परा, (ii) प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार: सायण, दयानन्द, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूदनओझा, आनन्दकुमारस्वामी, कपालीशास्त्री, आर. एन.दाण्डेकर इत्यादि।</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>वैदिक व्याख्या: प्रतीच्यपद्धति-पाश्चात्य विद्वानों का योगदान, विशेषत:-रॉथ, वर्गेन, लुडविग, गेल्डनर, मैक्समूलर, हिलेब्रान्ट, ग्रिफिथ, विल्सन इत्यादि।</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>वैदिक साहित्य का इतिहास-ऋग्वेदसंहिता, यजुर्वेदसंहिता, सामवेदसंहिता एवं अथर्ववेदसंहिता; वेदों की शाखाएँ, ज्ञान एवं वेदों का कालनिर्धारण, ब्राह्मणसाहित्य, आरण्यक और उपनिषद्: ज्ञान, वेदाङ्ग साहित्य: ज्ञान</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>वैदिक चिन्तन- वैदिकदेवता, वैदिकसमाज, वेदों की अपौरुषेयता एवं नित्यता, ऋत</td></tr></table>		इकाई-I	वैदिक व्याख्या: प्राच्यपद्धति-(i) वेदव्याख्यान परम्परा, (ii) प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार: सायण, दयानन्द, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूदनओझा, आनन्दकुमारस्वामी, कपालीशास्त्री, आर. एन.दाण्डेकर इत्यादि।	इकाई-II	वैदिक व्याख्या: प्रतीच्यपद्धति-पाश्चात्य विद्वानों का योगदान, विशेषत:-रॉथ, वर्गेन, लुडविग, गेल्डनर, मैक्समूलर, हिलेब्रान्ट, ग्रिफिथ, विल्सन इत्यादि।	इकाई-III	वैदिक साहित्य का इतिहास-ऋग्वेदसंहिता, यजुर्वेदसंहिता, सामवेदसंहिता एवं अथर्ववेदसंहिता; वेदों की शाखाएँ, ज्ञान एवं वेदों का कालनिर्धारण, ब्राह्मणसाहित्य, आरण्यक और उपनिषद्: ज्ञान, वेदाङ्ग साहित्य: ज्ञान
इकाई-I	वैदिक व्याख्या: प्राच्यपद्धति-(i) वेदव्याख्यान परम्परा, (ii) प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार: सायण, दयानन्द, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूदनओझा, आनन्दकुमारस्वामी, कपालीशास्त्री, आर. एन.दाण्डेकर इत्यादि।										
इकाई-II	वैदिक व्याख्या: प्रतीच्यपद्धति-पाश्चात्य विद्वानों का योगदान, विशेषत:-रॉथ, वर्गेन, लुडविग, गेल्डनर, मैक्समूलर, हिलेब्रान्ट, ग्रिफिथ, विल्सन इत्यादि।										
इकाई-III	वैदिक साहित्य का इतिहास-ऋग्वेदसंहिता, यजुर्वेदसंहिता, सामवेदसंहिता एवं अथर्ववेदसंहिता; वेदों की शाखाएँ, ज्ञान एवं वेदों का कालनिर्धारण, ब्राह्मणसाहित्य, आरण्यक और उपनिषद्: ज्ञान, वेदाङ्ग साहित्य: ज्ञान										
इकाई-IV	वैदिक चिन्तन- वैदिकदेवता, वैदिकसमाज, वेदों की अपौरुषेयता एवं नित्यता, ऋत										

		की अवधारणा, वैदिकदर्शन] प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>12x4=48</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ। एक संस्कृत में अवश्य होनी चाहिए (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>5+5+5+7 =22</td></tr><tr><td></td><td>कुल अंक</td><td>70</td></tr></table> **टिप्पणी: (यह ओईसी "ए" ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	(i)	चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	12x4=48	(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ। एक संस्कृत में अवश्य होनी चाहिए (प्रत्येक इकाई से एक)	5+5+5+7 =22		कुल अंक	70								
(i)	चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	12x4=48																	
(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ। एक संस्कृत में अवश्य होनी चाहिए (प्रत्येक इकाई से एक)	5+5+5+7 =22																	
	कुल अंक	70																	
ओईसी-407	नया संशोधन	ओईसी-407: भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य): चार्वाकमत एवं जैनमत</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य): बौद्धमत एवं शैवमत</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण- भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारणीय पक्षों का आलोचनात्मक अध्ययन-आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारण सिद्धान्त, मोक्ष, कर्म एवं पुनर्जन्म, प्रमाण, प्रामाण्यवाद तथा ख्यातिवाद आदि।</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण- प्रमुख भारतीय दार्शनिक मतों (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त) का ऐतिहासिक सर्वेक्षण। भारतीय दर्शन के प्रमुख आचार्य (जैमिनि, बादरायण, कपिल, पतञ्जलि, गौतम, कणाद, शंकर और वाचस्पति मिश्र) तथा उनके अवदानों का ज्ञान।</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>12x4=48</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ। एक संस्कृत में अवश्य होनी चाहिए (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>5+5+5+7 = 22</td></tr><tr><td></td><td>कुल अंक</td><td>70</td></tr></table> **टिप्पणी: (यह ओईसी "बी" ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	इकाई-I	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य): चार्वाकमत एवं जैनमत	इकाई-II	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य): बौद्धमत एवं शैवमत	इकाई-III	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण- भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारणीय पक्षों का आलोचनात्मक अध्ययन-आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारण सिद्धान्त, मोक्ष, कर्म एवं पुनर्जन्म, प्रमाण, प्रामाण्यवाद तथा ख्यातिवाद आदि।	इकाई-IV	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण- प्रमुख भारतीय दार्शनिक मतों (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त) का ऐतिहासिक सर्वेक्षण। भारतीय दर्शन के प्रमुख आचार्य (जैमिनि, बादरायण, कपिल, पतञ्जलि, गौतम, कणाद, शंकर और वाचस्पति मिश्र) तथा उनके अवदानों का ज्ञान।	(i)	चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	12x4=48	(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ। एक संस्कृत में अवश्य होनी चाहिए (प्रत्येक इकाई से एक)	5+5+5+7 = 22		कुल अंक	70
इकाई-I	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य): चार्वाकमत एवं जैनमत																		
इकाई-II	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य): बौद्धमत एवं शैवमत																		
इकाई-III	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण- भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारणीय पक्षों का आलोचनात्मक अध्ययन-आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारण सिद्धान्त, मोक्ष, कर्म एवं पुनर्जन्म, प्रमाण, प्रामाण्यवाद तथा ख्यातिवाद आदि।																		
इकाई-IV	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण- प्रमुख भारतीय दार्शनिक मतों (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त) का ऐतिहासिक सर्वेक्षण। भारतीय दर्शन के प्रमुख आचार्य (जैमिनि, बादरायण, कपिल, पतञ्जलि, गौतम, कणाद, शंकर और वाचस्पति मिश्र) तथा उनके अवदानों का ज्ञान।																		
(i)	चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	12x4=48																	
(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ। एक संस्कृत में अवश्य होनी चाहिए (प्रत्येक इकाई से एक)	5+5+5+7 = 22																	
	कुल अंक	70																	
ओईसी-408	नया संशोधन	ओईसी-408: दशरूपक एवं संस्कृत-काव्यशास्त्र का सर्वेक्षण अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह)																	

		(4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><th colspan="2">दशरूपक (अवलोकसहित)</th></tr><tr><td>इकाई-I</td><td>दशरूपक-ग्रन्थ का प्रयोजन, रूपक के भेद, रूपकों के भेदकतत्त्व, वस्तु का स्वरूप एवं भेद, अर्थ-प्रकृतियाँ, कार्यावस्थाएँ, संधियाँ, अर्थोपक्षेपक, नायक के गुण, नायक के प्रकार, नायिकाभेद, नायक के सहायक एवं नायिका की सहायिकाएँ, नाट्यवृत्तियाँ, वृत्तियों के विषय में उद्धृष्टादि के मत का निराकरण एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>रसयोजना, रसयोजना के अंग, व्यभिचारी भाव, स्थायी भाव (भावों के विरोधाविरोध पर विचार), नाट्य में शान्तरस का निषेध, स्थायी भाव तथा रस का काव्य से सम्बन्ध-ध्वनिवादी पूर्वपक्ष, दशरूपककार का सिद्धान्त, रस का आश्रय, भाव्य-भावकसिद्धान्त, रस की प्रक्रिया तथा स्वरूप एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>अलङ्कार-सिद्धान्त, गुण-रीति-सिद्धान्त, ध्वनि-सिद्धान्त, रस-सिद्धान्त, वक्रोत्ति-सिद्धान्त एवं औचित्य-सिद्धान्त।</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>भरतमुनि, अग्निपुराण, विष्णुधर्मोत्तर-पुराण, भामह, दण्डी, उद्भट, रुद्रट, मुकुलभट्ट, राजशेखर, महिमभट्ट, भोजराज, रुय्यक, सागरनन्दी, हेमचन्द्र, रामचन्द्र-गुणचन्द्र, जयदेव, शारदातनय, सिंहभूपाल, भानुदत्तमिश्र, रूपगोस्वामी, अप्पयदीक्षित, पण्डितराज जगन्नाथ।</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>04x07=28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)</td><td>5+5+5+7 = 22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न विकल्पों सहित)</td><td>02x10=20</td></tr><tr><td></td><td>कुल अंक</td><td>70</td></tr></table> **टिप्पणी: (यह ओईसी "सी" ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	दशरूपक (अवलोकसहित)		इकाई-I	दशरूपक-ग्रन्थ का प्रयोजन, रूपक के भेद, रूपकों के भेदकतत्त्व, वस्तु का स्वरूप एवं भेद, अर्थ-प्रकृतियाँ, कार्यावस्थाएँ, संधियाँ, अर्थोपक्षेपक, नायक के गुण, नायक के प्रकार, नायिकाभेद, नायक के सहायक एवं नायिका की सहायिकाएँ, नाट्यवृत्तियाँ, वृत्तियों के विषय में उद्धृष्टादि के मत का निराकरण एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।	इकाई-II	रसयोजना, रसयोजना के अंग, व्यभिचारी भाव, स्थायी भाव (भावों के विरोधाविरोध पर विचार), नाट्य में शान्तरस का निषेध, स्थायी भाव तथा रस का काव्य से सम्बन्ध-ध्वनिवादी पूर्वपक्ष, दशरूपककार का सिद्धान्त, रस का आश्रय, भाव्य-भावकसिद्धान्त, रस की प्रक्रिया तथा स्वरूप एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।	इकाई-III	अलङ्कार-सिद्धान्त, गुण-रीति-सिद्धान्त, ध्वनि-सिद्धान्त, रस-सिद्धान्त, वक्रोत्ति-सिद्धान्त एवं औचित्य-सिद्धान्त।	इकाई-IV	भरतमुनि, अग्निपुराण, विष्णुधर्मोत्तर-पुराण, भामह, दण्डी, उद्भट, रुद्रट, मुकुलभट्ट, राजशेखर, महिमभट्ट, भोजराज, रुय्यक, सागरनन्दी, हेमचन्द्र, रामचन्द्र-गुणचन्द्र, जयदेव, शारदातनय, सिंहभूपाल, भानुदत्तमिश्र, रूपगोस्वामी, अप्पयदीक्षित, पण्डितराज जगन्नाथ।	(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28	(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+7 = 22	(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न विकल्पों सहित)	02x10=20		कुल अंक	70
दशरूपक (अवलोकसहित)																								
इकाई-I	दशरूपक-ग्रन्थ का प्रयोजन, रूपक के भेद, रूपकों के भेदकतत्त्व, वस्तु का स्वरूप एवं भेद, अर्थ-प्रकृतियाँ, कार्यावस्थाएँ, संधियाँ, अर्थोपक्षेपक, नायक के गुण, नायक के प्रकार, नायिकाभेद, नायक के सहायक एवं नायिका की सहायिकाएँ, नाट्यवृत्तियाँ, वृत्तियों के विषय में उद्धृष्टादि के मत का निराकरण एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।																							
इकाई-II	रसयोजना, रसयोजना के अंग, व्यभिचारी भाव, स्थायी भाव (भावों के विरोधाविरोध पर विचार), नाट्य में शान्तरस का निषेध, स्थायी भाव तथा रस का काव्य से सम्बन्ध-ध्वनिवादी पूर्वपक्ष, दशरूपककार का सिद्धान्त, रस का आश्रय, भाव्य-भावकसिद्धान्त, रस की प्रक्रिया तथा स्वरूप एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।																							
इकाई-III	अलङ्कार-सिद्धान्त, गुण-रीति-सिद्धान्त, ध्वनि-सिद्धान्त, रस-सिद्धान्त, वक्रोत्ति-सिद्धान्त एवं औचित्य-सिद्धान्त।																							
इकाई-IV	भरतमुनि, अग्निपुराण, विष्णुधर्मोत्तर-पुराण, भामह, दण्डी, उद्भट, रुद्रट, मुकुलभट्ट, राजशेखर, महिमभट्ट, भोजराज, रुय्यक, सागरनन्दी, हेमचन्द्र, रामचन्द्र-गुणचन्द्र, जयदेव, शारदातनय, सिंहभूपाल, भानुदत्तमिश्र, रूपगोस्वामी, अप्पयदीक्षित, पण्डितराज जगन्नाथ।																							
(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	04x07=28																						
(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+7 = 22																						
(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न विकल्पों सहित)	02x10=20																						
	कुल अंक	70																						
ओईसी-409	नया संशोधन	ओईसी-409: सिद्धान्तकौमुदी (कृदन्त) एवं संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह)																						

		(4 सिद्धान्त=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>सिद्धान्तकौमुदी: पूर्वकृदन्तः (क्त-प्रत्ययप्रकरण के द्रवमूर्तिस्पर्शयोः श्यः से विकुशमिपरिभ्यःस्थलम् सूत्रों को छोड़कर)</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>सिद्धान्तकौमुदी: कृदन्त-प्रकरण, उत्तरकृदन्त (उणादिरहित)।</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-पाणिनिपूर्व वैयाकरण आचार्यों का योगदान, मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि) का काल एवं योगदान, पाणिन्युत्तरव्याकरण-सम्प्रदायों का सर्वेक्षण: चान्द्र, कातन्त्र, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सुपद्म, हरिनामामृत आदि।</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-अष्टाध्यायी की वृत्ति-परम्परा, पाणिनि-व्याकरण में प्रक्रियाग्रन्थों का योगदान, पाणिनि-परम्परा के दार्शनिक आचार्य : भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>सूत्रों की आठ व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई से दो)</td><td>8x3.5=28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>व्युत्पत्ति प्रक्रिया की आठ व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई से दो)</td><td>8x3.5=28</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>एक महत्वपूर्ण प्रश्न</td><td>1x7=7</td></tr><tr><td>(iv)</td><td>संस्कृत में एक संक्षिप्त टिप्पणी</td><td>1x7=7</td></tr><tr><td></td><td>योग</td><td>70</td></tr></table> *टिप्पणी: (यह ओईसी "डी" ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	इकाई-I	सिद्धान्तकौमुदी: पूर्वकृदन्तः (क्त-प्रत्ययप्रकरण के द्रवमूर्तिस्पर्शयोः श्यः से विकुशमिपरिभ्यःस्थलम् सूत्रों को छोड़कर)	इकाई-II	सिद्धान्तकौमुदी: कृदन्त-प्रकरण, उत्तरकृदन्त (उणादिरहित)।	इकाई-III	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-पाणिनिपूर्व वैयाकरण आचार्यों का योगदान, मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि) का काल एवं योगदान, पाणिन्युत्तरव्याकरण-सम्प्रदायों का सर्वेक्षण: चान्द्र, कातन्त्र, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सुपद्म, हरिनामामृत आदि।	इकाई-IV	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-अष्टाध्यायी की वृत्ति-परम्परा, पाणिनि-व्याकरण में प्रक्रियाग्रन्थों का योगदान, पाणिनि-परम्परा के दार्शनिक आचार्य : भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।	(i)	सूत्रों की आठ व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई से दो)	8x3.5=28	(ii)	व्युत्पत्ति प्रक्रिया की आठ व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई से दो)	8x3.5=28	(iii)	एक महत्वपूर्ण प्रश्न	1x7=7	(iv)	संस्कृत में एक संक्षिप्त टिप्पणी	1x7=7		योग	70
इकाई-I	सिद्धान्तकौमुदी: पूर्वकृदन्तः (क्त-प्रत्ययप्रकरण के द्रवमूर्तिस्पर्शयोः श्यः से विकुशमिपरिभ्यःस्थलम् सूत्रों को छोड़कर)																								
इकाई-II	सिद्धान्तकौमुदी: कृदन्त-प्रकरण, उत्तरकृदन्त (उणादिरहित)।																								
इकाई-III	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-पाणिनिपूर्व वैयाकरण आचार्यों का योगदान, मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि) का काल एवं योगदान, पाणिन्युत्तरव्याकरण-सम्प्रदायों का सर्वेक्षण: चान्द्र, कातन्त्र, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सुपद्म, हरिनामामृत आदि।																								
इकाई-IV	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास-अष्टाध्यायी की वृत्ति-परम्परा, पाणिनि-व्याकरण में प्रक्रियाग्रन्थों का योगदान, पाणिनि-परम्परा के दार्शनिक आचार्य : भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।																								
(i)	सूत्रों की आठ व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई से दो)	8x3.5=28																							
(ii)	व्युत्पत्ति प्रक्रिया की आठ व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई से दो)	8x3.5=28																							
(iii)	एक महत्वपूर्ण प्रश्न	1x7=7																							
(iv)	संस्कृत में एक संक्षिप्त टिप्पणी	1x7=7																							
	योग	70																							
ओईसी-410	नया संशोधन	ओईसी-410: आपस्तम्ब धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र का इतिहास अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धान्त=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>आपस्तम्ब धर्मसूत्र-प्रथम प्रश्न</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>आपस्तम्ब धर्मसूत्र-द्वितीय प्रश्न)</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>धर्मशास्त्र का इतिहास-धर्मशास्त्र के आचार्य-मेधातिथि, विज्ञानेश्वर, लक्ष्मीधर, जीमूतवाहन, देवणभट्ट, चण्डेश्वर, माधवाचार्य, वाचस्पतिमिश्र, कमलाकरभट्ट, मित्रमिश्र, रघुनन्दन।</td></tr></table>	इकाई-I	आपस्तम्ब धर्मसूत्र-प्रथम प्रश्न	इकाई-II	आपस्तम्ब धर्मसूत्र-द्वितीय प्रश्न)	इकाई-III	धर्मशास्त्र का इतिहास-धर्मशास्त्र के आचार्य-मेधातिथि, विज्ञानेश्वर, लक्ष्मीधर, जीमूतवाहन, देवणभट्ट, चण्डेश्वर, माधवाचार्य, वाचस्पतिमिश्र, कमलाकरभट्ट, मित्रमिश्र, रघुनन्दन।																	
इकाई-I	आपस्तम्ब धर्मसूत्र-प्रथम प्रश्न																								
इकाई-II	आपस्तम्ब धर्मसूत्र-द्वितीय प्रश्न)																								
इकाई-III	धर्मशास्त्र का इतिहास-धर्मशास्त्र के आचार्य-मेधातिथि, विज्ञानेश्वर, लक्ष्मीधर, जीमूतवाहन, देवणभट्ट, चण्डेश्वर, माधवाचार्य, वाचस्पतिमिश्र, कमलाकरभट्ट, मित्रमिश्र, रघुनन्दन।																								

		इकाई-IV धर्मशास्त्र का इतिहास-धर्मशास्त्र के प्रमुखसिद्धान्त-वर्ण, आश्रम, संस्कार, स्त्रियों की स्थिति, श्रौतयाग, राजधर्म, दण्डव्यवस्था, धर्मशास्त्र विषयक आधुनिक अध्ययन (स्वातन्त्र्योत्तरकाल) प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>4x7=28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न विकल्पों सहित)</td><td>02x10=20</td></tr><tr><td></td><td></td><td>योग:70</td></tr></table> “टिप्पणी: (यह ओईसी “ई” ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	4x7=28	(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+07=22	(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न विकल्पों सहित)	02x10=20			योग:70																	
(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	4x7=28																													
(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+07=22																													
(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न विकल्पों सहित)	02x10=20																													
		योग:70																													
ओईसी-411	नया संशोधन	ओईसी-411: भारतीय पुरालिपि-शास्त्र अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>1. भारत में लेखन कला की प्राचीनता</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>2. प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली लिपियों का वर्णन</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>भारत में अभिलेख के अध्ययन का इतिहास</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>अभिलेखों के अध्ययन का महत्व</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>दो प्रश्न (प्रथम इकाई से)</td><td>8x2=16</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>दो अक्षरों का परिचय (ब्राह्मी लिपि के विकास हेतु)</td><td>7x1=07</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>तीन प्रश्न (द्वितीय इकाई से)</td><td>8x3=24</td></tr><tr><td>(iv)</td><td>एक संक्षिप्त टिप्पणी (संवत् के बारे में, द्वितीय इकाई से)</td><td>7x1=07</td></tr><tr><td>(v)</td><td>एक प्रश्न (III इकाई से)</td><td>9x1=09</td></tr><tr><td>(vi)</td><td>संस्कृत में दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ (चतुर्थ इकाई से)</td><td>3.5x2=07</td></tr><tr><td></td><td>कुल अंक</td><td>70</td></tr></table> “टिप्पणी: (यह ओईसी “एफ” ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	इकाई-I	1. भारत में लेखन कला की प्राचीनता	इकाई-II	2. प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली लिपियों का वर्णन	इकाई-III	भारत में अभिलेख के अध्ययन का इतिहास	इकाई-IV	अभिलेखों के अध्ययन का महत्व	(i)	दो प्रश्न (प्रथम इकाई से)	8x2=16	(ii)	दो अक्षरों का परिचय (ब्राह्मी लिपि के विकास हेतु)	7x1=07	(iii)	तीन प्रश्न (द्वितीय इकाई से)	8x3=24	(iv)	एक संक्षिप्त टिप्पणी (संवत् के बारे में, द्वितीय इकाई से)	7x1=07	(v)	एक प्रश्न (III इकाई से)	9x1=09	(vi)	संस्कृत में दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ (चतुर्थ इकाई से)	3.5x2=07		कुल अंक	70
इकाई-I	1. भारत में लेखन कला की प्राचीनता																														
इकाई-II	2. प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली लिपियों का वर्णन																														
इकाई-III	भारत में अभिलेख के अध्ययन का इतिहास																														
इकाई-IV	अभिलेखों के अध्ययन का महत्व																														
(i)	दो प्रश्न (प्रथम इकाई से)	8x2=16																													
(ii)	दो अक्षरों का परिचय (ब्राह्मी लिपि के विकास हेतु)	7x1=07																													
(iii)	तीन प्रश्न (द्वितीय इकाई से)	8x3=24																													
(iv)	एक संक्षिप्त टिप्पणी (संवत् के बारे में, द्वितीय इकाई से)	7x1=07																													
(v)	एक प्रश्न (III इकाई से)	9x1=09																													
(vi)	संस्कृत में दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ (चतुर्थ इकाई से)	3.5x2=07																													
	कुल अंक	70																													
ओईसी-412	नया संशोधन	ओईसी-412: संस्कृत उपन्यास तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण																													

		अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>सीमा (उपन्यास) 1-2 परिच्छेद</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>सीमा (उपन्यास) 3-4 परिच्छेद</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>प्रमुख आधुनिक संस्कृत महाकाव्य, रूपक एवं गद्यकाव्य, आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रमुख नवीन विधाएँ एवं प्रवृत्तियाँ</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>आधुनिक संस्कृत के प्रतिनिधि साहित्यकार – अम्बिकादत्त व्यास, मथुराप्रसाद दीक्षित, हरिदास सिद्धान्तवागीश, अप्पाराशिव रेडकर, हृषिकेश भट्टाचार्य, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, यतीन्द्र विमल चौधुरी, रमा चौधुरी, लीलाराव दयाल, श्रीपाद हसूरकर, वसन्त त्र्यम्बक शेवडे, ओगेटि शर्मा परीक्षित, भट्टमथुरानाथ शास्त्री, जानकीवल्लभ शास्त्री, सत्यव्रत शास्त्री, रसिकबिहारी जोशी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, केशवचन्द्र दास, हर्षदेव माधव, कालिका प्रसाद शुक्ल, परमानन्द शास्त्री।</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>04x7= 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न विकल्पों सहित)</td><td>02x10= 20</td></tr><tr><td></td><td>कुल अंक</td><td>70</td></tr></table> “ टिप्पणी: (यह ओईसी “जी” ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	इकाई-I	सीमा (उपन्यास) 1-2 परिच्छेद	इकाई-II	सीमा (उपन्यास) 3-4 परिच्छेद	इकाई-III	प्रमुख आधुनिक संस्कृत महाकाव्य, रूपक एवं गद्यकाव्य, आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रमुख नवीन विधाएँ एवं प्रवृत्तियाँ	इकाई-IV	आधुनिक संस्कृत के प्रतिनिधि साहित्यकार – अम्बिकादत्त व्यास, मथुराप्रसाद दीक्षित, हरिदास सिद्धान्तवागीश, अप्पाराशिव रेडकर, हृषिकेश भट्टाचार्य, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, यतीन्द्र विमल चौधुरी, रमा चौधुरी, लीलाराव दयाल, श्रीपाद हसूरकर, वसन्त त्र्यम्बक शेवडे, ओगेटि शर्मा परीक्षित, भट्टमथुरानाथ शास्त्री, जानकीवल्लभ शास्त्री, सत्यव्रत शास्त्री, रसिकबिहारी जोशी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, केशवचन्द्र दास, हर्षदेव माधव, कालिका प्रसाद शुक्ल, परमानन्द शास्त्री।	(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	04x7= 28	(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+07=22	(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न विकल्पों सहित)	02x10= 20		कुल अंक	70
इकाई-I	सीमा (उपन्यास) 1-2 परिच्छेद																					
इकाई-II	सीमा (उपन्यास) 3-4 परिच्छेद																					
इकाई-III	प्रमुख आधुनिक संस्कृत महाकाव्य, रूपक एवं गद्यकाव्य, आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रमुख नवीन विधाएँ एवं प्रवृत्तियाँ																					
इकाई-IV	आधुनिक संस्कृत के प्रतिनिधि साहित्यकार – अम्बिकादत्त व्यास, मथुराप्रसाद दीक्षित, हरिदास सिद्धान्तवागीश, अप्पाराशिव रेडकर, हृषिकेश भट्टाचार्य, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, यतीन्द्र विमल चौधुरी, रमा चौधुरी, लीलाराव दयाल, श्रीपाद हसूरकर, वसन्त त्र्यम्बक शेवडे, ओगेटि शर्मा परीक्षित, भट्टमथुरानाथ शास्त्री, जानकीवल्लभ शास्त्री, सत्यव्रत शास्त्री, रसिकबिहारी जोशी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, केशवचन्द्र दास, हर्षदेव माधव, कालिका प्रसाद शुक्ल, परमानन्द शास्त्री।																					
(i)	चार स्पष्टीकरण (प्रत्येक इकाई से एक)	04x7= 28																				
(ii)	चार संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक इकाई से एक विकल्प सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+07=22																				
(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न विकल्पों सहित)	02x10= 20																				
	कुल अंक	70																				
ओईसी-413	नया संशोधन	ओईसी-413: पौराणिक साहित्य का सर्वेक्षण अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>पुराणों की परिभाषा, पुराणों का विभाजन, पुराणों एवं उपपुराणों की भाषा और शैली</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>पुराणों एवं उपपुराणों की विषयवस्तु, पुराणों का ऐतिहासिक महत्त्व</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>पुराणों एवं उपपुराणों में भौगोलिक</td></tr></table>	इकाई-I	पुराणों की परिभाषा, पुराणों का विभाजन, पुराणों एवं उपपुराणों की भाषा और शैली	इकाई-II	पुराणों एवं उपपुराणों की विषयवस्तु, पुराणों का ऐतिहासिक महत्त्व	इकाई-III	पुराणों एवं उपपुराणों में भौगोलिक														
इकाई-I	पुराणों की परिभाषा, पुराणों का विभाजन, पुराणों एवं उपपुराणों की भाषा और शैली																					
इकाई-II	पुराणों एवं उपपुराणों की विषयवस्तु, पुराणों का ऐतिहासिक महत्त्व																					
इकाई-III	पुराणों एवं उपपुराणों में भौगोलिक																					

		<table><tr><td></td><td>सामग्री, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>पौराणिक धर्मों की प्रकृति, रचनात्मक साहित्य के स्रोतग्रन्थ के रूप में पुराण</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)</td><td>14+14+14+14=56</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ (एक का उत्तर संस्कृत में देना है)</td><td>7+7= 14</td></tr><tr><td></td><td>कुल अंक</td><td>70</td></tr></table> ** टिप्पणी: (यह ओईसी "एच" ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)		सामग्री, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व	इकाई-IV	पौराणिक धर्मों की प्रकृति, रचनात्मक साहित्य के स्रोतग्रन्थ के रूप में पुराण	(i)	चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	14+14+14+14=56	(ii)	दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ (एक का उत्तर संस्कृत में देना है)	7+7= 14		कुल अंक	70				
	सामग्री, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व																		
इकाई-IV	पौराणिक धर्मों की प्रकृति, रचनात्मक साहित्य के स्रोतग्रन्थ के रूप में पुराण																		
(i)	चार दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक)	14+14+14+14=56																	
(ii)	दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ (एक का उत्तर संस्कृत में देना है)	7+7= 14																	
	कुल अंक	70																	
ओईसी-414	नया संशोधन	ओईसी-414 भारतीय ज्योतिषशास्त्र का सर्वेक्षण अधिकतम अंक: 100 (70+30) अवधि: 64 घंटे (16 सप्ताह) (4 सिद्धांत=4 क्रेडिट) इकाईवार विभाजन <table><tr><td>इकाई-I</td><td>ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, क्रमिक विकास, पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिष, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, उपयोगिता व कालविभाजन (वर्गीकरण)</td></tr><tr><td>इकाई-II</td><td>पञ्चांग, प्रश्नशास्त्र, रमलशास्त्र, शकुनशास्त्र, वास्तुशास्त्र, सामुद्रिकशास्त्र, मुहूर्तविचार।</td></tr><tr><td>इकाई-III</td><td>प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका ज्ञान (आर्यभट्ट-प्रथम, आर्यभट्ट-द्वितीय, कालकाचार्य, वराहमिहिर, कल्याणवर्मा, ब्रह्मगुप्त, मुंजाल, भट्टोत्पल, भास्कराचार्य, बल्लालसेन, केशव द्वितीय, गणेश दैवज्ञ, दुण्डिराज)।</td></tr><tr><td>इकाई-IV</td><td>मास, ऋतु, अयन, वर्ष, युग, ग्रहकक्षा, नक्षत्र, ग्रहराशि, ग्रहण, भावविचार, योगविचार, विषुवदिनविचार, सौरमास, करण, सावनदिन, उत्तरगोल, अमावस्या, पूर्णिमा।</td></tr></table> प्रश्न-पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन <table><tr><td>(i)</td><td>परिभाषाओं की चार व्याख्याएँ (I, II और III इकाई से)</td><td>04x7= 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार लघु टिप्पणियाँ (चतुर्थ इकाई से विकल्पों सहित, एक संस्कृत में)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>दो महत्वपूर्ण प्रश्न (I, II और III इकाई से विकल्पों सहित)</td><td>02x10=20</td></tr></table>	इकाई-I	ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, क्रमिक विकास, पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिष, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, उपयोगिता व कालविभाजन (वर्गीकरण)	इकाई-II	पञ्चांग, प्रश्नशास्त्र, रमलशास्त्र, शकुनशास्त्र, वास्तुशास्त्र, सामुद्रिकशास्त्र, मुहूर्तविचार।	इकाई-III	प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका ज्ञान (आर्यभट्ट-प्रथम, आर्यभट्ट-द्वितीय, कालकाचार्य, वराहमिहिर, कल्याणवर्मा, ब्रह्मगुप्त, मुंजाल, भट्टोत्पल, भास्कराचार्य, बल्लालसेन, केशव द्वितीय, गणेश दैवज्ञ, दुण्डिराज)।	इकाई-IV	मास, ऋतु, अयन, वर्ष, युग, ग्रहकक्षा, नक्षत्र, ग्रहराशि, ग्रहण, भावविचार, योगविचार, विषुवदिनविचार, सौरमास, करण, सावनदिन, उत्तरगोल, अमावस्या, पूर्णिमा।	(i)	परिभाषाओं की चार व्याख्याएँ (I, II और III इकाई से)	04x7= 28	(ii)	चार लघु टिप्पणियाँ (चतुर्थ इकाई से विकल्पों सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+07=22	(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (I, II और III इकाई से विकल्पों सहित)	02x10=20
इकाई-I	ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, क्रमिक विकास, पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिष, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, उपयोगिता व कालविभाजन (वर्गीकरण)																		
इकाई-II	पञ्चांग, प्रश्नशास्त्र, रमलशास्त्र, शकुनशास्त्र, वास्तुशास्त्र, सामुद्रिकशास्त्र, मुहूर्तविचार।																		
इकाई-III	प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका ज्ञान (आर्यभट्ट-प्रथम, आर्यभट्ट-द्वितीय, कालकाचार्य, वराहमिहिर, कल्याणवर्मा, ब्रह्मगुप्त, मुंजाल, भट्टोत्पल, भास्कराचार्य, बल्लालसेन, केशव द्वितीय, गणेश दैवज्ञ, दुण्डिराज)।																		
इकाई-IV	मास, ऋतु, अयन, वर्ष, युग, ग्रहकक्षा, नक्षत्र, ग्रहराशि, ग्रहण, भावविचार, योगविचार, विषुवदिनविचार, सौरमास, करण, सावनदिन, उत्तरगोल, अमावस्या, पूर्णिमा।																		
(i)	परिभाषाओं की चार व्याख्याएँ (I, II और III इकाई से)	04x7= 28																	
(ii)	चार लघु टिप्पणियाँ (चतुर्थ इकाई से विकल्पों सहित, एक संस्कृत में)	5+5+5+07=22																	
(iii)	दो महत्वपूर्ण प्रश्न (I, II और III इकाई से विकल्पों सहित)	02x10=20																	

		योग	70
		“टिप्पणी: (यह ओईसी “आई” ग्रुप के अलावा संस्कृत के छात्रों द्वारा चुना जाता है)	

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत

पेपर संख्या	वर्तमान	संशोधन																														
सी-12	सी-12 संस्कृत व्याकरण: लघुसिद्धान्तकौमुदी (12131502) अधिकतम अंक: (75+25=100) क्रेडिट: व्याख्यान 60+ट्यूटोरियल 12 [सी] विषय-सामग्री: इकाई: I लघुसिद्धान्तकौमुदी से संज्ञा और संधि प्रकरण: क्रेडिट:12 - संज्ञा के सूत्र - अच संधि: (दीर्घ, यण, गुण, अयादि, वृद्धि, पूर्वरूप, पररूप) इकाई: II हल संधि और विसर्ग संधि क्रेडिट:12 - हल संधि और विसर्ग संधि के सूत्र: (स्कृत्व, तुत्व, अनुनासिकत्व, चत्व, जास्त्व, तत्व, उत्त्व, लोप) इकाई:III निर्धारित ग्रंथों और साहित्यिक ग्रंथों में संधियों के अनुप्रयोगों का अभ्यास क्रेडिट:12 इकाई:IV लघुसिद्धान्तकौमुदी से समास प्रकरण क्रेडिट:10 अव्ययीभाव समास और तत्पुरुष समास के निर्माण में प्रयुक्त प्रमुख सूत्र इकाई: V लघुसिद्धान्तकौमुदी से द्वंद्व और बहुब्रीहि समास क्रेडिट:07 द्वंद्व और बहुब्रीहि समास के निर्माण के लिए प्रमुख सूत्र इकाई: VI लघुसिद्धान्तकौमुदी से कृदन्त क्रेडिट:07 तद्धित शब्दों के निर्माण के लिए प्रमुख सूत्र (Aṇ, Iñ , Dhak, Tal, Aṇ, Vuñ, Yat, Cha, Mayaṭ, Tva, Tal, Imanic, Ṣyañ , Matup, In, Ṭhañ, Itac) [जी] मूल्यांकन पद्धति I. प्रश्न पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन 75 <table border="1"> <tr> <td>i</td><td>6 सूत्रों की व्याख्या (इकाई 1,2,4,5,6)</td><td>06x05=30</td></tr> <tr> <td>ii</td><td>5 शब्दों का निर्माण (इकाई 1,2,4, 5,6)</td><td>05x5=25</td></tr> <tr> <td>iii</td><td>निर्धारित पाठ्य सामग्री से अनुप्रयुक्त व्याकरण पर प्रश्न (इकाई 2,4,5,6 से)</td><td>7x02=14</td></tr> <tr> <td>i</td><td>सूत्र की एक व्याख्या संस्कृत में लिखी जाए</td><td>01x07=07</td></tr> <tr> <td>v</td><td>लिखी जाए</td><td></td></tr> </table>	i	6 सूत्रों की व्याख्या (इकाई 1,2,4,5,6)	06x05=30	ii	5 शब्दों का निर्माण (इकाई 1,2,4, 5,6)	05x5=25	iii	निर्धारित पाठ्य सामग्री से अनुप्रयुक्त व्याकरण पर प्रश्न (इकाई 2,4,5,6 से)	7x02=14	i	सूत्र की एक व्याख्या संस्कृत में लिखी जाए	01x07=07	v	लिखी जाए		सी-12 संस्कृत व्याकरण: लघुसिद्धान्त कौमुदी (12131502) अधिकतम अंक: (75+25=100) क्रेडिट: व्याख्यान 60+ट्यूटोरियल 12 [सी] विषय-सामग्री: इकाई: I लघुसिद्धान्तकौमुदी से संज्ञा और संधि प्रकरण: क्रेडिट:12 - संज्ञा के सूत्र - अच संधि: (दीर्घ, यण, अयादि, गुण, वृद्धि, पूर्वरूप, पररूप) इकाई: II हल संधि और विसर्ग संधि क्रेडिट:12 - हल संधि और विसर्ग संधि के सूत्र: (श्रुत्व, तुत्व, अनुनासिकत्व, चर्त्व, जश्त्व, तत्व, उत्त्व, लोप) इकाई:III लघुसिद्धान्तकौमुदी से समास प्रकरण क्रेडिट:10 अव्ययीभाव समास के निर्माण में प्रयुक्त प्रमुख सूत्र इकाई: IV लघुसिद्धान्तकौमुदी से तत्पुरुष समास क्रेडिट:10 तत्पुरुष समास के निर्माण में प्रयुक्त प्रमुख सूत्र इकाई: V लघुसिद्धान्तकौमुदी से बहुब्रीहि एवं द्वंद्व समास क्रेडिट:09 बहुब्रीहि और द्वंद्व समास की रचना के लिए प्रमुख सूत्र इकाई: VI लघुसिद्धान्तकौमुदी से तद्धित क्रेडिट:07 तद्धितान्त शब्दों के निर्माण के लिए प्रमुख सूत्र (Aṇ, Iñ , Dhak, Aṇ, Tal, Vun, Yat, Cha, Mayaṭ, Tva, Tal, Imanic, Ṣyañ , Matup, In, Ṭhan, Itac) [जी] मूल्यांकन पद्धति I. प्रश्न पत्र की मूल संरचना एवं अंकों का विभाजन 75 <table border="1"> <tr> <td>i</td><td>6सूत्रों की व्याख्या (इकाई 1,2,3,4,5,6)</td><td>06x05=30</td></tr> <tr> <td>ii</td><td>5शब्दों का निर्माण (इकाई 1,2,3,4,5,6)</td><td>05x5=25</td></tr> <tr> <td>iii</td><td>निर्धारित पाठ्य सामग्री से अनुप्रयुक्त व्याकरण पर प्रश्न (इकाई 2,3,4,5,6 से)</td><td>7x02=14</td></tr> <tr> <td>i</td><td>सूत्र की एक व्याख्या संस्कृत में लिखी जाए</td><td>01x06=06</td></tr> <tr> <td>v</td><td>लिखी जाए</td><td></td></tr> </table> II. आंतरिक मूल्यांकन 25	i	6सूत्रों की व्याख्या (इकाई 1,2,3,4,5,6)	06x05=30	ii	5शब्दों का निर्माण (इकाई 1,2,3,4,5,6)	05x5=25	iii	निर्धारित पाठ्य सामग्री से अनुप्रयुक्त व्याकरण पर प्रश्न (इकाई 2,3,4,5,6 से)	7x02=14	i	सूत्र की एक व्याख्या संस्कृत में लिखी जाए	01x06=06	v	लिखी जाए	
i	6 सूत्रों की व्याख्या (इकाई 1,2,4,5,6)	06x05=30																														
ii	5 शब्दों का निर्माण (इकाई 1,2,4, 5,6)	05x5=25																														
iii	निर्धारित पाठ्य सामग्री से अनुप्रयुक्त व्याकरण पर प्रश्न (इकाई 2,4,5,6 से)	7x02=14																														
i	सूत्र की एक व्याख्या संस्कृत में लिखी जाए	01x07=07																														
v	लिखी जाए																															
i	6सूत्रों की व्याख्या (इकाई 1,2,3,4,5,6)	06x05=30																														
ii	5शब्दों का निर्माण (इकाई 1,2,3,4,5,6)	05x5=25																														
iii	निर्धारित पाठ्य सामग्री से अनुप्रयुक्त व्याकरण पर प्रश्न (इकाई 2,3,4,5,6 से)	7x02=14																														
i	सूत्र की एक व्याख्या संस्कृत में लिखी जाए	01x06=06																														
v	लिखी जाए																															

	II. आंतरिक मूल्यांकन 25 (परियोजना/चर्चा/असाइनमेंट/पेपर प्रस्तुति/आवधिक परीक्षा आदि) कुल अंक: (I+II) (75+25)=100	(परियोजना/चर्चा/असाइनमेंट/पेपर प्रस्तुति/आवधिक परीक्षा आदि) कुल अंक: (I+II) (75+25)=100
--	--	--

(iii) अरबी विभाग के तहत एम.ए. अरबी पाठ्यक्रम के यूजीसी एलओसीएफ के तहत अध्यादेश V (2) और VII के परिशिष्ट II में संशोधन। [ई.सी. संकल्प संख्या 42-7 दिनांक 17.12.2021] संशोधन से संबंधित है जिसे शैक्षणिक सत्र 2021-2022 से लागू किया जाना है।

वर्तमान	संशोधित
सेमेस्टर-I 1. पाठ्यक्रम कोड: 101 2. पाठ्यक्रम कोड: 102 3. पाठ्यक्रम कोड: 103 4. पाठ्यक्रम कोड: 104 सेमेस्टर-II 1. पाठ्यक्रम कोड: 201 2. पाठ्यक्रम कोड: 202 3. पाठ्यक्रम कोड: 203 अनुवाद एवं निबंध लेखन-II विषय-सामग्री: क्रेडिट इकाई-I (क) राजनीतिक एवं वैज्ञानिक अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई II: (ख) आर्थिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई III: (ग) तकनीकी शब्दावलियों का अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः). इकाई IV: (घ) निबंध लेखन (ङ) व्याख्या 4. पाठ्यक्रम कोड 204 (क) आईडीसी/खुला वैकल्पिक पाठ्यक्रम अरबी भाषा-I प्रस्तावना; पढ़ना और लिखना विषय-सामग्री:	सेमेस्टर-I 1. पाठ्यक्रम कोड: 120101101 2. पाठ्यक्रम कोड: 120101102 3. पाठ्यक्रम कोड: 120101103 4. पाठ्यक्रम कोड: 120101104 सेमेस्टर-II 1. पाठ्यक्रम कोड: 120101201 2. पाठ्यक्रम कोड: 120101202 3. पाठ्यक्रम कोड: 120101203 अरबी साहित्य का इतिहास (अब्बासिद काल और आधुनिक काल-II) विषय-सामग्री: क्रेडिट:06 इकाई I: अब्बासिद काल (750 ई. से 1258 ई.) गद्य: इब्न अल-मुक़फ़्फ़ा, अल-जहीज़, इब्न अल-अमीद और अल-हरीरी के विशेष संदर्भ में अब्बासिद गद्य का परिचय इकाई II: अब्बासिद काल (750 ई. से 1258 ई.) काव्य: बशशार बी के विशेष संदर्भ में अब्बासिद काव्य का एक परिचय। बर्द, अबू अल-अताहिया, अबू नुवास, अबू तम्माम, अल-मुतनब्बी, और अबू अल-अला अल-मारी इकाई III:

क्रेडिट इकाई-I: प्रस्तावना 1. अरबी भाषा: उत्पत्ति एवं संक्षिप्त इतिहास 2. अरबी का अन्य भाषाओं के साथ प्रभाव एवं अंतःक्रिया 3. मध्यकालीन एवं आधुनिक युग में अरबी इकाई-II: पढ़ना 1. अरबी वर्णमाला 2. स्वर, चिह्न और अन्य प्रतीक 3. संयुक्त अक्षरों का वाचन 4. सूर्य अक्षर और चंद्र अक्षर 5. लिंग, निश्चित और अनिश्चित संज्ञा इकाई-III लेखन 1. अलग-अलग अक्षर लिखने का अभ्यास 2. संयुक्त अक्षर और वाक्य लिखने का अभ्यास 3. डिक्टेशन लेना 4. प्रदर्शनवाचक सर्वनाम (केवल एकवचन) इकाई-IV सुनना और बोलना 1. अरबी अंक 1 – 10 2. आत्म-रिचय एवं अभिवादन 3. दैनिक उपयोग के शब्द जैसे सप्ताह के दिन, महीने, रंग, फल और सब्जियाँ आदि। 4. सरल नाममात्र वाक्य 5. सरल मौखिक वाक्य 4 (क) पाठ्यक्रम कोड: 204 (ख) आईडीसी/खुला वैकल्पिक पाठ्यक्रम अरब संस्कृति का परिचय 204 (ख) अरब संस्कृति का परिचय विषय-सामग्री: इकाई I: 1. अरब-प्रायद्वीप: एक परिचय 2. अरब-मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण 3. अरब में बेडौइन जीवन की विशेषताएँ इकाई II	आधुनिक काल (1798-2000) गद्य: मुस्तफा लुत्फी अल-मनफालुती, 'अब्बास महमूद अल 'अक्काद, इब्राहिम अब्द अल-कादिर अल-माजिनी, मुहम्मद हुसैन हयाकल, ताहा हुसैन, तौफीक अल-हाकिम, महमूद तैमूर, नजीब के विशेष संदर्भ में आधुनिक गद्य का परिचय माफ़फ़ुज़ और जिब्रान खलील जिब्रान इकाई IV: आधुनिक काल (1798-2000) काव्य: महमूद सामी अल-बरुदी, हफी इब्राहिम, अहमद शौकी, इलिया अबू मादी, निज़ार क़ब्बानी, फदवा तुकन, अबू अल-कासिम अल-शब्बी और अहमद साकी अबू शादी के विशेष संदर्भ में अरबी काव्य का एक परिचय 4. पाठ्यक्रम कोड-120101204 अनुवाद एवं निबंध लेखन-II विषय-सामग्री: क्रेडिट:06 इकाई I: (च) राजनीतिक एवं वैज्ञानिक अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई II: (छ) आर्थिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई III: (ज) तकनीकी शब्दावलियों का अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः). इकाई IV: (झ) निबंध लेखन (ञ) व्याख्या
---	--

1. इस्लाम से पहले अरब की सामाजिक स्थिति 2. इस्लाम-पूर्व अरब में राजनीतिक व्यवस्था 3. इस्लाम-पूर्व अरब में महिलाओं और दासों की स्थिति इकाई III 1. इस्लाम-पूर्व अरब में धार्मिक स्थिति 2. इस्लाम का उदय और उसके बाद के राजनीतिक परिवर्तन 3. इस्लाम के मूल सिद्धांत और अरब में सामाजिक परिवर्तन इकाई IV 1. अरब के बाहर अरब 2. पड़ोसी संस्कृतियों के साथ अरबों का संपर्क 3. अरबों के शिष्टाचार सेमेस्टर-III 1. पाठ्यक्रम कोड-301 अरबी साहित्य का इतिहास (अब्बासिद काल और आधुनिक काल-II) विषय-सामग्री: क्रेडिट इकाई I: अब्बासिद काल) 750 ई.से 1258 ई. गद्य: इब्न अल-मुकफ़्फ़ा, अल-जहीज़, इब्न अल-अमीद और अल-हरीरी के विशेष संदर्भ में अब्बासिद गद्य का परिचय इकाई II: अब्बासिद काल) 750 ई.से 1258 ई. काव्य: बशशार बी के विशेष संदर्भ में अब्बासिद काव्य का एक परिचय। बर्द, अबू अल-अताहिया, अबू नुवास, अबू तम्माम, अल-मुतनब्बी, और अबू अल-अला अल-मारी इकाई III: आधुनिक काल (1798-2000) गद्य: मुस्तफा लुत्फी अल-मनफालुती, 'अब्बास महमूद अल 'अक्काद, इब्राहिम अब्द अल-कादिर अल-माजिनी, मुहम्मद हुसैन हयाकल, ताहा हुसैन, तौफीक अल-हाकिम, महमूद तैमूर, नजीब के विशेष संदर्भ में आधुनिक गद्य का परिचय माफ़कुज़	सेमेस्टर-III 1. पाठ्यक्रम कोड-120101301 शोध-लेखन एवं प्रस्तुति विषय-सामग्री: क्रेडिट:06 इकाई I: साहित्यिक अनुसंधान की प्रकृति, उद्देश्य और लक्ष्य इकाई II: पांडुलिपियों का संपादन इकाई III: प्रसिद्ध ओरिएंटल पुस्तकालय, संदर्भ संसाधन, ग्रंथ सूची और सामान्यतः प्रयुक्त संक्षिप्ताक्षर इकाई IV: शोध-पेपर, शोध-प्रबंध और थीसिस तैयार करना
---	--

और जिब्रान खलील जिब्रान इकाई IV: आधुनिक काल (1798-2000) काव्य: महमूद सामी अल-बरुदी, हफी इब्राहिम, अहमद शौकी, इलिया अबू मादी, निज़ार क़ब्बानी, फदवा तुकन, अबू अल-कासिम अल-शब्बी और अहमद साकी अबू शादी के विशेष संदर्भ में अरबी काव्य का एक परिचय 2. पाठ्यक्रम कोड-302 शोध पद्धति और शोध-लेखन एवं प्रस्तुति विषय-सामग्री: क्रेडिट इकाई I: साहित्यिक अनुसंधान की प्रकृति, उद्देश्य और लक्ष्य इकाई II: पांडुलिपियों का संपादन इकाई III: प्रसिद्ध ओरिएंटल पुस्तकालय, संदर्भ संसाधन, ग्रंथ सूची और सामान्यतः प्रयुक्त संक्षिप्ताक्षर इकाई IV: शोध पत्र, शोध-प्रबंध और थीसिस तैयार करना 3. पाठ्यक्रम कोड-303 भारतीयों द्वारा अरबी साहित्य विषय-सामग्री: क्रेडिट इकाई I: भारत में अरबी साहित्य का परिचय इकाई II: गद्य-लेखक: 1. शाह वली-अल्लाह अल-दिहलवी 2. नवाब सिद्दीक हसन खान 3. 'अब्द अल-अज़ीज़ अल-मैमानी	2. पाठ्यक्रम कोड-120101302 भारतीयों द्वारा अरबी साहित्य विषय-सामग्री: क्रेडिट:06 इकाई I: भारत में अरबी साहित्य का परिचय इकाई II: गद्य-लेखक: 1. शाह वली-अल्लाह अल-दिहलवी 2. नवाब सिद्दीक हसन खान 3. 'अब्द अल-अज़ीज़ अल-मैमानी 4. अबू अल-हसन 'अली अल-हसानी अल-नदवी इकाई III: शायर: 1. मौलाना आज़ाद अल-बिलग्रामी 2. 'अब्द अल-मुक्तदिर अल-लखनवी 3. अल-शेख अहमद अल-थानेसरी 4. मौलाना फैद अल-हसन अल-सहारनपुरी इकाई IV: निम्नलिखित पुस्तकों का अध्ययन: 1. अबू अल-फ़यद फ़ायदी 1004-954) ए.एच. (द्वारा सावती अल-इल्हाम 2. गुलाम 'अली आज़ाद अल-बिलग्रामी 1200-1116) ए.एच. (द्वारा सुबात अल-मरजान फ़ी अतहर हिंदुस्तान 3. नुजहत अल-ख़वातिर वा बहजात अल-मसामी' वा अल-नवासिर) इलम बि-मा फ़ि अल-हिंद मिन अल-
--	--

4. अबू अल-हसन 'अली अल-हसानी अल-नदवी इकाई III: शायर: 1. मौलाना आज़ाद अल-बिलग्रामी 2. 'अब्द अल-मुक्तदिर अल-लखनवी 3. अल-शेख अहमद अल-थानेसरी 4. मौलाना फैद अल-हसान अल-सहारनपुरी इकाई IV: निम्नलिखित पुस्तकों का अध्ययन: 1. अबू अल-फ़यद फ़ायदी (954-1004 हिजरी) द्वारा सावती अल-इल्हाम 2. गुलाम 'अली आज़ाद अल-बिलग्रामी (1116-1200 ए.एच.) द्वारा सुबात अल-मरजान फाई अतहर हिंदुस्तान 3. नुजहत अल-ख्वातिर वा बहजात अल-मसामी' वा अल-नवासिर (इलम बि-मा फ़ि अल-हिंद मिन अल-आलम) 'अब्द अल-अय्य अल-असानी (1341 ए.एच./1923 ई.) द्वारा 4. रिजाल अल-सिंध वा अल-हिंद इला अल-करन अल-सबी अल-हिजरी अल-काज़ी अतहर अल-मुबारकपुरी द्वारा (1916-1996) 5. तुहफत अल-मुजाहिदीन, ज़ैनल-दीन अल-मखदूम, अल-थानी (938-991 हिजरी) 4. पाठ्यक्रम कोड-304 अनुवाद और निबंध लेखन—III विषय-सामग्री: क्रेडिट इकाई I: क) राजनीतिक और कानूनी एक साथ अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई II: ख) पत्रकारिता और आर्थिक अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई III: ग) निबंध लेखन (उन्नत स्तर) इकाई IV: (घ) एक साथ व्याख्या	आलम ('अब्द अल-अय्य अल-असानी 1341) ए.एच 1923/ई.ई. (द्वारा 4. अल-काज़ी अतहर अल-मुबारकपुरी द्वारा रिजल अल-सिंध वा अल-हिंद इला अल-करन अल-सबी अल-हिजरी (1996-1916) 5. तुहफत अल-मुजाहिदीन, ज़ैनल-दीन अल-मखदूम, अल-थानी (938-991 हिजरी) 3. पाठ्यक्रम कोड—120101303 अनुवाद एवं निबंध लेखन—III विषय-सामग्री: क्रेडिट:06 इकाई I: राजनीतिक और कानूनी एक साथ अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई II: पत्रकारिता और आर्थिक अनुवाद (अरबी-अंग्रेज़ी और विलोमतः) इकाई III: निबंध लेखन (अग्रवर्ती स्तर) इकाई IV: एक साथ व्याख्या 4. पाठ्यक्रम कोड—120101304 (क) खुला वैकल्पिक अरबी भाषा—I प्रस्तावना; पढ़ना और लिखना विषय-सामग्री: क्रेडिट:04 इकाई—I: प्रस्तावना • अरबी भाषा: उत्पत्ति और संक्षिप्त इतिहास • अरबी का अन्य भाषाओं के साथ प्रभाव और अंतर्क्रिया • मध्यकालीन और आधुनिक युग में अरबी इकाई—II: पढ़ना • अरबी वर्णमाला • स्वर, चिह्न और अन्य प्रतीक • संयुक्ताक्षरों का वाचन • सूर्य और चंद्राक्षर
--	--

सेमेस्टर-IV 1. (क) पाठ्यक्रम कोड-401 (क) (ख) पाठ्यक्रम कोड-401 (ख) (ग) पाठ्यक्रम कोड-401 (ग) (घ) पाठ्यक्रम कोड-401 (घ)	• 10. लिंग, निश्चित और अनिश्चित संज्ञा - इकाई-III:लेखन • अलग-अलग अक्षर लिखने का अभ्यास • संयुक्त अक्षर और वाक्य लिखने का अभ्यास • डिक्टेशन लेना • प्रदर्शनवाचक सर्वनाम (केवल एकवचन) - इकाई-IV:सुनना और बोलना • अरबी अंक 1-10 • आत्म-परिचय और अभिवादन • दैनिक उपयोग के शब्द जैसे सप्ताह के दिन, महीने, रंग, फल और सब्जियाँ आदि। • सरल नाममात्र वाक्य • 10. सरल मौखिक वाक्य 4 (क) पाठ्यक्रम कोड: 120103304 (ख) खुला वैकल्पिक अरब संस्कृति का परिचय विषय-सामग्री: क्रेडिट:04 इकाई I: • अरब प्रायद्वीप :एक परिचय • अरब-मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण • अरब में बेडौइन जीवन की विशेषताएँ इकाई II: • इस्लाम से पहले अरब की सामाजिक स्थिति • इस्लाम-पूर्व अरब की राजनीतिक व्यवस्था • इस्लाम-पूर्व अरब में महिलाओं और दासों की स्थिति इकाई-III • इस्लाम-पूर्व अरब में धार्मिक स्थिति • इस्लाम का उदय और उसके बाद के राजनीतिक परिवर्तन • इस्लाम के मूल सिद्धांत और अरब में सामाजिक परिवर्तन इकाई-IV • अरब के बाहर अरब • पड़ोसी संस्कृतियों के साथ अरबों का संपर्क
--	--

2. पाठ्यक्रम कोड-402	• अरबों के शिष्टाचार
3. पाठ्यक्रम कोड-403	सेमेस्टर-IV
4. पाठ्यक्रम कोड-404 (क)	1. (क) पाठ्यक्रम कोड-120102401 (क)
पाठ्यक्रम कोड-404 (ख)	(ख) पाठ्यक्रम कोड-120102401 (ख)
	(ग) पाठ्यक्रम कोड-120102401 (ग)
	(घ) पाठ्यक्रम कोड-120102401 (घ)
	2. पाठ्यक्रम कोड-120101402
	3. पाठ्यक्रम कोड-120101403
	4. पाठ्यक्रम कोड-120103404 (क)
	पाठ्यक्रम कोड-120103404 (ख)

(v) अध्यादेश V (2) और VII के परिशिष्ट II में संशोधन। [ई.सी. संकल्प संख्या 42-8 (1) दिनांक 17.12.2021]

अर्थशास्त्र विभाग के तहत बी.ए. प्रोग्राम एसईसी VI में डेटा विश्लेषण के लिए बुनियादी कम्प्यूटेशनल तकनीकों के लिए एलओसीएफ पर आधारित प्रस्तावित पेपरों पर अनुमोदन से संबंधित है।

निम्नलिखित सम्मिलित/जोड़ा गया है:

अर्थशास्त्र विभाग

बी.ए. (पी.) के लिए एसईसी IV (छठा सेमेस्टर)

डेटा विश्लेषण हेतु बुनियादी कम्प्यूटेशनल तकनीकें

इस पेपर का प्रयोजन/उद्देश्य:

इस कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) का मुख्य उद्देश्य बी.ए.(पी) के छात्रों को कंप्यूटर अनुप्रयोगों का उपयोग करके सांख्यिकीय तकनीकों में कौशल विकसित करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं से संबंधित डेटा स्रोतों से परिचित कराने, आर्थिक परिवर्तनशील के बीच सरल संबंधों का अनुमान लगाने और अनुमान परिणामों की व्याख्या करके परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में मदद करेगा।

यह पाठ्यक्रम पिछले सेमेस्टर के एसईसी: डेटा विश्लेषण का विस्तार है, जो इस पाठ्यक्रम को लेने के लिए एक पूर्वापेक्षा है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पिछले सेमेस्टर में प्राप्त सांख्यिकी ज्ञान के आधार पर गणना कौशल विकसित करना है। पिछले सेमेस्टर के एसईसी पेपर्स, जैसे 'आर्थिक सर्वेक्षण और बजट को समझना', 'शोध पद्धति' और 'डेटा विश्लेषण' के साथ, यह पाठ्यक्रम छात्रों को भारतीय अर्थव्यवस्था पर आधारित शोध परियोजनाएँ करने के लिए तैयार करेगा जो विभिन्न व्यवसायों में सहायक होंगी।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा:

इकाई-I

लिबर या अपाचे द्वारा एक्सेल (माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस)/ओपन ऑफिस का ज्ञान, स्प्रेडशीट की मूल बातें और डेटा इनपुट करना, वर्ड प्रोसेसिंग और ग्राफ और तालिकाओं के साथ डेटा की प्रस्तुति।

इकाई-II

क. अवधारणाओं की समीक्षा: केंद्रीय प्रवृत्ति के माप-माध्य, माध्यिका और बहुलक; अंकगणितीय, ज्यामितीय और हार्मोनिक माध्य। फैलाव के माप (मानक विचलन और प्रसरण), विषमता और कुटोसिस।

ख. वित्तीय सूत्रों की गणना का समझ: निवल वर्तमान मूल्य (एनपीसी), आंतरिक प्रतिफल दर, भविष्य मूल्य, समान मासिक किस्त (ईएमआई), चक्रवृद्धि वृद्धि दर।

ग. उपरोक्त गणितीय/सांख्यिकीय/वित्तीय कार्यों को करने के लिए स्प्रेडशीट का उपयोग करना।

इकाई-III

- क. सहसंबंध और कोटि सहसंबंध की अवधारणाओं की समीक्षा।
 ख. दो-चर स्थिति (एक आश्रित और एक व्याख्यात्मक) में साधारण न्यूनतम वर्ग (ओएलएस) विधि का ज्ञान, समाश्रयण गुणांक और उपयुक्तता (R^2) से संबंधित परिकल्पना का परीक्षण। अनुमान परिणामों की रिपोर्टिंग।
 ग. उपरोक्त के लिए एक्सेल/जीआरईटीएल (फ्रीवेयर) का उपयोग।

इकाई-IV

अर्थशास्त्र और व्यवसाय का ज्ञान, सार्वजनिक डोमेन जैसे एनएसई, बीएसई, आरबीआई, एमओएसपीआई आदि में उपलब्ध डेटा सेट।

इकाई-V

इकाई II और III में अध्ययन की गई अवधारणाओं का उपयोग करते हुए, सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध डेटा के आधार पर एक परियोजना रिपोर्ट तैयार करना।

अंकन योजना

i. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक, जैसा कि नीचे वितरित किया गया है:

- क) उपस्थिति के लिए 5 अंक
 ख) लिखित परीक्षा के लिए 10 अंक
 ग) कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए 10 अंक

ii. अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन: 75 अंक, जिसमें (क) इकाई V पर आधारित परियोजना के लिए 25 अंक, जो अंतिम परीक्षा से पहले जमा किए जाने हैं, और (ख) 50 अंकों की लिखित अंतिम परीक्षा, जिसमें ओएलएस से संबंधित कंप्यूटर आउटपुट की व्याख्या पर आधारित एक अनिवार्य प्रश्न शामिल होगा। अंतिम परीक्षा में प्रश्न केवल इकाई I से IV पर आधारित होंगे।

(vi) अध्यादेश V (2) और VII के परिशिष्ट II में संशोधन। [ई.सी. संकल्प संख्या 42-4 दिनांक 17.12.2021] बी.ए. (प्रोग्राम) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम-बीएस-सीबीसीएस बौद्ध मनोविज्ञान: मन प्रबंधन के यूजीसी एलओसीएफ के अंतर्गत पाठ्यक्रम की शुरुआत से संबंधित।

निम्नलिखित जोड़ें:

**सीबीसीएस (बी.ए. कार्यक्रम)
 बौद्ध अध्ययन
 कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम [एसईसी]**

सेमेस्टर-III: आईईसी-1 एसईसी- कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
पेपर का नाम: बीएस सीबीसीएस-507- बौद्ध विरासत एवं पर्यटन एवं गाइड पाठ्यक्रम कोड: बीएस सीबीसीएस-507 पेपर का नाम : बौद्ध विरासत एवं पर्यटन एवं गाइड यूपीसी कोड: परीक्षा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा अधिकतम अंक: 100 अवधि: 3 घंटे	निर्धारित विषय/पाठ्यक्रम: I. बौद्ध विरासत की परिभाषा विरासत-अर्थ, विरासत पर्यटन के प्रकार; भारत में बौद्ध धर्म का इतिहास और विरासत; भारत में बौद्ध कला और वास्तुकला: एक सिंहावलोकन II. पर्यटन की मूल अवधारणा पर्यटन की परिभाषा, इतिहास और विकास; पर्यटन के प्रकार और रूप; घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन; परिवहन; आवास; खानपान और विपणन III. पर्यटन प्रबंधन और योजना पर्यटन योजना; ट्रेवल एजेंसी और टूर संचालन; पर्यटन संगठन जैसे आईटीडीसी, राज्य पर्यटन विकास निगम; विरासत प्रबंधन संगठन-यूनेस्को, एएसआई; प्राचीन स्मारक

	अधिनियम; पासपोर्ट अधिनियम और वीजा विस्तार; मनीला घोषणा IV. मार्गदर्शन गाइड की भूमिका और प्रारंभिक समझ: समय प्रबंधन, अनुरक्षण, प्रस्तुति, संचार; दूर योजना: समस्या और समाधान, कठिन परिस्थितियों का प्रबंधन, शिकायतों का निवारण; आपात स्थितियों का निवारण: चिकित्सा, आतंकवादी हमला, प्राकृतिक आपदा, वस्तुओं/यात्रियों का नुकसान; गाइड की ज़िम्मेदारियाँ: अतिथि सुरक्षा, एड्स जागरूकता। V. बौद्ध विरासत स्थल बौद्ध सर्किट: लुम्बिनी, बोधगया, राजगीर, नालंदा, श्रावस्ती, सारनाथ; स्तूप वास्तुकला स्थल: सांची और भरहुत; गुफा स्थल: अजंता, एलोरा और बाघ की गुफाएँ।
सेमेस्टर-IV: आईसी: II एसईसी-कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
पेपर का नाम: बीएस-सीबीसीएस 508-भारत में बौद्ध कला और वास्तुकला पाठ्यक्रम कोड: बीएस-सीबीसीएस-508 पेपर का नाम: भारत में बौद्ध कला और वास्तुकला यूपीसी कोड: परीक्षा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा अधिकतम अंक: 100 अवधि: 3 घंटे	निर्धारित विषय/पाठ्यक्रम: इकाई I. बौद्ध कला का ज्ञान - गांधार, मथुरा और अमरावती के विशेष संदर्भ में बौद्ध कला की विभिन्न शैलियाँ। इकाई II. बौद्ध वास्तुकला - सांची, कार्ले, नालंदा और महाबोधि महाविहार के विशेष संदर्भ में स्तूप, चैत्य और विहार वास्तुकला का विकास और विकास। इकाई III. बौद्ध शैलकृत वास्तुकला - अजंता के विशेष संदर्भ में बौद्ध शैलकृत वास्तुकला की उत्पत्ति और विकास। इकाई IV. बौद्ध मूर्तिकला और चित्रकला - बुद्ध प्रतिमा का उद्भव और विकास - अजंता के विशेष संदर्भ में बौद्ध चित्रकला का ज्ञान। इकाई V. बौद्ध प्रतिमा-विज्ञान का ज्ञान - प्रतिमा और छवि पूजा की अवधारणा और प्रतीकवाद - प्रतिमा-विज्ञान का उद्भव और विकास: ध्यानी बुद्ध और मानुषी बुद्ध, बोधिसत्व (अवलोकितेश्वर, मंजुश्री, वज्रपाणि) और महिला बौद्ध देवता।
अथवा	
सेमेस्टर-IV: आईसी: II एसईसी-कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
पेपर का नाम: बीएस-सीबीसीएस-508(क) बौद्ध पुरालेख पाठ्यक्रम कोड: बीएस-सीबीसीएस-508(क) पेपर का नाम: बौद्ध पुरालेख यूपीसी कोड: परीक्षा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा अधिकतम अंक: 100 अवधि: 3 घंटे	I. पुरालेखशास्त्र का ज्ञान - पुरालेखशास्त्र के उद्देश्य, क्षेत्र और परिभाषा। - भारत में लिपियों के प्रकार और लेखन का इतिहास। II. प्राचीन भारतीय लिपियाँ - ब्राह्मी के विशेष संदर्भ में विभिन्न लिपियों की उत्पत्ति और विकास। III. अशोकन ब्राह्मी लिपि का ज्ञान और लेखन प्रणाली। - अशोकन ब्राह्मी वर्णमाला का ज्ञान। - अशोकन ब्राह्मी का बौद्ध संकल्पनात्मक शब्द (20 शब्द)

	IV. चयनित शिलालेखों का अध्ययन • पिपराहावा कलश शिलालेख • लुम्बिनी स्तंभ शिलालेख • अशोक का सारनाथ स्तंभ शिलालेख • अशोक का गिरनार शिलालेख-संख्या 13 और 14 V. ब्राह्मी का देवनागरी या रोमन में और इसके विपरीत लिपि।
एसईएम-V एईईसी: III एसईसी-कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
पेपर का नाम: बीएस-सीबीसीएस-509 बौद्ध मनोविज्ञान: मन प्रबंधन पाठ्यक्रम कोड: बीएस-सीबीसीएस-509 पेपर का नाम: बौद्ध मनोविज्ञान: मन प्रबंधन यूपीसी कोड: परीक्षा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा अधिकतम अंक: 100 अवधि: 3 घंटे	निर्धारित विषय: खंड I प्रस्तावना: 1. मनोविज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र, विधियाँ और शाखाएँ (बौद्ध मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ में)। 2. प्रमुख दृष्टिकोण-व्यवहारवादी दृष्टिकोण: कर्म और परिणाम (सामान्य और अभिधम्मिक दृष्टिकोण में) खंड II: 1. मन: संरचना और कार्य 2. मन के प्रकार: मलिन और शुद्ध खंड III: संवेदना, ध्यान और प्रत्यक्षीकरण: 1. चेतना और मानसिक कारकों की परिभाषा पर संवेदना के गुण और वर्गीकरण 2. मानसिक कारकों (चेतसिका) का कार्य जो चेतना में उतार-चढ़ाव उत्पन्न करते हैं और ध्यान और विकर्षण उत्पन्न करते हैं 3. प्रत्यक्षीकरण खंड IV अध्ययन प्रक्रिया: 1. बौद्ध संज्ञानात्मक प्रक्रिया (चित्त-वीति)-(अध्ययन और जानने के कारक) 2. मनोद्वार वीति, और चित्त-कीचु (जो अध्ययन प्रक्रिया, स्मृति, प्रभाव, भावनाओं के कारण, प्रतिक्रियाएँ आदि का वर्णन करते हैं)
एसईएम-VI: एईईसी- IV एसईसी- कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
पेपर का नाम: बीएस-सीबीसीएस- 510 जीवन प्रबंधन: बौद्ध जीवन शैली पाठ्यक्रम कोड: बीएस-सीबीसीएस-510 पेपर का नाम: जीवन प्रबंधन: बौद्ध जीवन शैली यूपीसी कोड: परीक्षा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा अधिकतम अंक: 100 अवधि: 3 घंटे	निर्धारित विषय/पाठ्यक्रम: खंड I: आत्म-विक्षेपण और प्रस्तुति 1. बौद्ध धर्म के अनुसार जीवन क्या है? 2. आठ सांसारिक परिस्थितियाँ: जीवन के उतार-चढ़ाव 3. प्रासंगिक बौद्ध सुत्तों पर आधारित जीवन में कल्याण और शुभता 4. प्रासंगिक बौद्ध सुत्तों पर आधारित जीवन में पतन 5. प्रासंगिक बौद्ध सुत्तों पर आधारित सामाजिक (घरेलू) जीवन 6. प्रासंगिक बौद्ध सुत्तों पर आधारित आर्थिक और राजनीतिक जीवन खंड II: सुधारात्मक व्यवहार और जीवन का परिष्कार 1. जीवन के परिष्कार और सुधारात्मक व्यवहार का अर्थ 2. कर्म की गतिशीलता और ब्रह्मांडीय नियमन के रूप में उसके प्रतिफल को समझना

	3. सुधारात्मक व्यवहार और जीवन के परिष्कार की विधि (i) बाधाओं और लक्ष्य की पहचान (ii) नैतिक उपदेशों (शील), ब्रह्म-विहार, पारमिता का अभ्यास, (iii) मन की साधना: एकाग्रता (समाधि) और विपश्यना (अंतर्दृष्टि ध्यान)
--	--

(vii) अध्यादेश V (2) और VII के परिशिष्ट II में संशोधन [ई.सी. संकल्प संख्या 42-8 (2) दिनांक 17.12.2021] अफ्रीकी

अध्ययन विभाग के अंतर्गत एम.ए. अफ्रीकी अध्ययन के प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अनुमोदन से संबंधित है।

निम्नलिखित जोड़ें:

पेपर-19 अफ्रीकी संसाधन कूटनीति कोर्स क्रेडिट-05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
पाठ्यक्रम का उद्देश्य इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीका में संसाधन कूटनीति से परिचित कराना है। यह शोध-पत्र अफ्रीका में संसाधन वार्ता के परिवर्तनकारी प्रक्षेपवक्र के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह शोध-पत्र अफ्रीकी संसाधनों का क्षेत्रीय विश्लेषण करेगा।	इकाई 1 अफ्रीका में संसाधनों के लिए औपनिवेशिक संघर्ष इकाई 2 उत्तर-औपनिवेशिक काल में संसाधनों का आदान-प्रदान इकाई 3 वैश्वीकरण के अंतर्गत संसाधन वार्ता इकाई 4 क्षेत्रीय विश्लेषण: भूमि, जल, कृषि उत्पाद, उप-मृदा/ऊर्जा/समुद्री संसाधन	1. आंतरिक मूल्यांकन 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-18 भारत-अफ्रीका संबंध कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
पाठ्यक्रम का उद्देश्य इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को भारत और अफ्रीका के बीच संबंधों में निरंतरता और परिवर्तनों से परिचित कराना है। यह शोध-पत्र राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को समग्र परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने के लिए तैयार किया गया है। यह शोध-पत्र दोनों क्षेत्रों के बीच सुरक्षा संबंधों और सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डालेगा।	इकाई 1 भारत-अफ्रीका संबंध: एक ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि इकाई 2 वैश्वीकरण के अंतर्गत भारत-अफ्रीका संबंध इकाई 3 भारत-अफ्रीका सुरक्षा संबंध इकाई 4 भारत-अफ्रीका सांस्कृतिक संबंध	मूल्यांकन विधि: 1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-17 अफ्रीकी विकास का अध्ययन कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
पाठ्यक्रम का उद्देश्य इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीका में विकास के मुद्दों से परिचित	इकाई I- औपनिवेशिक विरासत, विकास की कमी,	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक

कराना है। यह शोध-पत्र अफ्रीका के विकास की ऐतिहासिक स्थिति की जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह शोध-पत्र अफ्रीका के उप-क्षेत्रों में विकास के मामलों पर भी प्रकाश डालेगा।	निर्भरता इकाई II- स्वतंत्रतत्त्व काल में विकास योजना और रणनीतियाँ इकाई III- क्षेत्रीय संस्थाएँ और समूह इकाई IV- मामला अध्ययन: मिस्र, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, नाइजीरिया, डीआरसी	2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-16 अफ्रीकी विरासत का अध्ययन कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीका की विरासत से परिचित कराना है। इसका उद्देश्य उन्हें अफ्रीका के संग्रहालयों, विरासत संरचनाओं, पुरातात्विक स्थलों, मौखिक परंपराओं और साहित्यिक स्रोतों के बारे में जानकारी देना है।	इकाई 1 अफ्रीकी विरासत: एक सिंहावलोकन इकाई 2 सामाजिक संस्थाओं के रूप में संग्रहालय इकाई 3 विरासत संरचनाएँ और पुरातात्विक स्थल इकाई-4 मौखिक परंपराएँ और साहित्यिक स्रोत	मूल्यांकन विधि 1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-15 सामाजिक विज्ञान और क्षेत्र अध्ययन में अनुसंधान विधियाँ कोर्स क्रेडिट-05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम परिणाम और विवरण
1. क्षेत्रीय/अफ्रीकी अध्ययनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की प्रकृति को समझना। 2. सामाजिक विज्ञान/अफ्रीकी अध्ययनों में अनुसंधान की विभिन्न विधियों और तकनीकों को समझना। 3. अफ्रीकी मामलों पर अनुसंधान करने के लिए विद्वानों में कौशल विकसित करना।	पाठ्यक्रम परिणाम: पाठ्यक्रम प्रतियोगिता के बाद, छात्र अनुसंधान के अर्थ, अनुसंधान के प्रकार, विभिन्न शोध डिज़ाइनों और अनुसंधान के विभिन्न उपकरणों को व्यापक रूप से समझ सकेंगे। इससे उन्हें अनुसंधान समस्याओं की पहचान करने, आँकड़ा संग्रह और सांख्यिकीय तकनीकों सहित आँकड़ा विश्लेषण के लिए साधन और तकनीकें विकसित करने में मदद मिलेगी। वे एक सुदृढ़ शोध प्रवृत्ति विकसित कर सकेंगे और शोध-प्रबंध/शोध-पत्र/शोध रिपोर्ट लिखने में सक्षम होंगे। पाठ्यक्रम विवरण: इकाई 1 सामाजिक विज्ञान एवं क्षेत्र अध्ययन अनुसंधान की प्रकृति, स्रोत एवं समस्याएँ	मूल्यांकन विधि 1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक

	इकाई 2 अनुसंधान दृष्टिकोण और अनुसंधान डिजाइन इकाई 3 अनुसंधान में नीतिशास्त्र इकाई 4 डेटा संग्रह, विश्लेषण और प्रस्तुति	
पेपर-13 अफ्रीका में सामाजिक और राजनीतिक विचार		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	कोर्स क्रेडिट – 05	शिक्षण घंटे-75
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीका-केंद्रित विचारों से एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य में परिचित कराना है। यह शोध-पत्र सामाजिक यथार्थ पर अफ्रीकी विचारों से अवगत कराने के लिए तैयार किया गया है। यह शोध-पत्र अफ्रीकी विचारों को राजनीतिक दृष्टिकोण से भी देखेगा।	इकाई I- अफ्रोसेंट्रिक प्रतिमान: एक ज्ञान इकाई II- पैन अफ्रीकनिज़्म और नेग्रिट्यूड इकाई III- अफ्रीकी उदारवाद और उबुंदू इकाई IV- अफ्रीकी समाजवाद और उजाम्मा	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-12 अफ्रीका में पर्यावरणीय मुद्दे		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	कोर्स क्रेडिट – 05	शिक्षण घंटे-75
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
यह शोध-पत्र विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए अफ्रीका में पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन की बहु-विषयकता को समझने का आधार तैयार करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन के ज्ञान और कौशल से सक्षम करना है।	इकाई 1 पर्यावरण और विकास: एक प्रस्तावना इकाई 2 प्राकृतिक संसाधनों का शासन और प्रबंधन इकाई 3 मरुस्थलीकरण, सूखा, बाढ़ और ईंधन इकाई 4 असंतुलित औद्योगीकरण, वनों की कटाई और प्रवास	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-11 अफ्रीका में शांति और संघर्ष समाधान		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी	कोर्स क्रेडिट – 05	शिक्षण घंटे-75
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीका में शांति और संघर्ष के मुद्दों का ज्ञान देना है। यह शोध-पत्र अफ्रीकी संघर्षों के नियंत्रण, रोकथाम और	इकाई 1 अफ्रीका में संघर्ष: कारण, श्रेणियाँ, लागत इकाई 2	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक

समाधान में शामिल जटिलताओं के बारे में जानकारी देने के लिए तैयार किया गया है। यह शोध-पत्र बाहरी और आंतरिक प्रतिक्रियाओं की पड़ताल करेगा।	अफ्रीका में संघर्षों पर नियंत्रण: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और आईसीसी की भूमिका इकाई 3 संघर्ष निवारण और शांति स्थापना के प्रयास: ओएयू, एयू, आईसीसी की भूमिका इकाई 4 शांति और संघर्ष समाधान के स्थानीय प्रयोग: टीआरसी	कुल 100 अंक
---	--	-------------

पेपर-10 वैश्विक मामलों में अफ्रीका पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम परिणाम और विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को ऐतिहासिक और समकालीन संदर्भ में अफ्रीका के पारंपरिक और उभरती शक्तियों के साथ संबंधों से ज्ञान प्रदान करना है। यह शोध-पत्र वैश्विक संस्थाओं के साथ अफ्रीका के संबंधों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह शोध-पत्र अफ्रीका और भारत के बीच संबंधों पर प्रकाश डालेगा।	पाठ्यक्रम परिणाम पाठ्यक्रम प्रतियोगिता के बाद, छात्र पारंपरिक और उभरती शक्तियों के साथ अफ्रीका के संबंधों की व्यापक समझ हासिल कर सकेंगे। इससे उन्हें ऐसे संबंधों के ऐतिहासिक आधार और समकालीन प्राथमिकताओं का विश्लेषण करने में मदद मिलेगी। वे वैश्विक संस्थाओं के साथ अफ्रीका के अंतर्संबंध को समग्र दृष्टिकोण से समझ सकेंगे। पाठ्यक्रम विवरण: इकाई I- अफ्रीका और वैश्विक उत्तर इकाई II- अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण इकाई III- अफ्रीका और वैश्विक संस्थाएँ इकाई IV- अफ्रीका और भारत	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक

पेपर-9 प्रवासी और अंतर्राष्ट्रीय संबंध पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को प्रवासी समुदाय की अवधारणाओं का ज्ञान प्रदान करना है। इसे बहु-विषयक दृष्टिकोण से प्रवासी समुदाय को समझने के लिए तैयार किया गया है। यह विश्व के प्रमुख प्रवासी समुदायों के विभिन्न मुद्दों और पहलुओं पर एक व्यापक अवलोकन और अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। यह शोध-पत्र भारत और अफ्रीका के बीच प्रवासी संबंधों पर और गहराई से	इकाई 1 प्रवासी समुदाय की अवधारणा इकाई 2 प्रवासी जुड़ाव: मुद्दे और चुनौतियाँ इकाई 3 प्रमुख वैश्विक प्रवासी इकाई 4 भारत-अफ्रीका प्रवासी संबंध	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक

विचार करेगा।		
पेपर-8 अफ्रीका की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम परिणाम और विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को समकालीन अफ्रीका की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का ज्ञान प्रदान करना है। यह शोध-पत्र अफ्रीका के विकास पथ के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह अफ्रीकी अर्थव्यवस्था के वृहद चालकों पर नज़र डालेगा। यह शोध-पत्र वैश्वीकरण के तहत अफ्रीका में परिवर्तन प्रक्रिया का और विश्लेषण करेगा।	पाठ्यक्रम परिणाम: पाठ्यक्रम प्रतियोगिता के बाद, छात्र समकालीन अफ्रीका की राजनीतिक अर्थव्यवस्था को समझने में सक्षम होंगे। इससे उन्हें अफ्रीकी अर्थव्यवस्था के वृहद चालकों का विश्लेषण करने में मदद मिलेगी। वे अफ्रीका के विकास पथ को देख पाएँगे और वैश्वीकरण के तहत इसके परिवर्तन को समझ पाएँगे। पाठ्यक्रम विवरण: पाठ्यक्रम विवरण: इकाई I- अफ्रीका में आर्थिक संकट: कारण और परिणाम इकाई II- निर्भरता और अविकसितता इकाई III- विदेशी सहायता, ऋण संकट, खाद्य सुरक्षा, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ इकाई IV- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की भूमिका	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-7 अफ्रीका में राज्य और समाज पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीका की पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं से परिचित कराना है। इसका उद्देश्य अफ्रीका के सामाजिक स्तरीकरण और विशिष्ट पहचानों की व्यापक समझ विकसित करना है। यह शोध-पत्र अफ्रीका में परंपरा और आधुनिकता के अंतर्संबंध पर भी प्रकाश डालेगा।	इकाई 1 अफ्रीकी समाजों की पारंपरिक संरचनाएँ इकाई 2 सामाजिक वर्ग और कुलीन समूहों का उदय इकाई 3 सामाजिक संबंधों का पुनर्गठन इकाई-4 अफ्रीकी जनजातियाँ- वैश्वीकरण का प्रभाव	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-6 अफ्रीकी इतिहास का अवलोकन पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि

इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीकी इतिहास के स्रोतों से परिचित कराना है। इसका उद्देश्य उन्हें अफ्रीका में प्राचीन साम्राज्यों, दास व्यापार, उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद के बारे में जानकारी देना है।	इकाई 1 अफ्रीकी इतिहास के स्रोत इकाई 2 प्राचीन अफ्रीकी साम्राज्य इकाई 3 दास व्यापार इकाई-4 उपनिवेशवाद और अफ्रीकी राष्ट्रवाद	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-5 अफ्रीकी भूगोल का परिचय कोर्स क्रेडिट – 05		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी		शिक्षण घंटे-75
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अफ्रीका के भूगोल के भौतिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय और राजनीतिक आयामों से परिचित कराना है। इसे अफ्रीका के क्षेत्रीय भूगोल के बारे में जानकारी देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।	इकाई 1 भौतिक भूगोल इकाई 2 आर्थिक भूगोल इकाई 3 जनसांख्यिकी और राजनीतिक भूगोल इकाई 4 क्षेत्रीय भूगोल	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-4 तुलनात्मक सरकार और राजनीति कोर्स क्रेडिट – 05		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी		शिक्षण घंटे-75
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में सरकार और राजनीति से परिचित कराना है। यह तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण की अवधारणाओं से अवगत कराने के लिए तैयार किया गया है। यह वैश्विक समावेशी दृष्टिकोण से राज्य संरचनाओं, संविधान निर्माण परंपराओं और सरकारों के प्रकारों पर विचार करेगा। यह शोध-पत्र राजनीतिक दल प्रणालियों, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों का भी विश्लेषण करेगा।	इकाई 1 तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण में अवधारणाएँ इकाई 2 राज्य संरचनाएँ, संविधान निर्माण परंपराएँ और सरकारों के प्रकार इकाई 3 राजनीतिक दल प्रणालियाँ इकाई 4 मीडिया और नागरिक समाज संगठन	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर-3 विदेश नीति, कूटनीति और विकास कोर्स क्रेडिट – 05		
पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी		शिक्षण घंटे-75
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को विदेश नीति, कूटनीति और विकास के बीच अंतर्संबंधों से परिचित कराना है। यह शोध-पत्र विदेश नीति के ऐतिहासिक और सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों से अवगत कराने के लिए तैयार किया गया है। इसमें विदेश नीति के प्रमुख पहलुओं का विश्लेषण किया	इकाई 1 विदेश नीति को समझना: ऐतिहासिक और सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य इकाई 2 विदेश नीति विश्लेषण: कर्ता, संदर्भ, लक्ष्य	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक

जाएगा। शोध-पत्र में विदेश नीति के मामला अध्ययन पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।	इकाई 3 विदेश नीति और कूटनीति: विकास आख्यान इकाई 4 विदेश नीति मामला अध्ययन	
पेपर-2 अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विचारक पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विभिन्न विचारकों से परिचित कराना है। यह शोध-पत्र उन प्रखर विचारकों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है जिनके विचार इस विषय को वैश्विक रूप से समावेशी दृष्टिकोण से समझने के लिए प्रासंगिक हैं। इसमें अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर पश्चिम के चुनिंदा विचारकों पर चर्चा की जाएगी। शोध-पत्र में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के प्रतिनिधि विचारकों पर भी चर्चा की जाएगी।	इकाई 1 पश्चिम में विचारक: वुडरो विल्सन, हंस जे. मॉर्गेंथाऊ, ई. एच. कैर, एरिक हॉब्सबॉम इकाई 2 एशिया में विचारक: दादाभाई नौरोजी, गांधी, माओत्से तुंग, अयातुल्ला खुमैनी इकाई 3 अफ्रीका में विचारक: क्वामे नक्रूमा, जूलियस न्येरेरे, एम्लिकल कैब्रल, फ्रांज़ फैनोन इकाई 4 लैटिन अमेरिका में विचारक: साइमन बोलिवर, लियोपोल्डो ज़िया, पाउलो फ्रेयर, गेब्रियल गार्सिया मार्केज़	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक
पेपर- 1 अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और दृष्टिकोण पाठ्यक्रम कोड-एएफएस-पीजी कोर्स क्रेडिट – 05 शिक्षण घंटे-75		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य	पाठ्यक्रम विवरण	मूल्यांकन विधि
इस शोध-पत्र का उद्देश्य छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विभिन्न सिद्धांतों से परिचित कराना है। यह इस विषय को समझने के लिए प्रयुक्त विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें यथार्थवाद के विभिन्न रूपों और आदर्शवाद/उदारवाद के पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। यह शोध-पत्र अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में वैकल्पिक दृष्टिकोणों और गैर-पश्चिमी विचारों पर भी प्रकाश डालेगा।	इकाई 1 यथार्थवाद और उसके रूप: शास्त्रीय यथार्थवाद, संरचनात्मक यथार्थवाद, नवशास्त्रीय यथार्थवाद, निम्नवर्गीय यथार्थवाद इकाई 2 आदर्शवाद/उदारवाद: उदारवादी अंतर्राष्ट्रीयवाद, नवउदारवाद, अंतर्राष्ट्रीय समाज/अंग्रेजी स्कूल इकाई 3 अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में वैकल्पिक दृष्टिकोण: मार्क्सवाद, नवमार्क्सवाद,	1. आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक 2. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा: 75 अंक कुल 100 अंक

	रचनावाद, नारीवाद, आलोचनात्मक सिद्धांत, उत्तर-आधुनिकतावाद, उत्तर-उपनिवेशवाद इकाई 4 गैर-पश्चिमी अंतर्राष्ट्रीय संबंध: गुटनिरपेक्षता, इस्लामी सिद्धांत, हिंदू सिद्धांत, चीनी अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अफ्रीकी उदारवाद, अफ्रीकी समाजवाद	
अंतर्राष्ट्रीय संबंध और अफ्रीकी अध्ययन में एम.ए. दो वर्षीय पाठ्यक्रम (चार सेमेस्टर)		
कार्यक्रम संरचना	मुख्य पेपर	
एमए (अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं अफ्रीकी अध्ययन) दो वर्षीय कार्यक्रम है जिसमें चार सेमेस्टर होते हैं। छात्रों को सोलह पेपर पूरे करने होते हैं (प्रत्येक सेमेस्टर में चार पेपर और प्रत्येक पेपर में पाँच क्रेडिट होते हैं)। पहले दो सेमेस्टर के आठ पेपर मुख्य पेपर होते हैं और बाकी दो सेमेस्टर के आठ वैकल्पिक पेपर होते हैं। शुल्क: विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार सीटों की संख्या: 40	सेमेस्टर-I 1. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और दृष्टिकोण 2. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में विचारक 3. विदेश नीति, कूटनीति और विकास 4. तुलनात्मक सरकार और राजनीति सेमेस्टर II 1. अफ्रीकी भूगोल का ज्ञान 2. अफ्रीकी इतिहास का अवलोकन 3. अफ्रीका में राज्य और समाज 4. अफ्रीका का राजनीतिक अर्थशास्त्र वैकल्पिक पेपर सेमेस्टर III (केवल चार पेपर) 1. प्रवासी और अंतर्राष्ट्रीय संबंध 2. वैश्विक मामलों में अफ्रीका 3. अफ्रीका में शांति और संघर्ष समाधान 4. अफ्रीका में पर्यावरणीय मुद्दे 5. अफ्रीका में सामाजिक और राजनीतिक विचार 6. स्वाहिली भाषा 7. सामाजिक विज्ञान और क्षेत्र अध्ययन में अनुसंधान विधियाँ (अनिवार्य) सेमेस्टर IV (केवल चार पेपर) 1. अफ्रीकी विरासत का अध्ययन 2. अफ्रीकी विकास का अध्ययन 3. भारत-अफ्रीका संबंध 4. अफ्रीकी संसाधन कूटनीति 5. अफ्रीका में महिलाएँ और लैंगिकता 6. परियोजना/क्षेत्र अनुसंधान (अनिवार्य)	
पेपर 14 स्वाहिली भाषा		
सेमेस्टर	परीक्षा संरचना	निर्देशों का तरीका
सेमेस्टर 1 • स्वाहिली भाषा की उत्पत्ति और विकास • पूर्वी अफ्रीकी देशों की संस्कृति और समाज की	लिखित: • आंतरिक मूल्यांकन • अंतिम सेमेस्टर परीक्षा मौखिक: • अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के समय	• व्याख्यान • यूट्यूब वीडियो • पावरपॉइंट प्रस्तुति • शिक्षक द्वारा प्रदान की जाने वाली मुख्य सामग्री

बुनियादी समझ • स्वाहिली अभिवादन और आत्म-ज्ञान • बुनियादी व्याकरण: संज्ञा, क्रिया, मूल काल, विशेषणों का वर्गीकरण। • क्रिया के भाव; क्रमागत और समकालिक काल • प्रदर्शनवाचक क्रियाएँ • संबंधवाचक सर्वनाम • गिनती • समय की गणना, सप्ताह के दिन		और अभ्यास • फ्लिप अध्ययन विधि
सेमेस्टर – II • सशर्त काल • प्रश्नवाचक • संयुक्त काल • सापेक्ष कण • क्रिया व्युत्पन्न • संयोजक • नकारात्मक वाक्य उपयोगी वाक्यांश और कुछ मुहावरे	मौखिक: • आंतरिक मूल्यांकन • अंतिम सेमेस्टर परीक्षा मौखिक: अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के समय	• व्याख्यान • यूट्यूब वीडियो • पावरपॉइंट प्रस्तुति • शिक्षक द्वारा प्रदान की जाने वाली मुख्य सामग्री और अभ्यास फ्लिप अध्ययन विधि

विकास गुप्ता, कुल सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./568/2025-26]

UNIVERSITY OF DELHI

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 2025

F.No. CNC-II/093/1(17)/2021-22/233— In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) of Section 31 of the Delhi University Act 1922 (VIII of 1922), the Executive Council, with the approval of the Visitor, hereby makes the following amendments further to amend the Delhi University Ordinances, namely:-

1. Short Title and Commencement:

- (i) Amendment to Ordinance V (2) and VII.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. The consequential amendments to Ordinance V (2) and VII of the Ordinances of the University shall be substituted as under:

- (i) **Amendment to Ordinance V (2) & VII. [E.C Res. 8-1-3 dated 31.08.2021]**

M.Sc. Biochemistry

Existing				Amended			
<i>Part I: Semester I</i>				<i>Part I: Semester I</i>			
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit	Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BCCC101	Proteins – Structure, Folding and Engineering	Core	4	BCCC101	Proteins – Structure, Folding and Engineering	Core	4
BCEC101	Infectious	Elective	4	BCEC101	Infectious	Elective	4

BCEC102	Diseases: Molecular basis, Control and Prevention OR Intermediary Metabolism and Clinical Correlation		
BCEC103	Life Style Disorders: Cancer and	Elective	4
BCEC104	Cardiovascular Diseases OR Advanced Techniques in Biochemistry		
BCCC102	Seminar on current topics	Core	4
BCCC103	Practicals	Core	8
Total Credits			24
Part I : Semester II			
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BCCC201	Cell Biology	Core	4
BCCC202	Immunology and Immunotechniques	Core	4
BCCC203	Enzymes and their Biotechnological Applications	Core	4
BCCC204	Molecular Biology	Core	4
BCCC205	Practicals	Core	8
Total Credits			24
Part II : Semester III			
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BCCC301	Recombinant DNA Technology and Applications in Biotechnology	Core	4
BCCC302	Developmental Biology	Core	4
BCCC303	Proteomics and Metabolomics	Core	4
BCCC304	Presentation : Concepts in Research	Core	4
BCCC305	Practical Skills in Research	Core	8
Total Credits			24
Part II : Semester IV			
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BCCC401	Advanced Techniques in Genomics for	Core	4

BCEC102	Diseases: Molecular basis, Control and Prevention OR Intermediary Metabolism and Clinical Correlation		
BCEC103	Life Style Disorders: Cancer and Cardiovascular Diseases OR Advanced Techniques in Biochemistry	Elective	4
BCCC102	Seminar on current topics	Core	4
BCCC103	Practicals	Core	8
Total Credits			24
Part I : Semester II			
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BCOE201	Basics of Biochemistry	Open Elective	4
BCCC202	Immunology and Immunotechniques	Core	4
BCCC203	Enzymes and their Biotechnological Applications	Core	4
BCCC204	Molecular Biology	Core	4
BCCC205	Practicals	Core	8
Total Credits			24
Part II : Semester III			
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BCCC301	Recombinant DNA Technology and Applications in Biotechnology	Core	4
BCCC302	Developmental Biology	Core	4
BCCC303	Cell Biology	Core	4
BCCC304	Presentation : Concepts in Research	Core	4
BCCC305	Practical Skills in Research	Core	8
Total Credits			24
Part II : Semester IV			
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BCCC401	Advanced Techniques in Genomics for Biotechnology	Core	4

	Biotechnology			BCCC402	Dissertation by Research	Core	16
BCOE401	Basics of Biochemistry	Open Elective	4	BCCC403	Proteomics and Metabolomics	Core	4
BCCC402	Dissertation by Research	Core	16	Total Credits			24
Total Credits			24				

(i) Amendment to Ordinance V (2) & VII. [E.C Res. 8-1-4 dated 31.08.2021]

M.Sc. Biophysics

Existing				Amended																																																											
Part I: Semester I <table><tr><th>Paper Code</th><th>Paper title</th><th>Type of Course</th><th>Credit</th></tr><tr><td>BPCC101 OR BPCC102</td><td>Introductory Biology (for students with Physical Science background) OR Introductory Physics & Chemistry (for students with Biological Science background)</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC103</td><td>Mathematics and Statistics for Life Sciences</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC104</td><td>Concepts of Biochemistry</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>MBCC301</td><td>Molecular Biology (from Department of Microbiology, University of Delhi South Campus)</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC105</td><td>PRACTICALS (Based on BPCC104 & MBCC301)</td><td>Core</td><td>8</td></tr><tr><td colspan="3">Total Credits</td><td>24</td></tr></table>				Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit	BPCC101 OR BPCC102	Introductory Biology (for students with Physical Science background) OR Introductory Physics & Chemistry (for students with Biological Science background)	Core	4	BPCC103	Mathematics and Statistics for Life Sciences	Core	4	BPCC104	Concepts of Biochemistry	Core	4	MBCC301	Molecular Biology (from Department of Microbiology, University of Delhi South Campus)	Core	4	BPCC105	PRACTICALS (Based on BPCC104 & MBCC301)	Core	8	Total Credits			24	Part I: Semester I <table><tr><th>Paper Code</th><th>Paper title</th><th>Type of Course</th><th>Credit</th></tr><tr><td>BPCC101: OR BPCC102</td><td>Introductory Biology (for students with Physical Science background) OR Introductory Physics & Chemistry (for students with Biological Science background)</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC103</td><td>Mathematics and Statistics for Life Sciences</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC104</td><td>Concepts of Biochemistry</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC105</td><td>Computer Applications in Biology</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC106</td><td>Practicals-I (Based on BPCC104 and BPCC105)</td><td>Core</td><td>8</td></tr><tr><td colspan="3">Total Credits</td><td>24</td></tr></table>				Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit	BPCC101: OR BPCC102	Introductory Biology (for students with Physical Science background) OR Introductory Physics & Chemistry (for students with Biological Science background)	Core	4	BPCC103	Mathematics and Statistics for Life Sciences	Core	4	BPCC104	Concepts of Biochemistry	Core	4	BPCC105	Computer Applications in Biology	Core	4	BPCC106	Practicals-I (Based on BPCC104 and BPCC105)	Core	8	Total Credits			24
				Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit																																																								
				BPCC101 OR BPCC102	Introductory Biology (for students with Physical Science background) OR Introductory Physics & Chemistry (for students with Biological Science background)	Core	4																																																								
				BPCC103	Mathematics and Statistics for Life Sciences	Core	4																																																								
				BPCC104	Concepts of Biochemistry	Core	4																																																								
				MBCC301	Molecular Biology (from Department of Microbiology, University of Delhi South Campus)	Core	4																																																								
				BPCC105	PRACTICALS (Based on BPCC104 & MBCC301)	Core	8																																																								
				Total Credits			24																																																								
				Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit																																																								
				BPCC101: OR BPCC102	Introductory Biology (for students with Physical Science background) OR Introductory Physics & Chemistry (for students with Biological Science background)	Core	4																																																								
BPCC103	Mathematics and Statistics for Life Sciences	Core	4																																																												
BPCC104	Concepts of Biochemistry	Core	4																																																												
BPCC105	Computer Applications in Biology	Core	4																																																												
BPCC106	Practicals-I (Based on BPCC104 and BPCC105)	Core	8																																																												
Total Credits			24																																																												
Part I : Semester II <table><tr><th>Paper Code</th><th>Paper title</th><th>Type of Course</th><th>Credit</th></tr><tr><td>BPCC021</td><td>Molecular Biophysics</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC202</td><td>Physical Methods in Biology</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>GENCC204</td><td>RECOMBINANT DNA TECHNOLOGY (from Department of Genetics, University of Delhi South Campus)</td><td>Core</td><td>4</td></tr></table>				Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit	BPCC021	Molecular Biophysics	Core	4	BPCC202	Physical Methods in Biology	Core	4	GENCC204	RECOMBINANT DNA TECHNOLOGY (from Department of Genetics, University of Delhi South Campus)	Core	4	Part I : Semester II <table><tr><th>Paper Code</th><th>Paper title</th><th>Type of Course</th><th>Credit</th></tr><tr><td>BPCC201</td><td>Molecular Biophysics</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>BPCC202</td><td>Physical Methods in Biology</td><td>Core</td><td>4</td></tr><tr><td>GENCC204</td><td>RECOMBINANT DNA TECHNOLOGY (from Department of</td><td>Core</td><td>4</td></tr></table>				Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit	BPCC201	Molecular Biophysics	Core	4	BPCC202	Physical Methods in Biology	Core	4	GENCC204	RECOMBINANT DNA TECHNOLOGY (from Department of	Core	4																								
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit																																																												
BPCC021	Molecular Biophysics	Core	4																																																												
BPCC202	Physical Methods in Biology	Core	4																																																												
GENCC204	RECOMBINANT DNA TECHNOLOGY (from Department of Genetics, University of Delhi South Campus)	Core	4																																																												
Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit																																																												
BPCC201	Molecular Biophysics	Core	4																																																												
BPCC202	Physical Methods in Biology	Core	4																																																												
GENCC204	RECOMBINANT DNA TECHNOLOGY (from Department of	Core	4																																																												

BPCC203	PRACTICALS (Based on Papers BPCC201, BPCC202, GENCC204)	Core	8
BPEC201 OR BPEC202	Photo-Biophysics, Radiation & Environmental Biophysics OR Programming and Data Analytics	Elective	4
Total Credits			24

Part II : Semester III

Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BPCC301	Cellular Biophysics & Bioenergetics	Core	4
BPCC302	Computer Applications in Biology	Core	4
BPCC303	Physiological Biophysics	Core	4
BPCC304	PRACTICALS-III (Based on Papers BPCC301, BPCC302, BPCC303)	Core	8
BPEC301 OR BCCC302	Methods in High-throughput Biology OR Developmental Biology (from Department of Biochemistry, University of Delhi South Campus)	Elective	4
Total Credits			24

Part II : Semester IV

	Genetics, University of Delhi South Campus)		
BPCC203	Practicals-II (Based on Papers BPCC201, BPCC202, GENCC204)	Core	8
BPEC201 OR BPEC202	Photo-Biophysics, Radiation & Environmental Biophysics OR Programming and Data Analytics	Elective	4
Total Credits			24

Part II : Semester III

Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BPCC301	Cellular Biophysics & Bioenergetics	Core	4
BPCC302	Physiological Biophysics	Core	4
MBCC301	Molecular Biology (from Department of Microbiology, University of Delhi South Campus)	Core	4
BPCC303	Practicals-III (Based on BPCC301, BPCC302, MBCC303)	Core	8
BPEC301 OR BCCC302	Methods in High-throughput Biology OR Developmental Biology (from Department of Biochemistry, University of Delhi South Campus)	Elective	4
Total Credits			24

Part II : Semester IV

Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit
BPCC401	Membrane Biophysics and	Core	4

Paper Code	Paper title	Type of Course	Credit		Neuro-Biophysics		
BPCC401	Membrane Biophysics and Neuro-Biophysics	Core	4		BPCC402	Dissertation/Project	Core
BPCC402	DISSERTATION/PROJECT	Core	16		BPOE401	Theoretical & Mathematical Biology	Open Elective
BPOE401	Theoretical & Mathematical Biology	Open Elective	4		Total Credits		24
Total Credits			24				

(iii) Amendment to Appendix II to Ordinance V (2) & VII. [E.C Res. No. 42-3 dated 17.12.2021] regarding modification of the following courses under UGC LOCF in the Department of Sanskrit to be implemented from the academic session 2021-2022.

M.A Sanskrit

Paper No.	Existing	Amended									
Core-201	CC- 201: Darśana: Nyāya & Vedānta दर्शन :न्याय एवं वेदान्त Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (04 weeks). (4 Theories = 4 credits) Unit wise Division Unit I तर्कभाषा (केशवमिश्र) - शास्त्र की त्रिविध प्रवृत्तियाँ, कारण, करण एवं अन्यथासिद्ध, प्रमाणस्वरूप एवं तद्भेद – प्रत्यक्ष । Unit II तर्कभाषा (केशवमिश्र) - अनुमान, उपमान एवं शब्द, अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि का स्वरूप तथा तद्विषयक विप्रतिपत्तियों का निरास, प्रामाण्यवाद , प्रमेयनिरूपण - आत्मा, दुःख एवं अपवर्ग के साथ सभी प्रमेय - संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा एवं हेत्वाभास । Unit III वेदान्तसार (सदानन्द) - अधिकारिनिरूपण, वेदान्त, अनुबन्धचतुष्टयनिरूपण, अध्यारोप, अज्ञान का स्वरूप एवं अज्ञान की शक्तियाँ, प्रपञ्चनिरूपण = जाग्रदादि तीनों अवस्थाओं एवं शरीरों में व्याप्त पञ्चकोशोपेत अज्ञान की समष्टि एवं व्यष्टि तथा तदुपहित चैतन्यों का निरूपण, सृष्टिप्रक्रिया एवं पञ्चीकरण। Unit IV वेदान्तसार (सदानन्द) - आत्मस्वरूप विषयक विप्रतिपत्तियाँ एवं उनका निराकरण, अपवाद, महावाक्यार्थनिर्णय, वृत्ति के कार्य एवं उसके भेद, श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति । ईशावास्योपनिषद् - विशेषतः नैतिकदर्शन, आत्मस्वरूप,	Semester: II, MA (Sanskrit) Core Course CC- 201: Darśana: Nyāya & Vedānta दर्शन :न्याय एवं वेदान्त Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks). (4 Theories = 4 credits) 01 Tutorial = 01 Total = 05 credit Unit wise Division Unit I तर्कभाषा (केशवमिश्र) - शास्त्र की त्रिविध प्रवृत्तियाँ, कारण, करण एवं अन्यथासिद्ध, प्रमाणस्वरूप एवं तद्भेद – प्रत्यक्ष । Unit II तर्कभाषा (केशवमिश्र) - अनुमान, उपमान एवं शब्द, अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि का स्वरूप तथा तद्विषयक विप्रतिपत्तियों का निरास, प्रामाण्यवाद , प्रमेयनिरूपण - आत्मा, दुःख एवं अपवर्ग के साथ सभी प्रमेय - संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा एवं हेत्वाभास । Unit III वेदान्तसार (सदानन्द) - अधिकारिनिरूपण, वेदान्त, अनुबन्धचतुष्टयनिरूपण, अध्यारोप, अज्ञान का स्वरूप एवं अज्ञान की शक्तियाँ, प्रपञ्चनिरूपण = जाग्रदादि तीनों अवस्थाओं एवं शरीरों में व्याप्त पञ्चकोशोपेत अज्ञान की समष्टि एवं व्यष्टि तथा तदुपहित चैतन्यों का निरूपण, सृष्टिप्रक्रिया एवं पञ्चीकरण। Unit IV वेदान्तसार (सदानन्द) - आत्मस्वरूप विषयक विप्रतिपत्तियाँ एवं उनका निराकरण, अपवाद, महावाक्यार्थनिर्णय, वृत्ति के कार्य एवं उसके भेद, श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table border="1"> <tr> <td>(i)</td><td>Four Explanations (one from each of the Units.)</td><td>04 x 07 = 28</td></tr> <tr> <td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each of the Units, (one in Sanskrit)</td><td>05+05+05+07 = 22</td></tr> <tr> <td>(iii)</td><td>Two critical Questions</td><td>02 x 10</td></tr> </table>	(i)	Four Explanations (one from each of the Units.)	04 x 07 = 28	(ii)	Four short notes (one from each of the Units, (one in Sanskrit)	05+05+05+07 = 22	(iii)	Two critical Questions	02 x 10
(i)	Four Explanations (one from each of the Units.)	04 x 07 = 28									
(ii)	Four short notes (one from each of the Units, (one in Sanskrit)	05+05+05+07 = 22									
(iii)	Two critical Questions	02 x 10									

	विद्या-अविद्या तथा सम्भूति-असम्भूति				= 20
	Basic Structure of Question Paper & Division of Marks			TOTAL	70
	(i)	Four Explanations (one from each of the Units from Tarkbhāṣā and Vedantasara only)	04 x 07 = 28		
	(ii)	Four short notes (one from each of the Units, one in Sanskrit from Ishavasyopanisad only)	05+05+07= 22		
	(iii)	Two critical Questions from Tarkbhāṣā and Vedantasara only	02 x 10 = 20		
		TOTAL	70		
Core -204	New Amendment		Semester: II, MA (Sanskrit)		
			Core Course 204 : <u>An introduction to Itihāsa and Pūranic texts.</u>		
			इतिहास एवं पुराणसाहित्य का सामान्य परिचय		
			Maximum Marks: 100 (70+30)		
			Duration: 60 hrs. (16 weeks).		
			(4 Theories = 4 credits)		
			(1 Tutorial – 1 credits)		
			Total = 05 credits		
			Unit Wise Division		
	Unit-I	पुराण-	वायुपुराण(पृथुचरित) 62 - मार्कण्डेयपुराणमदालसा) 25- (उद्धोघन	[15 Hrs.]	
	Unit-II	रामायण-	3/16/1-42(हेमन्तवर्णन) 5/15 अशोकवनिका में सीता	[15 Hrs.]	
	Unit-III	(महाभारत)	उद्योगपर्व 131- 134(विदुरापुत्रानुशासनम्) भगवद्गीता 15 वाँ अध्याय	[15 Hrs.]	
	Unit-IV	(पुराणेतिहास सर्वेक्षण)	पुराण- परिभाषा, विभाजन, पुराण एवं उपपुराणों की विषयवस्तु की भाषा और शैली, भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व रामायण एवं महाभारत - कालनिर्धारण, विभाग, विषयवस्तु, काव्यात्मक, ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक आदि दृष्टि से महत्त्व	[15 Hrs.]	
			Basic Structure of Question Paper & Division of Marks		
	(i)	Four explanations from 1-3 Units (covering each Units, One should be in Sanskrit)	05+05+05+07=22		

		<table><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each units)</td><td>04 x07 = 28</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Two analytical Questions (From 4th Unit)</td><td>02 x10 =20</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL</td><td>70</td></tr></table> (All Questions should be asked with options)	(ii)	Four short notes (one from each units)	04 x07 = 28	(iii)	Two analytical Questions (From 4 th Unit)	02 x10 =20		TOTAL	70											
(ii)	Four short notes (one from each units)	04 x07 = 28																				
(iii)	Two analytical Questions (From 4 th Unit)	02 x10 =20																				
	TOTAL	70																				
OEC-305	New amendment	OEC-305: Linguistic Speculations in Sanskrit संस्कृत में भाषाविषयक चिन्तन Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (04 weeks). (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>General Study of the following: Prātiśākhya, Śikṣā, Śākalya, Śākaṭyāna, Vyādi, Yāska, Pāṇini, Kātyayana, Patañjali, Bhartṛhari, Kaiyaṭa, Nāgeśa, Kumārila, Prabhākara, Jagadisha Tarkalankara.</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>Vākyapadīya, Kāṇḍa 2, Kārikās 1-2 & 117-152, 8 definitions regarding the sentence, 12 definitions regarding word- meaning, Pratibha theory of meaning</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>Nyāyasiddhāntamuktāvalī-śābdakhaṇḍa- Process of Sentence meaning, Functions of word- Abhidhā (Primary function of the word), Means to śaktigraha, PadaPadārtha, Instrumentals of Sentence meaning</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>Apoha Theory of Meaning, Abhihitānvayavāda and Anvitābhidhānavāda, Theory of Sphoṭa and śabdabrahman</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>3 short notes from first unit</td><td>5+5+5=15</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>3 explanatory questions from second and third unit</td><td>13+13+13 =39</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>2 Exhaustive notes from fourth Unit</td><td>08 +08 =16</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL</td><td>70</td></tr></table>	Unit-I	General Study of the following: Prātiśākhya, Śikṣā, Śākalya, Śākaṭyāna, Vyādi, Yāska, Pāṇini, Kātyayana, Patañjali, Bhartṛhari, Kaiyaṭa, Nāgeśa, Kumārila, Prabhākara, Jagadisha Tarkalankara.	Unit-II	Vākyapadīya, Kāṇḍa 2, Kārikās 1-2 & 117-152, 8 definitions regarding the sentence, 12 definitions regarding word- meaning, Pratibha theory of meaning	Unit-III	Nyāyasiddhāntamuktāvalī-śābdakhaṇḍa- Process of Sentence meaning, Functions of word- Abhidhā (Primary function of the word), Means to śaktigraha, PadaPadārtha, Instrumentals of Sentence meaning	Unit-IV	Apoha Theory of Meaning, Abhihitānvayavāda and Anvitābhidhānavāda, Theory of Sphoṭa and śabdabrahman	(i)	3 short notes from first unit	5+5+5=15	(ii)	3 explanatory questions from second and third unit	13+13+13 =39	(iii)	2 Exhaustive notes from fourth Unit	08 +08 =16		TOTAL	70
Unit-I	General Study of the following: Prātiśākhya, Śikṣā, Śākalya, Śākaṭyāna, Vyādi, Yāska, Pāṇini, Kātyayana, Patañjali, Bhartṛhari, Kaiyaṭa, Nāgeśa, Kumārila, Prabhākara, Jagadisha Tarkalankara.																					
Unit-II	Vākyapadīya, Kāṇḍa 2, Kārikās 1-2 & 117-152, 8 definitions regarding the sentence, 12 definitions regarding word- meaning, Pratibha theory of meaning																					
Unit-III	Nyāyasiddhāntamuktāvalī-śābdakhaṇḍa- Process of Sentence meaning, Functions of word- Abhidhā (Primary function of the word), Means to śaktigraha, PadaPadārtha, Instrumentals of Sentence meaning																					
Unit-IV	Apoha Theory of Meaning, Abhihitānvayavāda and Anvitābhidhānavāda, Theory of Sphoṭa and śabdabrahman																					
(i)	3 short notes from first unit	5+5+5=15																				
(ii)	3 explanatory questions from second and third unit	13+13+13 =39																				
(iii)	2 Exhaustive notes from fourth Unit	08 +08 =16																				
	TOTAL	70																				
OEC-306	New Amendment	SEMESTER: III OPEN ELECTIVE COURSE OEC-306: Outline of Culture & Civilization in Sanskrit Literature संस्कृतवाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (04 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विशेषताएँ, वैदिक एवं उत्तर वैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) एवं पुराणों में प्रतिपादित</td></tr></table>	Unit-I	सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विशेषताएँ, वैदिक एवं उत्तर वैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)	Unit-II	महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) एवं पुराणों में प्रतिपादित																
Unit-I	सभ्यता एवं संस्कृति की परिभाषा एवं स्वरूप, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विशेषताएँ, वैदिक एवं उत्तर वैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)																					
Unit-II	महाकाव्य (रामायण एवं महाभारत) एवं पुराणों में प्रतिपादित																					

		<table><tr><td></td><td>सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय, संस्कार, प्राचीन भारत में नारी की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली एवं शिक्षण-संस्थान</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>शैव, वैष्णव, बौद्ध एवं जैन धर्मों का उद्भव, विकास एवं मुख्य सिद्धान्त</td></tr></table>		सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)	Unit-III	वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय, संस्कार, प्राचीन भारत में नारी की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली एवं शिक्षण-संस्थान	Unit-IV	शैव, वैष्णव, बौद्ध एवं जैन धर्मों का उद्भव, विकास एवं मुख्य सिद्धान्त																															
	सभ्यता एवं संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्थितियों के सन्दर्भ में)																																						
Unit-III	वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय, संस्कार, प्राचीन भारत में नारी की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली एवं शिक्षण-संस्थान																																						
Unit-IV	शैव, वैष्णव, बौद्ध एवं जैन धर्मों का उद्भव, विकास एवं मुख्य सिद्धान्त																																						
		Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four long-answer questions (one from each Unit)</td><td>12x4 = 48</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each Unit)</td><td>5.5x4 =22</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL MARKS</td><td>70</td></tr></table>	(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	12x4 = 48	(ii)	Four short notes (one from each Unit)	5.5x4 =22		TOTAL MARKS	70																												
(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	12x4 = 48																																					
(ii)	Four short notes (one from each Unit)	5.5x4 =22																																					
	TOTAL MARKS	70																																					
Core-403	Core Course CC- 403: Darśana: Sāṅkhya & Mīmāṃsā दर्शन :सांख्य एवं मीमांसा Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (04 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - दुःखत्रयवाद, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>श्वेताश्वतरोपनिषद् (केवल 1-4 अध्याय)</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - धर्म, भावन अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, तथा अधिकारविधि।</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - मन्त्र, नामधेय एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four Explanations (one from I, III and IV Unit)</td><td>04x07 = 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each of the Units, one in Sanskrit from Shvetashvataropanisad)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Two critical Questions from <i>Sankhyakarika</i> and <i>Arthasangraha</i> only</td><td>02x10 =20</td></tr></table>	Unit-I	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - दुःखत्रयवाद, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा	Unit-II	श्वेताश्वतरोपनिषद् (केवल 1-4 अध्याय)	Unit-III	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - धर्म, भावन अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, तथा अधिकारविधि।	Unit-IV	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - मन्त्र, नामधेय एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।	(i)	Four Explanations (one from I, III and IV Unit)	04x07 = 28	(ii)	Four short notes (one from each of the Units, one in Sanskrit from Shvetashvataropanisad)	5+5+5+07=22	(iii)	Two critical Questions from <i>Sankhyakarika</i> and <i>Arthasangraha</i> only	02x10 =20	CC- 403: Darśana: Sāṅkhya & Mīmāṃsā दर्शन :सांख्य एवं मीमांसा Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) 01 Tutorial = 01 credits Total = 05 credits Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - दुःखत्रयवाद, प्रमाण, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं गुणत्रय, पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - धर्म, भावना, वेद की अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि और विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, प्रयोगविधि तथा अधिकारविधि।</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि और नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four Explanations (one from each of the unit)</td><td>04x07 = 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each of the Units, one in Sanskrit)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Two critical Questions (one from each of the Unit)</td><td>02x10=20</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL MARKS</td><td>70</td></tr></table>	Unit-I	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - दुःखत्रयवाद, प्रमाण, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं गुणत्रय, पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा	Unit-II	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा	Unit-III	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - धर्म, भावना, वेद की अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि और विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, प्रयोगविधि तथा अधिकारविधि।	Unit-IV	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि और नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।	(i)	Four Explanations (one from each of the unit)	04x07 = 28	(ii)	Four short notes (one from each of the Units, one in Sanskrit)	5+5+5+07=22	(iii)	Two critical Questions (one from each of the Unit)	02x10=20		TOTAL MARKS	70
Unit-I	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - दुःखत्रयवाद, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा																																						
Unit-II	श्वेताश्वतरोपनिषद् (केवल 1-4 अध्याय)																																						
Unit-III	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - धर्म, भावन अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, तथा अधिकारविधि।																																						
Unit-IV	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - मन्त्र, नामधेय एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।																																						
(i)	Four Explanations (one from I, III and IV Unit)	04x07 = 28																																					
(ii)	Four short notes (one from each of the Units, one in Sanskrit from Shvetashvataropanisad)	5+5+5+07=22																																					
(iii)	Two critical Questions from <i>Sankhyakarika</i> and <i>Arthasangraha</i> only	02x10 =20																																					
Unit-I	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - दुःखत्रयवाद, प्रमाण, सत्कार्यवाद, प्रकृति का स्वरूप, सिद्धि एवं गुणत्रय, पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा																																						
Unit-II	सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण) - पुरुष का स्वरूप एवं सिद्धि, सृष्टिप्रक्रिया - भौतिक-सर्ग एवं प्रत्यय-सर्ग, सूक्ष्म-शरीर, बन्ध एवं मोक्षा																																						
Unit-III	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - धर्म, भावना, वेद की अपौरुषेयता, विधि, गुणविधि और विशिष्टविधि, उत्पत्तिविधि, विनियोगविधि, प्रयोगविधि तथा अधिकारविधि।																																						
Unit-IV	अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) - मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद, अपूर्वविधि और नियमविधि, परिसंख्याविधि तथा ग्रन्थ के शेष भाग का अध्ययन।																																						
(i)	Four Explanations (one from each of the unit)	04x07 = 28																																					
(ii)	Four short notes (one from each of the Units, one in Sanskrit)	5+5+5+07=22																																					
(iii)	Two critical Questions (one from each of the Unit)	02x10=20																																					
	TOTAL MARKS	70																																					

		TOTAL MARKS	70																										
Core-404	New Amendment	Core Course 404 : <u>The philosophy of Aupanisadic tradition</u> उपनिषद्-दर्शन Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 60 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) 1-Tutorial= 1 credit Total = 05 Credits Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>इशावास्योपनिषद्</td><td>[15 Hrs.]</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>श्वेताश्वतरोपनिषद् अध्याय – प्रथम एवं द्वितीय</td><td>[15 Hrs.]</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>श्वेताश्वतरोपनिषद्, अध्याय -तृतीय एवं चतुर्थी</td><td>[15 Hrs.]</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>उपनिषत्साहित्य का सर्वेक्षण,स्वरूप - स्वरूप, संख्या,सृष्टिविद्या ,सन्देश , जीव, आत्माब्रह्म , आदि प्रतिपाद्यविषय।</td><td>[15 Hrs.]</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four explanations from 1-3 Units (covering each Units, One should be in Sanskrit)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each Units)</td><td>04x07=28</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Two analytical Questions (From 4th Unit)</td><td>02x10=20</td></tr><tr><td colspan="2">TOTAL MARKS</td><td>70</td></tr></table> (All Questions should be ask with options)				Unit-I	इशावास्योपनिषद्	[15 Hrs.]	Unit-II	श्वेताश्वतरोपनिषद् अध्याय – प्रथम एवं द्वितीय	[15 Hrs.]	Unit-III	श्वेताश्वतरोपनिषद्, अध्याय -तृतीय एवं चतुर्थी	[15 Hrs.]	Unit-IV	उपनिषत्साहित्य का सर्वेक्षण,स्वरूप - स्वरूप, संख्या,सृष्टिविद्या ,सन्देश , जीव, आत्माब्रह्म , आदि प्रतिपाद्यविषय।	[15 Hrs.]	(i)	Four explanations from 1-3 Units (covering each Units, One should be in Sanskrit)	5+5+5+07=22	(ii)	Four short notes (one from each Units)	04x07=28	(iii)	Two analytical Questions (From 4 th Unit)	02x10=20	TOTAL MARKS		70
Unit-I	इशावास्योपनिषद्	[15 Hrs.]																											
Unit-II	श्वेताश्वतरोपनिषद् अध्याय – प्रथम एवं द्वितीय	[15 Hrs.]																											
Unit-III	श्वेताश्वतरोपनिषद्, अध्याय -तृतीय एवं चतुर्थी	[15 Hrs.]																											
Unit-IV	उपनिषत्साहित्य का सर्वेक्षण,स्वरूप - स्वरूप, संख्या,सृष्टिविद्या ,सन्देश , जीव, आत्माब्रह्म , आदि प्रतिपाद्यविषय।	[15 Hrs.]																											
(i)	Four explanations from 1-3 Units (covering each Units, One should be in Sanskrit)	5+5+5+07=22																											
(ii)	Four short notes (one from each Units)	04x07=28																											
(iii)	Two analytical Questions (From 4 th Unit)	02x10=20																											
TOTAL MARKS		70																											
OEC-405	New Amendment	OEC-405: <u>Linguistic Speculations in Sanskrit</u> संस्कृत में भाषाविषयक चिन्तन (Concept based module for the students of other than Sanskrit) Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>General Study of the following: Prātiśākhya, Śikṣā, Śākalya, Śākaṭāyana, Vyāḍi, Yāska, Pāṇini, Kātyayana, Patañjali, Bhartṛhari, Kaiyaṭa, Nāgeśa, Kumārila, Prabhākara, Jagadisha Tarkalankara.</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>Vākyapadīya, Kāṇḍa 2, Kārikās 1-2 & 117-152, 8 definitions regarding the sentence, 12 definitions regarding word-meaning, Pratibha theory of meaning.</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>Nyāyasiddhāntamuktāvalī-śabdakhaṇḍa-Process of Sentence meaning, Functions of word- Abhidhā (Primary function of the word), Means to śaktigraha, PadaPadārtha, Instrumentals of Sentence meaning</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>Apoha Theory of Meaning, Abhihitānvayavāda and Anvitābhidhānavāda, Theory of Sphota</td></tr></table>				Unit-I	General Study of the following: Prātiśākhya, Śikṣā, Śākalya, Śākaṭāyana, Vyāḍi, Yāska, Pāṇini, Kātyayana, Patañjali, Bhartṛhari, Kaiyaṭa, Nāgeśa, Kumārila, Prabhākara, Jagadisha Tarkalankara.	Unit-II	Vākyapadīya, Kāṇḍa 2, Kārikās 1-2 & 117-152, 8 definitions regarding the sentence, 12 definitions regarding word-meaning, Pratibha theory of meaning.	Unit-III	Nyāyasiddhāntamuktāvalī-śabdakhaṇḍa-Process of Sentence meaning, Functions of word- Abhidhā (Primary function of the word), Means to śaktigraha, PadaPadārtha, Instrumentals of Sentence meaning	Unit-IV	Apoha Theory of Meaning, Abhihitānvayavāda and Anvitābhidhānavāda, Theory of Sphota																
Unit-I	General Study of the following: Prātiśākhya, Śikṣā, Śākalya, Śākaṭāyana, Vyāḍi, Yāska, Pāṇini, Kātyayana, Patañjali, Bhartṛhari, Kaiyaṭa, Nāgeśa, Kumārila, Prabhākara, Jagadisha Tarkalankara.																												
Unit-II	Vākyapadīya, Kāṇḍa 2, Kārikās 1-2 & 117-152, 8 definitions regarding the sentence, 12 definitions regarding word-meaning, Pratibha theory of meaning.																												
Unit-III	Nyāyasiddhāntamuktāvalī-śabdakhaṇḍa-Process of Sentence meaning, Functions of word- Abhidhā (Primary function of the word), Means to śaktigraha, PadaPadārtha, Instrumentals of Sentence meaning																												
Unit-IV	Apoha Theory of Meaning, Abhihitānvayavāda and Anvitābhidhānavāda, Theory of Sphota																												

		<table><tr><td></td><td>and śabdabrahman</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>3 short notes from first unit</td><td>5+5+5= 15</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>3 Explanatory questions from second and third units</td><td>13+13+ 13 = 39</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>2 Exhaustive notes from fourth unit</td><td>8+8= 16</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL MARKS</td><td>70</td></tr></table>		and śabdabrahman	(i)	3 short notes from first unit	5+5+5= 15	(ii)	3 Explanatory questions from second and third units	13+13+ 13 = 39	(iii)	2 Exhaustive notes from fourth unit	8+8= 16		TOTAL MARKS	70			
	and śabdabrahman																		
(i)	3 short notes from first unit	5+5+5= 15																	
(ii)	3 Explanatory questions from second and third units	13+13+ 13 = 39																	
(iii)	2 Exhaustive notes from fourth unit	8+8= 16																	
	TOTAL MARKS	70																	
OEC-406	New Amendment	OEC- 406: Vedic Exegesis, History & Thought वैदिक-व्याख्या, इतिहास एवं चिन्तन Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>वैदिक व्याख्या : प्राच्यपद्धति -(i) वेदव्याख्यान परम्परा, (ii) प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार: सायण, दयानन्द, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूदनओझा, आनन्दकुमारस्वामी, कपालीशास्त्री, आर .एन.दाण्डेकर इत्यादि।</td></tr><tr><td>Unit -II</td><td>वैदिक व्याख्या : प्रतीच्यपद्धति – पाश्चात्य विद्वानों का योगदान, विशेषतः - रॉथ, वर्गेन ,लुडविग ,गेल्डनर, मैक्समूलर, हिलेब्रान्ट, ग्रिफिथ, विल्सन इत्यादि।</td></tr><tr><td>Unit -III</td><td>वैदिक साहित्य का इतिहास - ऋग्वेदसंहिता, यजुर्वेदसंहिता, सामवेदसंहिता एवं अथर्ववेदसंहिता ;वेदों की शाखाएँ ,परिचय एवं वेदों का कालनिर्धारण, ब्राह्मणसाहित्य, आरण्यक और उपनिषद् :परिचय, वेदाङ्ग साहित्य :परिचय ।</td></tr><tr><td>Unit -IV</td><td>वैदिक चिन्तन - वैदिकदेवता, वैदिकसमाज, वेदों की अपौरुषेयता एवं नित्यता, ऋत की अवधारणा, वैदिकदर्शन।</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four long-answer questions (one from each Unit)</td><td>12x4 = 48</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes. One should be must in Sanskrit (one from each Unit)</td><td>5+5+5+ 7= 22</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL MARKS</td><td>70</td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than “A” Group)	Unit-I	वैदिक व्याख्या : प्राच्यपद्धति -(i) वेदव्याख्यान परम्परा, (ii) प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार: सायण, दयानन्द, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूदनओझा, आनन्दकुमारस्वामी, कपालीशास्त्री, आर .एन.दाण्डेकर इत्यादि।	Unit -II	वैदिक व्याख्या : प्रतीच्यपद्धति – पाश्चात्य विद्वानों का योगदान, विशेषतः - रॉथ, वर्गेन ,लुडविग ,गेल्डनर, मैक्समूलर, हिलेब्रान्ट, ग्रिफिथ, विल्सन इत्यादि।	Unit -III	वैदिक साहित्य का इतिहास - ऋग्वेदसंहिता, यजुर्वेदसंहिता, सामवेदसंहिता एवं अथर्ववेदसंहिता ;वेदों की शाखाएँ ,परिचय एवं वेदों का कालनिर्धारण, ब्राह्मणसाहित्य, आरण्यक और उपनिषद् :परिचय, वेदाङ्ग साहित्य :परिचय ।	Unit -IV	वैदिक चिन्तन - वैदिकदेवता, वैदिकसमाज, वेदों की अपौरुषेयता एवं नित्यता, ऋत की अवधारणा, वैदिकदर्शन।	(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	12x4 = 48	(ii)	Four short notes. One should be must in Sanskrit (one from each Unit)	5+5+5+ 7= 22		TOTAL MARKS	70
Unit-I	वैदिक व्याख्या : प्राच्यपद्धति -(i) वेदव्याख्यान परम्परा, (ii) प्राचीन तथा आधुनिक व्याख्याकार: सायण, दयानन्द, अरविन्द, सातवलेकर, मधुसूदनओझा, आनन्दकुमारस्वामी, कपालीशास्त्री, आर .एन.दाण्डेकर इत्यादि।																		
Unit -II	वैदिक व्याख्या : प्रतीच्यपद्धति – पाश्चात्य विद्वानों का योगदान, विशेषतः - रॉथ, वर्गेन ,लुडविग ,गेल्डनर, मैक्समूलर, हिलेब्रान्ट, ग्रिफिथ, विल्सन इत्यादि।																		
Unit -III	वैदिक साहित्य का इतिहास - ऋग्वेदसंहिता, यजुर्वेदसंहिता, सामवेदसंहिता एवं अथर्ववेदसंहिता ;वेदों की शाखाएँ ,परिचय एवं वेदों का कालनिर्धारण, ब्राह्मणसाहित्य, आरण्यक और उपनिषद् :परिचय, वेदाङ्ग साहित्य :परिचय ।																		
Unit -IV	वैदिक चिन्तन - वैदिकदेवता, वैदिकसमाज, वेदों की अपौरुषेयता एवं नित्यता, ऋत की अवधारणा, वैदिकदर्शन।																		
(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	12x4 = 48																	
(ii)	Four short notes. One should be must in Sanskrit (one from each Unit)	5+5+5+ 7= 22																	
	TOTAL MARKS	70																	
OEC-407	New Amendment	OEC-407: Survey of Indian Philosophy भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) : चार्वाकमत एवं जैनमत</td></tr><tr><td>Unit -II</td><td>सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) : बौद्धमत एवं शैवमत</td></tr><tr><td>Unit -III</td><td>भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण - भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारणीय पक्षों का आलोचनात्मक अध्ययन- आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारणसिद्धान्त, मोक्ष, कर्म एवं पुनर्जन्म, प्रमाण, प्रामाण्यवाद तथा ख्यातिवाद आदि।</td></tr><tr><td>Unit</td><td>भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण - प्रमुख भारतीय</td></tr></table>	Unit-I	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) : चार्वाकमत एवं जैनमत	Unit -II	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) : बौद्धमत एवं शैवमत	Unit -III	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण - भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारणीय पक्षों का आलोचनात्मक अध्ययन- आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारणसिद्धान्त, मोक्ष, कर्म एवं पुनर्जन्म, प्रमाण, प्रामाण्यवाद तथा ख्यातिवाद आदि।	Unit	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण - प्रमुख भारतीय									
Unit-I	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) : चार्वाकमत एवं जैनमत																		
Unit -II	सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य) : बौद्धमत एवं शैवमत																		
Unit -III	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण - भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारणीय पक्षों का आलोचनात्मक अध्ययन- आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारणसिद्धान्त, मोक्ष, कर्म एवं पुनर्जन्म, प्रमाण, प्रामाण्यवाद तथा ख्यातिवाद आदि।																		
Unit	भारतीयदर्शन का आलोचनात्मक सर्वेक्षण - प्रमुख भारतीय																		

		<table><tr><td>-IV</td><td>दार्शनिक मतों (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त) का ऐतिहासिक सर्वेक्षण। भारतीय दर्शन के प्रमुख आचार्य (जैमिनि, बादरायण, कपिल, पतञ्जलि, गौतम, कणाद, शंकर और वाचस्पति मिश्र) तथा उनके अवदानों का परिचय।</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four long-answer questions (one from each Unit)</td><td>12x4 = 48</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes. One should be must in Sanskrit (one from each Unit)</td><td>5+5+5+7= 22</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL MARKS</td><td>70</td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than “B” Group)	-IV	दार्शनिक मतों (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त) का ऐतिहासिक सर्वेक्षण। भारतीय दर्शन के प्रमुख आचार्य (जैमिनि, बादरायण, कपिल, पतञ्जलि, गौतम, कणाद, शंकर और वाचस्पति मिश्र) तथा उनके अवदानों का परिचय।	(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	12x4 = 48	(ii)	Four short notes. One should be must in Sanskrit (one from each Unit)	5+5+5+7= 22		TOTAL MARKS	70											
-IV	दार्शनिक मतों (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त) का ऐतिहासिक सर्वेक्षण। भारतीय दर्शन के प्रमुख आचार्य (जैमिनि, बादरायण, कपिल, पतञ्जलि, गौतम, कणाद, शंकर और वाचस्पति मिश्र) तथा उनके अवदानों का परिचय।																							
(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	12x4 = 48																						
(ii)	Four short notes. One should be must in Sanskrit (one from each Unit)	5+5+5+7= 22																						
	TOTAL MARKS	70																						
OE-408	New Amendment	OE-408 : Daśarūpaka & Survey of Sanskrit Poetics दशरूपक एवं संस्कृत-काव्यशास्त्र का सर्वेक्षण Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><th colspan="2">दशरूपक (अवलोकसहित)</th></tr><tr><td>Unit-I</td><td>दशरूपक - ग्रन्थ का प्रयोजन, रूपक के भेद, रूपकों के भेदकतत्त्व, वस्तु का स्वरूप एवं भेद, अर्थ-प्रकृतियाँ, कार्यावस्थाएँ, संधियाँ, अर्थोपक्षेपक, नायक के गुण, नायक के प्रकार, नायिकाभेद, नायक के सहायक एवं नायिका की सहायिकाएँ, नाट्यवृत्तियाँ, वृत्तियों के विषय में उद्धृतादि के मत का निराकरण एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>रसयोजना, रसयोजना के अंग, व्यभिचारी भाव, स्थायी भाव (भावों के विरोधाविरोध पर विचार), नाट्य में शान्तरस का निषेध, स्थायी भाव तथा रस का काव्य से सम्बन्ध – ध्वनिवादी पूर्वपक्ष, दशरूपककार का सिद्धान्त, रस का आश्रय, भाव्य-भावकसिद्धान्त, रस की प्रक्रिया तथा स्वरूप एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>अलङ्कार-सिद्धान्त, गुण-रीति-सिद्धान्त, ध्वनि-सिद्धान्त, रस-सिद्धान्त, वक्रोक्ति-सिद्धान्त एवं औचित्य-सिद्धान्त।</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>भरतमुनि, अग्निपुराण, विष्णुधर्मोत्तर-पुराण, भामह, दण्डी, उद्भट, रुद्रट, मुकुलभट्ट, राजशेखर, महिमभट्ट, भोजराज, रुय्यक, सागरनन्दी, हेमचन्द्र, रामचन्द्र-गुणचन्द्र, जयदेव, शारदातनय, सिंहभूपाल, भानुदत्तमिश्र, रूपगोस्वामी, अप्पयदीक्षित, पण्डितराज जगन्नाथ।</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four Explanations (one from each of the Units)</td><td>04x07= 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)</td><td>5+5+5+7= 22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Two critical Questions (One from each units with options)</td><td>02x10= 20</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL MARKS</td><td>70</td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than “C” Group)	दशरूपक (अवलोकसहित)		Unit-I	दशरूपक - ग्रन्थ का प्रयोजन, रूपक के भेद, रूपकों के भेदकतत्त्व, वस्तु का स्वरूप एवं भेद, अर्थ-प्रकृतियाँ, कार्यावस्थाएँ, संधियाँ, अर्थोपक्षेपक, नायक के गुण, नायक के प्रकार, नायिकाभेद, नायक के सहायक एवं नायिका की सहायिकाएँ, नाट्यवृत्तियाँ, वृत्तियों के विषय में उद्धृतादि के मत का निराकरण एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।	Unit-II	रसयोजना, रसयोजना के अंग, व्यभिचारी भाव, स्थायी भाव (भावों के विरोधाविरोध पर विचार), नाट्य में शान्तरस का निषेध, स्थायी भाव तथा रस का काव्य से सम्बन्ध – ध्वनिवादी पूर्वपक्ष, दशरूपककार का सिद्धान्त, रस का आश्रय, भाव्य-भावकसिद्धान्त, रस की प्रक्रिया तथा स्वरूप एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।	Unit-III	अलङ्कार-सिद्धान्त, गुण-रीति-सिद्धान्त, ध्वनि-सिद्धान्त, रस-सिद्धान्त, वक्रोक्ति-सिद्धान्त एवं औचित्य-सिद्धान्त।	Unit-IV	भरतमुनि, अग्निपुराण, विष्णुधर्मोत्तर-पुराण, भामह, दण्डी, उद्भट, रुद्रट, मुकुलभट्ट, राजशेखर, महिमभट्ट, भोजराज, रुय्यक, सागरनन्दी, हेमचन्द्र, रामचन्द्र-गुणचन्द्र, जयदेव, शारदातनय, सिंहभूपाल, भानुदत्तमिश्र, रूपगोस्वामी, अप्पयदीक्षित, पण्डितराज जगन्नाथ।	(i)	Four Explanations (one from each of the Units)	04x07= 28	(ii)	Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)	5+5+5+7= 22	(iii)	Two critical Questions (One from each units with options)	02x10= 20		TOTAL MARKS	70
दशरूपक (अवलोकसहित)																								
Unit-I	दशरूपक - ग्रन्थ का प्रयोजन, रूपक के भेद, रूपकों के भेदकतत्त्व, वस्तु का स्वरूप एवं भेद, अर्थ-प्रकृतियाँ, कार्यावस्थाएँ, संधियाँ, अर्थोपक्षेपक, नायक के गुण, नायक के प्रकार, नायिकाभेद, नायक के सहायक एवं नायिका की सहायिकाएँ, नाट्यवृत्तियाँ, वृत्तियों के विषय में उद्धृतादि के मत का निराकरण एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।																							
Unit-II	रसयोजना, रसयोजना के अंग, व्यभिचारी भाव, स्थायी भाव (भावों के विरोधाविरोध पर विचार), नाट्य में शान्तरस का निषेध, स्थायी भाव तथा रस का काव्य से सम्बन्ध – ध्वनिवादी पूर्वपक्ष, दशरूपककार का सिद्धान्त, रस का आश्रय, भाव्य-भावकसिद्धान्त, रस की प्रक्रिया तथा स्वरूप एवं अवशिष्ट भाग का अध्ययन।																							
Unit-III	अलङ्कार-सिद्धान्त, गुण-रीति-सिद्धान्त, ध्वनि-सिद्धान्त, रस-सिद्धान्त, वक्रोक्ति-सिद्धान्त एवं औचित्य-सिद्धान्त।																							
Unit-IV	भरतमुनि, अग्निपुराण, विष्णुधर्मोत्तर-पुराण, भामह, दण्डी, उद्भट, रुद्रट, मुकुलभट्ट, राजशेखर, महिमभट्ट, भोजराज, रुय्यक, सागरनन्दी, हेमचन्द्र, रामचन्द्र-गुणचन्द्र, जयदेव, शारदातनय, सिंहभूपाल, भानुदत्तमिश्र, रूपगोस्वामी, अप्पयदीक्षित, पण्डितराज जगन्नाथ।																							
(i)	Four Explanations (one from each of the Units)	04x07= 28																						
(ii)	Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)	5+5+5+7= 22																						
(iii)	Two critical Questions (One from each units with options)	02x10= 20																						
	TOTAL MARKS	70																						
OE-409	New Amendment	OE-409 : Siddhāntakaumudī (kṛdānta) and History of Sanskrit Grammar सिद्धान्तकौमुदी (कृदन्त) एवं संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास Maximum Marks: 100 (70+30)																						

		Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>सिद्धान्तकौमुदी: पूर्वकृदन्तः (क्त-प्रत्ययप्रकरण के द्रवमूर्तिस्पर्शयोः श्यः से विकुशमिपरिभ्यःस्थलम् सूत्रों को छोड़कर)</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>सिद्धान्तकौमुदी: कृदन्त-प्रकरण, उत्तरकृदन्त (उणादिरहित) ।</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास - पाणिनिपूर्व वैयाकरण आचार्यों का योगदान, मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि) का काल एवं योगदान, पाणिन्युत्तरव्याकरण-सम्प्रदायों का सर्वेक्षण: चान्द्र, कातन्त्र, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सुपद्य, हरिनामामृत आदि।</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास - अष्टाध्यायी की वृत्ति-परम्परा, पाणिनि-व्याकरण में प्रक्रियाग्रन्थों का योगदान, पाणिनि-परम्परा के दार्शनिक आचार्य :भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Eight Explanations of Sutras (two from each Unit)</td><td>8 x 3.5 = 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Eight Explanations of the derivational process (two from each Unit)</td><td>8 x 3.5 = 28</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>One critical question</td><td>1 x 7 = 7</td></tr><tr><td>(iv)</td><td>One short notes in Sanskrit</td><td>1 x 7 = 7</td></tr><tr><td></td><td>TOTAL</td><td>70</td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than “D” Group)	Unit-I	सिद्धान्तकौमुदी: पूर्वकृदन्तः (क्त-प्रत्ययप्रकरण के द्रवमूर्तिस्पर्शयोः श्यः से विकुशमिपरिभ्यःस्थलम् सूत्रों को छोड़कर)	Unit-II	सिद्धान्तकौमुदी: कृदन्त-प्रकरण, उत्तरकृदन्त (उणादिरहित) ।	Unit-III	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास - पाणिनिपूर्व वैयाकरण आचार्यों का योगदान, मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि) का काल एवं योगदान, पाणिन्युत्तरव्याकरण-सम्प्रदायों का सर्वेक्षण: चान्द्र, कातन्त्र, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सुपद्य, हरिनामामृत आदि।	Unit-IV	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास - अष्टाध्यायी की वृत्ति-परम्परा, पाणिनि-व्याकरण में प्रक्रियाग्रन्थों का योगदान, पाणिनि-परम्परा के दार्शनिक आचार्य :भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।	(i)	Eight Explanations of Sutras (two from each Unit)	8 x 3.5 = 28	(ii)	Eight Explanations of the derivational process (two from each Unit)	8 x 3.5 = 28	(iii)	One critical question	1 x 7 = 7	(iv)	One short notes in Sanskrit	1 x 7 = 7		TOTAL	70
Unit-I	सिद्धान्तकौमुदी: पूर्वकृदन्तः (क्त-प्रत्ययप्रकरण के द्रवमूर्तिस्पर्शयोः श्यः से विकुशमिपरिभ्यःस्थलम् सूत्रों को छोड़कर)																								
Unit-II	सिद्धान्तकौमुदी: कृदन्त-प्रकरण, उत्तरकृदन्त (उणादिरहित) ।																								
Unit-III	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास - पाणिनिपूर्व वैयाकरण आचार्यों का योगदान, मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि) का काल एवं योगदान, पाणिन्युत्तरव्याकरण-सम्प्रदायों का सर्वेक्षण: चान्द्र, कातन्त्र, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सुपद्य, हरिनामामृत आदि।																								
Unit-IV	संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास - अष्टाध्यायी की वृत्ति-परम्परा, पाणिनि-व्याकरण में प्रक्रियाग्रन्थों का योगदान, पाणिनि-परम्परा के दार्शनिक आचार्य :भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।																								
(i)	Eight Explanations of Sutras (two from each Unit)	8 x 3.5 = 28																							
(ii)	Eight Explanations of the derivational process (two from each Unit)	8 x 3.5 = 28																							
(iii)	One critical question	1 x 7 = 7																							
(iv)	One short notes in Sanskrit	1 x 7 = 7																							
	TOTAL	70																							
OEC-410	New Amendment	OEC-410: Āpastambadharmasūtra & History of Dharmaśāstra आपस्तम्बधर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र का इतिहास Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>आपस्तम्बधर्मसूत्र - प्रथम प्रश्न</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>आपस्तम्बधर्मसूत्र - द्वितीय प्रश्न) ।</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>धर्मशास्त्र का इतिहास - धर्मशास्त्र के आचार्य - मेधातिथि, विज्ञानेश्वर, लक्ष्मीधर, जीमूतवाहन, देवण्णभट्ट, चण्डेश्वर, माधवाचार्य, वाचस्पतिमिश्र, कमलाकरभट्ट, मित्रमिश्र, रघुनन्दन।</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>धर्मशास्त्र का इतिहास - धर्मशास्त्र के प्रमुखसिद्धान्त - वर्ण, आश्रम, संस्कार, स्त्रियों की स्थिति, श्रौतयाग, राजधर्म, दण्डव्यवस्था, धर्मशास्त्र विषयक आधुनिक अध्ययन (स्वातन्त्र्योत्तरकाल) </td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Four Explanations (one from each of the Units)</td><td>4 x 7 = 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)</td><td>5+5+5+07 =22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Two critical Questions (One from each of the units with options)</td><td>02x10=20</td></tr><tr><td></td><td>Total: 70</td><td></td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than	Unit-I	आपस्तम्बधर्मसूत्र - प्रथम प्रश्न	Unit-II	आपस्तम्बधर्मसूत्र - द्वितीय प्रश्न) ।	Unit-III	धर्मशास्त्र का इतिहास - धर्मशास्त्र के आचार्य - मेधातिथि, विज्ञानेश्वर, लक्ष्मीधर, जीमूतवाहन, देवण्णभट्ट, चण्डेश्वर, माधवाचार्य, वाचस्पतिमिश्र, कमलाकरभट्ट, मित्रमिश्र, रघुनन्दन।	Unit-IV	धर्मशास्त्र का इतिहास - धर्मशास्त्र के प्रमुखसिद्धान्त - वर्ण, आश्रम, संस्कार, स्त्रियों की स्थिति, श्रौतयाग, राजधर्म, दण्डव्यवस्था, धर्मशास्त्र विषयक आधुनिक अध्ययन (स्वातन्त्र्योत्तरकाल)	(i)	Four Explanations (one from each of the Units)	4 x 7 = 28	(ii)	Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)	5+5+5+07 =22	(iii)	Two critical Questions (One from each of the units with options)	02x10=20		Total: 70				
Unit-I	आपस्तम्बधर्मसूत्र - प्रथम प्रश्न																								
Unit-II	आपस्तम्बधर्मसूत्र - द्वितीय प्रश्न) ।																								
Unit-III	धर्मशास्त्र का इतिहास - धर्मशास्त्र के आचार्य - मेधातिथि, विज्ञानेश्वर, लक्ष्मीधर, जीमूतवाहन, देवण्णभट्ट, चण्डेश्वर, माधवाचार्य, वाचस्पतिमिश्र, कमलाकरभट्ट, मित्रमिश्र, रघुनन्दन।																								
Unit-IV	धर्मशास्त्र का इतिहास - धर्मशास्त्र के प्रमुखसिद्धान्त - वर्ण, आश्रम, संस्कार, स्त्रियों की स्थिति, श्रौतयाग, राजधर्म, दण्डव्यवस्था, धर्मशास्त्र विषयक आधुनिक अध्ययन (स्वातन्त्र्योत्तरकाल)																								
(i)	Four Explanations (one from each of the Units)	4 x 7 = 28																							
(ii)	Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)	5+5+5+07 =22																							
(iii)	Two critical Questions (One from each of the units with options)	02x10=20																							
	Total: 70																								

		“E” Group)																													
OEC-411	New Amendment	OEC-411: Indian Paleography भारतीयपुरालिपि-शास्त्र Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>1.भारत में लेखन कला की प्राचीनता 2.प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली लिपियों का वर्णन 3.भारतीय लिपियों की उत्पत्ति 4.अशोक के काल से लेकर 8 वीं शती तक ब्राह्मी लिपि एवं खरोष्ठी लिपि का विकास</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>1.लेखनकला की सामग्री, पुस्तकालय एवं संग्रहालय का प्रयोग 2.लेखन एवं उत्कीर्णन का व्यवसाय 3.अभिलेखों के वर्गीकरण 4.अभिलेखों के संकलन के प्रकार 5.अभिलेखों में आगतसंवत् क (विक्रमसंवत्, ख (शकसंवत्, ग (गुप्तसंवत्, घ (हर्षसंवत्</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>भारत में अभिलेख के अध्ययन का इतिहास</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>अभिलेखों के अध्ययन का महत्त्व</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks <table><tr><td>(i)</td><td>Two questions (From first unit)</td><td>8 x 2 = 16</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Introduction to the two characters (for development of Brahmi Script)</td><td>7 x 1 = 07</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Three questions (From II unit)</td><td>8 x 3 = 24</td></tr><tr><td>(iv)</td><td>One short notes (About Samvat, from II unit)</td><td>7 x 1 = 07</td></tr><tr><td>(v)</td><td>One Question (From III unit)</td><td>9 x 1 = 09</td></tr><tr><td>(vi)</td><td>Two Short notes in Sanskrit (From IV unit)</td><td>3.5 x 2 = 07</td></tr><tr><td></td><td>Total Marks</td><td>70</td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than “F” Group)	Unit-I	1.भारत में लेखन कला की प्राचीनता 2.प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली लिपियों का वर्णन 3.भारतीय लिपियों की उत्पत्ति 4.अशोक के काल से लेकर 8 वीं शती तक ब्राह्मी लिपि एवं खरोष्ठी लिपि का विकास	Unit-II	1.लेखनकला की सामग्री, पुस्तकालय एवं संग्रहालय का प्रयोग 2.लेखन एवं उत्कीर्णन का व्यवसाय 3.अभिलेखों के वर्गीकरण 4.अभिलेखों के संकलन के प्रकार 5.अभिलेखों में आगतसंवत् क (विक्रमसंवत्, ख (शकसंवत्, ग (गुप्तसंवत्, घ (हर्षसंवत्	Unit-III	भारत में अभिलेख के अध्ययन का इतिहास	Unit-IV	अभिलेखों के अध्ययन का महत्त्व	(i)	Two questions (From first unit)	8 x 2 = 16	(ii)	Introduction to the two characters (for development of Brahmi Script)	7 x 1 = 07	(iii)	Three questions (From II unit)	8 x 3 = 24	(iv)	One short notes (About Samvat, from II unit)	7 x 1 = 07	(v)	One Question (From III unit)	9 x 1 = 09	(vi)	Two Short notes in Sanskrit (From IV unit)	3.5 x 2 = 07		Total Marks	70
Unit-I	1.भारत में लेखन कला की प्राचीनता 2.प्राचीन भारत में प्रयुक्त होने वाली लिपियों का वर्णन 3.भारतीय लिपियों की उत्पत्ति 4.अशोक के काल से लेकर 8 वीं शती तक ब्राह्मी लिपि एवं खरोष्ठी लिपि का विकास																														
Unit-II	1.लेखनकला की सामग्री, पुस्तकालय एवं संग्रहालय का प्रयोग 2.लेखन एवं उत्कीर्णन का व्यवसाय 3.अभिलेखों के वर्गीकरण 4.अभिलेखों के संकलन के प्रकार 5.अभिलेखों में आगतसंवत् क (विक्रमसंवत्, ख (शकसंवत्, ग (गुप्तसंवत्, घ (हर्षसंवत्																														
Unit-III	भारत में अभिलेख के अध्ययन का इतिहास																														
Unit-IV	अभिलेखों के अध्ययन का महत्त्व																														
(i)	Two questions (From first unit)	8 x 2 = 16																													
(ii)	Introduction to the two characters (for development of Brahmi Script)	7 x 1 = 07																													
(iii)	Three questions (From II unit)	8 x 3 = 24																													
(iv)	One short notes (About Samvat, from II unit)	7 x 1 = 07																													
(v)	One Question (From III unit)	9 x 1 = 09																													
(vi)	Two Short notes in Sanskrit (From IV unit)	3.5 x 2 = 07																													
	Total Marks	70																													
OEC-412	New Amendment	OEC-412: Sanskrit Novel and Survey of Modern Sanskrit Literature संस्कृत उपन्यास तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division <table><tr><td>Unit-I</td><td>सीमा (उपन्यास) 1-2 परिच्छेद</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>सीमा (उपन्यास) 3-4 परिच्छेद</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>प्रमुख आधुनिक संस्कृत महाकाव्य ,रूपक एवं गद्यकाव्य , आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रमुख नवीन विधाएँ एवं प्रवृत्तियाँ</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>आधुनिक संस्कृत के प्रतिनिधि साहित्यकार – अम्बिकादत्त व्यास, मथुराप्रसाद दीक्षित, हरिदास सिद्धान्तवागीश, अप्पाराशिव रेडकर, हृषीकेश भट्टाचार्य, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, यतीन्द्र विमल</td></tr></table>	Unit-I	सीमा (उपन्यास) 1-2 परिच्छेद	Unit-II	सीमा (उपन्यास) 3-4 परिच्छेद	Unit-III	प्रमुख आधुनिक संस्कृत महाकाव्य ,रूपक एवं गद्यकाव्य , आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रमुख नवीन विधाएँ एवं प्रवृत्तियाँ	Unit-IV	आधुनिक संस्कृत के प्रतिनिधि साहित्यकार – अम्बिकादत्त व्यास, मथुराप्रसाद दीक्षित, हरिदास सिद्धान्तवागीश, अप्पाराशिव रेडकर, हृषीकेश भट्टाचार्य, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, यतीन्द्र विमल																					
Unit-I	सीमा (उपन्यास) 1-2 परिच्छेद																														
Unit-II	सीमा (उपन्यास) 3-4 परिच्छेद																														
Unit-III	प्रमुख आधुनिक संस्कृत महाकाव्य ,रूपक एवं गद्यकाव्य , आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रमुख नवीन विधाएँ एवं प्रवृत्तियाँ																														
Unit-IV	आधुनिक संस्कृत के प्रतिनिधि साहित्यकार – अम्बिकादत्त व्यास, मथुराप्रसाद दीक्षित, हरिदास सिद्धान्तवागीश, अप्पाराशिव रेडकर, हृषीकेश भट्टाचार्य, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, मूलशंकर माणिकलाल याज्ञिक, वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, यतीन्द्र विमल																														

		चौधुरी, रमा चौधुरी, लीलाराव दयाल, श्रीपाद हसूरकर, वसन्त त्र्यम्बक शेवडे, ओगेटि शर्मा परीक्षित, भट्टमथुरानाथ शास्त्री, जानकीवल्लभ शास्त्री, सत्यव्रत शास्त्री, रसिकबिहारी जोशी, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, केशवचन्द्र दास, हर्षदेव माधव, कालिका प्रसाद शुक्ल, परमानन्द शास्त्री। Basic Structure of Question Paper & Division of Marks<table><tr><td>(i)</td><td>Four Explanations (one from each of the Units)</td><td>04x 7= 28</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)</td><td>5+5+5+07=22</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>Two critical Questions (One from each of the units with options)</td><td>02x10=20</td></tr><tr><td colspan="2">Total Marks</td><td>70</td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than “G” Group)	(i)	Four Explanations (one from each of the Units)	04x 7= 28	(ii)	Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)	5+5+5+07=22	(iii)	Two critical Questions (One from each of the units with options)	02x10=20	Total Marks		70					
(i)	Four Explanations (one from each of the Units)	04x 7= 28																	
(ii)	Four short notes (one from each of the Units with options, one in Sanskrit)	5+5+5+07=22																	
(iii)	Two critical Questions (One from each of the units with options)	02x10=20																	
Total Marks		70																	
OE 413	New Amendment	OE-413: Survey of Puranic Literature पौराणिक साहित्य का सर्वेक्षण Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division<table><tr><td>Unit-I</td><td>पुराणों की परिभाषा, पुराणों का विभाजन, पुराणों एवं उपपुराणों की भाषा और शैली</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>पुराणों एवं उपपुराणों की विषयवस्तु, पुराणों का ऐतिहासिक महत्त्व</td></tr><tr><td>Unit-III</td><td>पुराणों एवं उपपुराणों में भौगोलिक सामग्री, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व</td></tr><tr><td>Unit-IV</td><td>पौराणिक धर्मों की प्रकृति, रचनात्मक साहित्य के स्रोतग्रन्थ के रूप में पुराण</td></tr></table> Basic Structure of Question Paper & Division of Marks<table><tr><td>(i)</td><td>Four long-answer questions (one from each Unit)</td><td>14+14+14+14 = 56</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>Two short notes (One to be answered in Sanskrit)</td><td>7+7= 14</td></tr><tr><td colspan="2">Total Marks</td><td>70</td></tr></table> **Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than “H” Group)	Unit-I	पुराणों की परिभाषा, पुराणों का विभाजन, पुराणों एवं उपपुराणों की भाषा और शैली	Unit-II	पुराणों एवं उपपुराणों की विषयवस्तु, पुराणों का ऐतिहासिक महत्त्व	Unit-III	पुराणों एवं उपपुराणों में भौगोलिक सामग्री, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व	Unit-IV	पौराणिक धर्मों की प्रकृति, रचनात्मक साहित्य के स्रोतग्रन्थ के रूप में पुराण	(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	14+14+14+14 = 56	(ii)	Two short notes (One to be answered in Sanskrit)	7+7= 14	Total Marks		70
Unit-I	पुराणों की परिभाषा, पुराणों का विभाजन, पुराणों एवं उपपुराणों की भाषा और शैली																		
Unit-II	पुराणों एवं उपपुराणों की विषयवस्तु, पुराणों का ऐतिहासिक महत्त्व																		
Unit-III	पुराणों एवं उपपुराणों में भौगोलिक सामग्री, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व																		
Unit-IV	पौराणिक धर्मों की प्रकृति, रचनात्मक साहित्य के स्रोतग्रन्थ के रूप में पुराण																		
(i)	Four long-answer questions (one from each Unit)	14+14+14+14 = 56																	
(ii)	Two short notes (One to be answered in Sanskrit)	7+7= 14																	
Total Marks		70																	
OE 414	New Amendment	OE- 414 Survey of Indian Astrology भारतीय ज्योतिषशास्त्र का सर्वेक्षण Maximum Marks: 100 (70+30) Duration: 64 hrs. (16 weeks) (4 Theories = 4 credits) Unit Wise Division<table><tr><td>Unit-I</td><td>ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, क्रमिकविकास, पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिष, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, उपयोगिता व कालविभाजन) वर्गीकरण</td></tr><tr><td>Unit-II</td><td>पञ्चांग, प्रश्नशास्त्र, रमलशास्त्र, शकुनशास्त्र, वास्तुशास्त्र, सामुद्रिकशास्त्र, मुहूर्तविचार।</td></tr><tr><td>Unit-</td><td>प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका परिचय) आर्यभट्ट-प्रथम,</td></tr></table>	Unit-I	ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, क्रमिकविकास, पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिष, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, उपयोगिता व कालविभाजन) वर्गीकरण	Unit-II	पञ्चांग, प्रश्नशास्त्र, रमलशास्त्र, शकुनशास्त्र, वास्तुशास्त्र, सामुद्रिकशास्त्र, मुहूर्तविचार।	Unit-	प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका परिचय) आर्यभट्ट-प्रथम,											
Unit-I	ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव, क्रमिकविकास, पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिष, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, उपयोगिता व कालविभाजन) वर्गीकरण																		
Unit-II	पञ्चांग, प्रश्नशास्त्र, रमलशास्त्र, शकुनशास्त्र, वास्तुशास्त्र, सामुद्रिकशास्त्र, मुहूर्तविचार।																		
Unit-	प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका परिचय) आर्यभट्ट-प्रथम,																		

		III	आर्यभट्ट-द्वितीय, कालकाचार्य, वराहमिहिर, कल्याणवर्मा, ब्रह्मगुप्त, मुंजाल, भट्टोत्पल, भास्कराचार्य, बल्लालसेन, केशवद्वितीय, गणेशदैवज्ञ, दुण्डिराज(I)
		Unit-IV	मास, ऋतु, अयन, वर्ष, युग, ग्रहकक्षा, नक्षत्र, ग्रहराशि, ग्रहण, भावविचार, योगविचार, विषुवदिनविचार, सौरमास, करण, सावनदिन, उत्तरगोल, अमावस्या, पूर्णिमा।
		Basic Structure of Question Paper & Division of Marks	
		(i)	Four Explanations of definitions (from I, II & III Units) 04x 7= 28
		(ii)	Four short notes (from IV th Unit with options, one in Sanskrit) 5+5+5+07=22
		(iii)	Two critical Questions (From I, II & III units with options) 02x10=20
		Total	70
		**Note : (This OEC is opted by the students of Sanskrit other than "I" Group)	

B.A (Hons.) Sanskrit

Paper No.	Existing	Amendment
C-12	C-12 Sanskrit Grammar: Laghusiddhāntkaumudī (12131502) Max. Marks : (75+ 25 = 100) Credits : Lectures 60 + Tutorials 12 [C] Contents: Unit: I Saṁjñā and Sandhi Prakaraṇa from Laghusiddhāntkaumudī: Credits : 12 - Sutra's of Saṁjñā - Ach Sandhi: (Dīrgha, Yaṇ, Guṇa, Ayādi, Vṛddhi, Pūrvarūpa, Pararūpa) Unit: II Hal sandhi and visarga sandhi Credits : 12 - Sutra's of Hal Sandhi and Visarga Sandhi: (Ścutva, Śtutva, Anunāsikatva, Chatva, Jaśtva, Śatva, Utva, Lopa) Unit: III Practice of Applications of Sandhis in prescribed texts literary texts Credits : 12 Unit: IV Samāsa Prakaraṇa from Laghusiddhāntkaumudī Credits : 10 Major sutras used in formation of Avyayībhāva Samāsa and Tatpuruṣa Samāsa Unit: V Dvandva and Bahubhrīhi Samāsa	C-12 Sanskrit Grammar: Laghusiddhāntkaumudī (12131502) Max. Marks : (75+ 25 = 100) Credits : Lectures 60 + Tutorials 12 [C] Contents: Unit: I Saṁjñā and Sandhi Prakaraṇa from Laghusiddhāntkaumudī: Credits : 12 - Sutra's of Saṁjñā - Ach Sandhi: (Dīrgha, Yaṇ, Ayādi, Guṇa, Vṛddhi, Pūrvarūpa, Pararūpa) Unit: II Hal sandhi and visarga sandhi Credits : 12 - Sutra's of Hal Sandhi and Visarga Sandhi: (Ścutva, Śtutva, Anunāsikatva, Chatva, Jaśtva, Śatva, Utva, Lopa) Unit: III Samāsa Prakaraṇa from Laghusiddhāntkaumudī Credits : 10 Major sutras used in formation of Avyayībhāva Samāsa Unit: IV Tatpuruṣa Samāsa from Laghusiddhāntkaumudī Credits : 10 Major sutras used in formation of Tatpuruṣa Samāsa

from Laghusiddhāntkaumudī Credits: 07 Major Sutras for the formation of Dwandva and Bahubrīhi Samāsa Unit: VI Kṛdanta from Laghusiddhāntkaumudī Credits : 07 Major sutras for the formation of Taddhita words (Aṇ, Iñ , Ḍhak, Tal, Aṇ, Vuñ, Yat, Cha, Mayaṭ, Tva, Tal, Imanic, Śyañ , Matup, In, Ṭhañ, Itac) [G] Assessment Method I. Basic Structure of Question Paper & Division of Marks 75 <table><tr><td>i</td><td>Explanations of 6 sutras (Units 1,2,4,5,6)</td><td>06x 05 = 30</td></tr><tr><td>ii</td><td>formation of 5 words (Units 1,2,4, 5,6)</td><td>05 x 5 = 25</td></tr><tr><td>iii</td><td>Questions on applied grammar from prescribed texts (from Unit 2,4,5,6)</td><td>7 x 02 = 14</td></tr><tr><td>iv</td><td>One explanation of a sutra to be written in Sanskrit</td><td>01x07 = 07</td></tr></table> II. Internal Assessment 25 (Project/Discussion/Assignment/ paper presentation/ Periodic tests etc.) Total Marks : (I+II) (75+25) = 100	i	Explanations of 6 sutras (Units 1,2,4,5,6)	06x 05 = 30	ii	formation of 5 words (Units 1,2,4, 5,6)	05 x 5 = 25	iii	Questions on applied grammar from prescribed texts (from Unit 2,4,5,6)	7 x 02 = 14	iv	One explanation of a sutra to be written in Sanskrit	01x07 = 07	Unit: V Bahubrīhi and Dwandva Samāsa from Laghusiddhāntkaumudī. Credits: 09 Major Sutras for the formation of Bahubrīhi and Dwandva Samāsa Unit: VI Taddhita from Laghusiddhāntkaumudī Credits : 07 Major sutras for the formation of Taddhitānta words (Aṇ, Iñ , Ḍhak, Aṇ, Tal, Vun, Yat, Cha, Mayaṭ, Tva, Tal, Imanic, Śyañ , Matup, In, Ṭhan, Itac) [G] Assessment Method I. Basic Structure of Question Paper & Division of Marks 75 <table><tr><td>i</td><td>Explanations of 6 sutras (Units 1,2,3,4,5,6)</td><td>06x 05 = 30</td></tr><tr><td>ii</td><td>formation of 5 words (Units 1,2,3,4,5,6)</td><td>05 x 5 = 25</td></tr><tr><td>iii</td><td>Questions on applied grammar from prescribed texts (from Unit 2,3,4,5,6)</td><td>7 x 02 = 14</td></tr><tr><td>iv</td><td>One explanation of a sutra to be written in Sanskrit</td><td>01x06 = 06</td></tr></table> II. Internal Assessment 25 (Project/Discussion/Assignment/ paper presentation/ Periodic tests etc.) Total Marks : (I+II) (75+25) = 100	i	Explanations of 6 sutras (Units 1,2,3,4,5,6)	06x 05 = 30	ii	formation of 5 words (Units 1,2,3,4,5,6)	05 x 5 = 25	iii	Questions on applied grammar from prescribed texts (from Unit 2,3,4,5,6)	7 x 02 = 14	iv	One explanation of a sutra to be written in Sanskrit	01x06 = 06
i	Explanations of 6 sutras (Units 1,2,4,5,6)	06x 05 = 30																							
ii	formation of 5 words (Units 1,2,4, 5,6)	05 x 5 = 25																							
iii	Questions on applied grammar from prescribed texts (from Unit 2,4,5,6)	7 x 02 = 14																							
iv	One explanation of a sutra to be written in Sanskrit	01x07 = 07																							
i	Explanations of 6 sutras (Units 1,2,3,4,5,6)	06x 05 = 30																							
ii	formation of 5 words (Units 1,2,3,4,5,6)	05 x 5 = 25																							
iii	Questions on applied grammar from prescribed texts (from Unit 2,3,4,5,6)	7 x 02 = 14																							
iv	One explanation of a sutra to be written in Sanskrit	01x06 = 06																							

(iv) **Amendment to Appendix II to Ordinance V (2) & VII.** [E.C Res. No. 42-7 dated 17.12.2021] related to the modification under UGC LOCF of M.A Arabic Course under the Department of Arabic to be implemented from academic session 2021-2022.

Existing	Amended
Semester –I 1. Course Code: 101 2. Course Code: 102 3. Course Code: 103 4. Course Code: 104 Semester - II 1. Course Code: 201 2. Course Code: 202 3. Course Code: 203 Translation & Essay Writing-II Contents : Credits Unit-I (a) Political & Scientific Translation (Arabic-English & vice-versa)	Semester-I 1. Course Code: 120101101 2. Course Code: 120101102 3. Course Code: 120101103 4. Course Code: 120101104 Semester - II 1. Course Code: 120101201 2. Course Code: 120101202 3. Course Code: 120101203 History of Arabic Literature (Abbasid Period & Modern Period-II) Contents : Credits : 06 Unit I: Abbasid Period (750 A.D. to 1258 A.D.)

Unit II: (b) Economic & Commercial Translation (Arabic-English & vice-versa) Unit III: (c) Translation of technical terminologies (Arabic-English & vice-versa). Unit IV: (d) Essay Writing (e) Interpretation 4. Course Code 204(A) IDC / Open Elective Course Arabic Language –I Introduction; Reading and Writing Contents : Credits Unit – I: Introduction 1. Arabic Language: Origin & Brief History 2. Impact & Interaction of Arabic with other Languages 3. Arabic in the medieval and modern era. Unit – II: Reading 1. Arabic Alphabet 2. Vowels, Signs & Other Symbols 3. Reading of Joint Letters 4. Sun letters and Moon letters 5. Gender, Definite and Indefinite Noun Unit – III Writing 1. Practice of writing the separate letters 2. Practice of writing joint letters & sentences 3. Taking dictations 4. Demonstrative Pronouns (Singular only) Unit – IV Listening & Speaking 1. Arabic numerals 1 – 10 2. Self-introduction & Greetings 3. Words of daily usage week days, months, colours, fruits & vegetables etc. 4. Simple Nominal Sentences 5. Simple Verbal Sentences 4 (A) Course Code: 204 (B) IDC / Open Elective Course Introduction to Arab Culture 204 (B) Introduction to Arab Culture Contents: Unit I: 1. Arabian Peninsula: An Introduction 2. Arabs – Anthropological prospective 3. Characteristics of Bedouin life in Arabia Unit II: 1. Social Condition of Arabia before Islam 2. Political system in pre-Islamic Arabia	Prose: Introduction to Abbasid prose with special reference to Ibn al-Muqaffa', al-Jāhī z, Ibn al-'Amīd, and al-Ḥarīrī Unit II: Abbasid Period (750 A.D. to 1258 A.D.) Poetry: An Introduction to Abbasid Poetry with special reference to Bashshār b. Burd, Abū al-'Atāhiyah, Abū Nuwās, Abū Tammām, al-Mutanabbī, and Abū al-'Alā al-Ma'arrī Unit III: Modern Period (1798-2000) Prose: Introduction to Modern Prose with special reference to Mustafā Lutfī al-Manfalūtī, 'Abbās Maḥmūd al 'Aqqād, Ibrāhīm 'Abd al-Qādir al-Māzinī, Muḥammad Ḥusayn Haykal, Tāhā Ḥusayn, Taufīq al-Ḥakīm, Maḥmūd Taymūr, Najīb Maḥfūz and Jibrān Khalīl Jibrān Unit IV: Modern Period (1798-2000) Poetry: An Introduction to Arabic Poetry with special reference to Maḥmūd Samī al-Bārūdī, Ḥāfiẓ Ibrāhīm, Aḥmad Shauqī, Ḥayyā Abu Madi, Nizar Qabbani, Fadwa Tuqan, Abu al-Qasim al-Shābbī and Aḥmad Ḍakī Abū Shādī 4. Course Code – 120101204 Translation & Essay Writing-II Contentss: Credits : 06 Unit I: (f) Political & Scientific Translation (Arabic-English & vice-versa) Unit II: (g) Economic & Commercial Translation (Arabic-English & vice-versa) Unit III: (h) Translation of technical terminologies (Arabic-English & vice-versa). Unit IV: (i) Essay Writing (j) Interpretation
--	---

3. Conditions of women and slaves in pre-Islamic Arabia Unit III 1. Religious condition in pre-Islamic Arabia 2. Emergence of Islam & political changes after wards 3. Basic tenets of Islam & Social changes in Arabia Unit IV 1. Arabs outside Arabia 2. Arab's Interaction with the neighbouring cultures 3. Arabs Etiquettes Semester –III 1. Course Code – 301 History of Arabic Literature (Abbasid Period & Modern Period-II) Contents: Credits Unit I: Abbasid Period (750 A.D. to 1258 A.D.) Prose: Introduction to Abbasid prose with special reference to Ibn al-Muqaffā', al-Jāhī z, Ibn al-'Amīd, and al-Ḥarīrī Unit II: Abbasid Period (750 A.D. to 1258 A.D.) Poetry: An Introduction to Abbasid Poetry with special reference to Bashshār b. Burd, Abū al-'Atāhiyah, Abū Nuwās, Abū Tammām, al-Mutanabbī, and Abū al-'Alā al-Ma'arrī Unit III: Modern Period (1798-2000) Prose: Introduction to Modern Prose with special reference to Mustafā Lutfī al-Manfalūtī, 'Abbās Maḥmūd al 'Aqqād, Ibrāhīm 'Abd al-Qādir al-Māzinī, Muḥammad Ḥusayn Haykal, Tāhā Ḥusayn, Taufiq al-Ḥakīm, Maḥmūd Taymūr, Najīb Maḥfūz and Jibrān Khalīl Jibrān Unit IV: Modern Period (1798-2000) Poetry: An Introduction to Arabic Poetry with special reference to Maḥmūd Samī al-Bārūdī, Ḥāfiẓ Ibrāhīm, Aḥmad Shauqī, Ḥiyya Abu Madi, Nizar Qabbani, Fadwa Tuqan, Abu al-Qasim al-Shābbī and Aḥmad Dakī Abū Shādī 2. Course Code – 302 Research Methodology & Paper Writing and Presentation Contents: Credits Unit I:	Semester - III 1. Course Code – 120101301 Research Methodology & Paper Writing and Presentation Contents: Credits : 06 Unit I: Nature, Aims and Objectives of Literary Research Unit II: Editing of Manuscripts Unit III: Renowned Oriental Libraries, Reference Resources, Bibliography and Commonly used Abbreviations Unit IV: Preparation of Research Papers, Dissertations and Theses. 2. Course Code - 120101302 Arabic Literature by Indians Contents: Credits : 06 Unit I: Introduction to the Arabic Literature in India
--	--

Nature, Aims and Objectives of Literary Research Unit II: Editing of Manuscripts Unit III: Renowned Oriental Libraries, Reference Resources, Bibliography and Commonly used Abbreviations Unit IV: Preparation of Research Papers, Dissertations and Theses. 3. Course Code - 303 Arabic Literature by Indians Contents: Credits Unit I: Introduction to the Arabic Literature in India Unit II: Prose-writers: 1. Shāh Walī-Allāh al-Dihlawī 2. Nawwāb Siddīq Hasan Khān 3. ‘Abd al-‘Azīz al-Maimanī 4. Abū al-Hasan ‘Alī al-Hasanī al-Nadwī Unit III: Poets: 1. Maulānā Azād al-Bilgramī 2. ‘Abd al-Muqtadir al-Lakhnawī 3. Al-Shaykh Aḥmad al-Thanesarī 4. Maulānā Faiḍ al-Ḥasan al-Sahāranpūrī Unit IV: Study of the following books: 1. Sawāṭi‘ al-Ilhām by Abū al-Fayḍ Fayḍī (954-1004 A.H.) 2. Subḥat al-Marjān fī Āthār Hindustān by Ghulām ‘Alī Azād al-Bilgrāmī (1116-1200 A.H.) 3. Nuzhat al-Khawātir wa Bahjat al-Masāmi‘ wa al-Nawāzīr (I‘lām bi-mā fī al-Hind min al-A‘lām) by ‘Abd al-Ḥayy al-Ḥasanī (1341 A.H./1923 A.D.) 4. Rijāl al-Sind wa al-Hind Ilā al-Qarn al-Sabi‘ al-Hijrī by al-Qāzī Athar al-Mubārākpūrī (1916-1996)	Unit II: Prose-writers: 5. Shāh Walī-Allāh al-Dihlawī 6. Nawwāb Siddīq Hasan Khān 7. ‘Abd al-‘Azīz al-Maimanī 8. Abū al-Hasan ‘Alī al-Hasanī al-Nadwī Unit III: Poets: 5. Maulānā Azād al-Bilgramī 6. ‘Abd al-Muqtadir al-Lakhnawī 7. Al-Shaykh Aḥmad al-Thanesarī 8. Maulānā Faiḍ al-Ḥasan al-Sahāranpūrī Unit IV: Study of the following books: 6. Sawāṭi‘ al-Ilhām by Abū al-Fayḍ Fayḍī (954-1004 A.H.) 7. Subḥat al-Marjān fī Āthār Hindustān by Ghulām ‘Alī Azād al-Bilgrāmī (1116-1200 A.H.) 8. Nuzhat al-Khawātir wa Bahjat al-Masāmi‘ wa al-Nawāzīr (I‘lām bi-mā fī al-Hind min al-A‘lām) by ‘Abd al-Ḥayy al-Ḥasanī (1341 A.H./1923 A.D.) 9. Rijāl al-Sind wa al-Hind Ilā al-Qarn al-Sabi‘ al-Hijrī by al-Qāzī Athar al-Mubārākpūrī (1916-1996) 10. Tuhfat al-Mujahidin, Zaynal-Din al-Makhdoom, al-Thani (938-991 A.H.) 3. Course Code – 120101303 Translation & Essay Writing – III Contents: Credits : 06 Unit I: Political & Legal Simultaneous Translation (Arabic-English & vice-versa) Unit II: Journalistic and Economic Translation (Arabic-English & Vice-Versa) Unit III: Essay Writing (Advanced level) Unit IV: Simultaneous Interpretation
--	--

al-Qāzī Athar al-Mubārākpūrī (1916-1996) 5. Tuhfat al-Mujahidin, Zaynal-Din al-Makhdoom, al-Thani (938-991 A.H) 4. Course Code - 304 Translation & Essay Writing – III Contents: Credits Unit I: a) Political & Legal Simultaneous Translation (Arabic-English & vice-versa) Unit II: b) Journalistic and Economic Translation (Arabic-English & Vice-Versa) Unit III: c) Essay Writing (Advanced level) Unit IV: (d) Simultaneous Interpretation	4. Course Code – 120101304 (A) IDC / Open Elective Arabic Language –I Introduction; Reading and Writing Contents : Credits :04 Unit – I: Introduction • Arabic Language: Origin & Brief History • Impact & Interaction of Arabic with other Languages • Arabic in the medieval and modern era. Unit – II: Reading • Arabic Alphabet • Vowels, Signs & Other Symbols • Reading of Joint Letters • Sun letters and Moon letters • 10. Gender, Definite and Indefinite Noun Unit-III : Writing • Practice of writing the separate letters • Practice of writing joint letters & sentences • Taking dictations • Demonstrative Pronouns (Singular only) Unit-IV : Listening & Speaking • Arabic numerals 1 – 10 • Self-introduction & Greetings • Words of daily usage week days, months, colours, fruits & vegetables etc. • Simple Nominal Sentences • 10. Simple Verbal Sentences 4 (A) Course Code: 120103304 (B) IDC / Open Elective Introduction to Arab Culture Contents: Credits : 04 Unit I: • Arabian Peninsula: An Introduction • Arabs – Anthropological prospective • Characteristics of Bedouin life in Arabia Unit II: • Social Condition of Arabia before Islam • Political system in pre-Islamic Arabia • Conditions of women and slaves in pre-Islamic Arabia Unit-III • Religious condition in pre-Islamic Arabia • Emergence of Islam & political changes afterwards • Basic tenets of Islam & Social changes in Arabia Unit-IV • Arabs outside Arabia • Arab's Interaction with the neighbouring cultures
---	---

Semester – IV 1.(a) Course code – 401 (A) (b) Course code – 401 (B) (c) Course code – 401 (C) (d) Course code – 401 (D) 2. Course Code - 402 3. Course Code – 403 4. Course Code – 404 (A) Course Code – 404 (B)	• Arabs Etiquettes Semester – IV 1. (a) Course Code – 120102401 (A) (b) Course Code – 120102401 (B) (c) Course Code – 120102401 (C) (d) Course Code – 120102401 (D) 2. Course Code – 120101402 3. Course Code – 120101403 4. Course Code – 120103404 (A) Course Code – 120103404 (B)
--	---

(v) **Amendment to Appendix II to Ordinance V (2) & VII. [E.C Res. No. 42-8 (1) dated 17.12.2021]** related to the approval on the proposed papers based on LOCF for Basic Computational Techniques for Data Analysis paper in B.A. Programme SEC VI under the Department of Economics.

Following is inserted/added:

Department of Economics

SEC IV(6th Semester) for B.A.(P)

Basic Computational Techniques for Data Analysis

Purpose / Objective of the Paper :

The main purpose of this Skill Enhancement Course (SEC) is to provide B.A.(P) students with hands-on experience to develop skills in statistical techniques using computer applications. The course would help students to get familiar with data sources on different aspects of the Indian economy, estimate simple relationships between economic variables, and interpret estimation results to write up a project report.

This course is an extension of the previous semester's SEC: Data Analysis, which is a prerequisite for taking this course. This course intends to develop computational skills based on the statistics knowledge developed in the last semester. Along with the previous semester's SEC papers viz. 'Understanding the Economic Survey and Budget', 'Research Methodology' and 'Data Analysis', the course will equip the students to undertake basis research projects on the Indian economy which would be helpful in a variety of professions.

Course Outline:

Unit-I

Introduction to Excel (Microsoft Office)/ Open Office by Libre or Apache, spreadsheetbasics and inputting of data, word processing and presentation of data with graphs and tables.

Unit-II

- Review of concepts: Measures of central tendency- mean, median and mode; arithmetic, geometric and harmonic mean. Measures of dispersion (standard deviation and variance), skewness and kurtosis.
- Introduction to calculation of financial formulae: net present value (NPC), internal rate of return, future value, Equated Monthly Installment (EMI), compound growth rate.
- Using spreadsheet to perform the above mathematical/ statistical/ financial functions.

Unit-III

- Review of the concepts of correlation and rank correlation.
- Introduction to the method of Ordinary Least Squares (OLS) in two-variable case (one dependent and one explanatory), Testing of hypothesis related to regression coefficient and goodness of fit (R^2). Reporting of the estimation results.
- Using Excel/GRET (Free ware) for above.

Unit-IV

Introduction to economics and business data sets available in public domain such as NSE, BSE, RBI, MOSPI etc.

Unit-V

Preparation of a project report based on data available in public domain, using concepts studied in Units II and III.

Marking Scheme

- i. Internal Assessment : 25 marks, as distributed below:
 - a) 5 marks for attendance
 - b) 10 marks for written test
 - c) 10 marks for computer-based test
- ii. End-Semester assessment : 75 marks, comprising (a) 25 marks for project based on Unit V, to be submitted before the final exam, and (b) 50 marks written final exam, which will include one compulsory question based on interpreting computer output related to OLS. Questions in the final exam will be based on only Units I to IV.
- (vi) **Amendment to Appendix II to Ordinance V (2) & VII. [E.C Res. No. 42-4 dated 17.12.2021]** related to introduction of syllabus under UGC LOCF of the B.A.(Prog) Skill Enhancement Course – BS-CBCS Buddhist Psychology: The Mind Management.

Add the following:

CBCS (B. A. Prog.)

BUDDHIST STUDIES

SKILL ENHANCEMENT COURSE [SEC]

SEM-III: AECC -I	
SEC- SKILL ENHANCEMENT COURSE	
Paper Name: BS-CBCS 507- Buddhist Heritage and Tourism & Guide Course Code: BS-CBCS 507 Paper Name: Buddhist Heritage and Tourism & Guide Course UPC Code: To be offered by Examination Maximum Marks: 100 Duration: 3 hours	Prescribed Topics/Course : I. Defining Buddhist Heritage Heritage – Meaning, types of Heritage Tourism; History and Heritage of Buddhism in India; Buddhist Art and Architecture in India: An overview II. Basics Concept of Tourism Definition, history and development of tourism; Types and forms of tourism; Domestic and International tourism; Transport; Accommodation; Catering and Marketing III. Tourism Management and Planning Tourism planning; Travel Agency and Tour Operations; Tourism organizations such as ITDC, State Tourism Development Corporations; Heritage management organizations- UNESCO, ASI; Ancient monument act; Passport act and visa extension; Manila declaration IV. Guiding Role of guide and elementary knowledge: Time management, Escorting, Presentation, Communication; Tour Planning: Problem and Solution, Managing difficult situation, Handling complaints; Handling emergencies: Medical, Terrorist attack, Natural disaster, Loss items/passengers; Responsibilities of guide: Protection of guest, AIDS awareness. V. Buddhist Heritage Sites Buddhist Circuit: Lumbini, Bodh Gaya, Rajgir, Nalanda, Sravasti, Sarnath; Stupa Architectural Sites: Sanchi and Bharhut; Cave Sites: Ajanta, Ellora and Bagh caves.
SEM-IV: AECC: II	
SEC- SKILL ENHANCEMENT COURSE	
PAPER NAME: BS-CBCS 508- Buddhist Art and	Prescribed Topics/Course:

Architecture in India Course Code: BS-CBCS-508 Paper Name: Buddhist Art and Architecture in India UPC Code: To be offered by Examination Maximum Marks: 100 Duration: 3 hours	Unit I Introduction to Buddhist Art • Different Schools of Buddhist Art with special reference to Gandhara, Mathura and Amaravati. Unit II Buddhist Architecture • Evolution and Development of Stupa, Chaitya and Vihara Architecture with special reference to Sanchi, Karle, Nalanda and Mahabodhi Mahavihar. Unit III Buddhist Rock cut Architecture • Origin and Development of Buddhist Rock-cut Architecture with special reference to Ajanta. Unit IV Buddhist Sculpture and Paintings • Emergence and Development of Buddha Image • Introduction of Buddhist Paintings with special reference to Ajanta. Unit V Introduction to Buddhist Iconography • Concept and symbolism of icon and image worship • Emergence and development of Iconography: Dhyanī Buddha and Manushi Buddha, Bodhisattvas (Avalokiteshwara, Manjushri, Vajrapani) and Female Buddhist Deities.
OR	
SEM-IV: AECC: II SEC- SKILL ENHANCEMENT COURSE	
PAPER NAME: BS-CBCS-508(A) Buddhist Epigraphy Course Code: BS-CBCS-508(A) Paper Name: Buddhist Epigraphy UPC Code: To be offered by Examination Maximum Marks: 100 Duration: 3 hours	I. Introduction to Epigraphy • Aims, scope and definition of Epigraphy. • Types of scripts and History of writing in India II. Ancient Indian Scripts • Origin and development of different scripts with special reference to Brā hmi. III. Introduction and Writing System of Aśokan Brā hmi Script • Introduction of Aśokan Brā hmi Alphabets • Buddhist Conceptual term of Aśokan Brā hmi (20 Words) IV. Study of Selected Inscriptions • Piprahawa vase Inscription • Lumbini Pillar Edict • Aśoka's Sāranātha Pillar Edict • Aśoka's Giranāra Rock Edict-No.13 & 14 V. Transcription of Brā hmi to Devnagari or Roman and Vice-Versa.
SEM-V AECC: III SEC- SKILL ENHANCEMENT COURSE	
Paper Name: BS-CBCS-509 Buddhist Psychology: The Mind Management Course Code: BS-CBCS-509	Prescribed Topics: Section I Introduction: 1. Definition, Scope, Methods and Branches of

Paper Name: Buddhist Psychology: The Mind Management UPC Code: To be offered by Examination Maximum Marks: 100 Duration: 3 hours	Psychology (with special reference to Buddhist Psychology). 2. Major View points – Behaviouristic Approach: Karma and Resultant (in General and Abhidhammic Lens) Section II : 1. Mind : Composition and Function 2. Types of Mind: Defiled and Purified Section III : Sensation, Attention and Perception: 1. Attributes and classification of sensation on defining Consciousness and Mental Factors 2. Function of Mental Factors (Cetasika) that create fluctuations of Consciousness and generate Attention and Distraction 3. Perception Section IV Learning Process: 1. Buddhist Cognitive Process (Citta-vīthi) – (Factors of Learning and Knowing) 2. Manodvāra Vīthi, and Citta-kicca (that delineate the processing of learning, Memory, Impression, Causes of emotion, reactions, and etc.)
SEM-VI: AEEC- IV SEC- SKILL ENHANCEMENT COURSE	
Paper Name: BS-CBCS- 510 Life Management: A Buddhist Way of Living Course Code: BS-CBCS- 510 Paper Name: Life Management: A Buddhist Way of Living UPC Code: To be offered by Examination Maximum Marks: 100 Duration: 3 hours	Prescribed Topics/ Course: Section I: Self Analysis and Presentation 7. What is Life according to Buddhism? 8. Eight Worldly conditions: Vicissitudes of Life 9. Welfare and Auspiciousness in Life based on relevant Buddhist Suttas 10. Downfall in Life based on relevant Buddhist Suttas 11. Social (Domestic) Life based on relevant Buddhist Suttas 12. Economic and Political Life based on relevant Buddhist Suttas Section II: Reformative Behaviour and Refinement of Life 4. Meaning of the Refinement of Life and Reformative Behaviour 5. Understanding the dynamics of Karma and its retributions as Cosmic regulation 6. Method of the Reformative Behaviour and Refining the Life (i) Identification of obstacles and Goal (ii) Practice of Moral precepts (Sīla), Brahma-vihāra, Pāramitā, (iii) Cultivation of Mind : Concentration (Samādhi) and Vipassanā (Insight Meditation) (iv)

(vii) **Amendment to Appendix II to Ordinance V (2) & VII. [E.C Res. No. 42-8 (2) dated 17.12.2021]** related to the approval on the proposed syllabus of M.A. African studies under the Department of African Studies.

Add the following

PAPER -19 AFRICAN RESOURCE DIPLOMACY Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to resource diplomacy in Africa. It is designed to inform about transformation trajectory of resource negotiation in Africa. The paper will undertake sectoral analysis of African resources.	Unit 1 Colonial Scramble for Resources in Africa Unit 2 Resource Exchange under Post Colonial Period Unit 3 Resource Negotiation under Globalisation Unit 4 Sectoral Analysis: Land, Water, Agricultural Commodity, Sub-Soil/Energy/Marine Resources	1. Internal Assessment 25 Marks 2. End Semester Exam 75 Marks Total 100 Marks
PAPER -18 INDIA AFRICA RELATIONS Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to continuity and changes in relationship between India and Africa. It is designed to inform political and economic relations in a holistic perspective. The paper will look at security relations and cultural linkages between two regions.	Unit 1 India-Africa Relations: A Historical Insight Unit 2 India-Africa Relations under Globalisation Unit 3 India-Africa Security Relations Unit 4 India-Africa Cultural Linkages	Evaluation Method: 1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
PAPER -17 STUDY OF AFRICAN DEVELOPMENT Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to issues of development in Africa. It is designed to provide an historical insight to African state of development. The paper will also look at development cases in sub-regions of Africa.	Unit I- Colonial Legacy, Under development, Dependency Unit II – Development Planning and Strategies in Post-Independence Period	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks

	Unit III– Regional Institutions and Groupings Unit IV– Case Studies: Egypt, South Africa, Kenya, Nigeria, DRC	
Paper -16 Study of African Heritage Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to heritage of Africa. It is designed to inform them museums, heritage structures, archaeological sites, oral traditions and literary sources in Africa.	Unit 1 African Heritage: An Overview Unit 2 Museums as Social Institutions Unit 3 Heritage Structures and Archaeological Sites Unit-4 Oral Traditions and Literary Sources	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-15 Research Methods in Social Sciences and Area Studies Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course outcome and Description	Evaluation Method
1. To understand the nature of Social Science Research with a focus on Area/African Studies 2. To understand various methods and techniques of research in Social Sciences/African Studies. 3. To develop skills amongst scholars for undertaking research on African affairs.	Course Outcome : After the competition of course, the students will be able to understand comprehensively the meaning of research, types of research, various research designs and different tools of research. It will help them to identify research problems, develop tools and techniques for data collection and data analysis including statistical techniques. They will be able to develop sound research temperament and will be able to write dissertation/thesis/research report. Course Description: Unit 1 Nature, Sources and Problems of Social Science & Area Studies Research Unit 2 Research Approaches & Research Design Unit 3 Ethics in Research Unit 4 Data Collection, Analysis and presentation	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-13 Social and Political Thoughts in Africa Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to Afrocentric ideas in an actionable perspective. It is designed to inform about African thoughts on social reality. The paper will also look at thoughts in	Unit I– Afrocentric Paradigm: An Introduction Unit II – Pan Africanism and Negritude	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks

Africa though political prism.	Unit III- African Liberalism and Ubuntu Unit IV- African Socialism and Ujamma	
Paper -12 Environmental Issues in Africa Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper lays foundation for the students from diverse backgrounds to understand the multi-disciplinarity of environmental and resources management in Africa. It is designed to equip students with the knowledge and skills of environment and resource management.	Unit 1 Environment and Development: An Introduction Unit 2 Governance and Management of Natural Resources Unit 3 Desertification, Drought, Flooding and Fuelwood Unit 4 Imbalanced Industrialisation, Deforestation and Migration	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-11 Peace and Conflict Resolution in Africa Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students peace and conflict issues in Africa. It is designed to inform about complexity involved in containment, prevention and resolution of African conflicts. The paper will examine external and internal responses.	Unit 1 Conflicts in Africa: Causes, Categories, Costs Unit 2 Containing Conflicts in Africa: Role of UNSC and ICC Unit 3 Conflict Prevention and Peace Making Endeavours: Role of OAU, AU, RECs Unit 4 Local Experiments of Peace and Conflict Resolution: TRC	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-10 Africa in Global Affairs Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Outcome and Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to Africa's engagements with traditional and emerging powers in historical and contemporary context. It is designed to inform about Africa's interface with global institutions. The paper will look at relations between Africa and India.	Course Outcome : After the completion of course, the students will be able to achieve a comprehensive understanding of Africa's engagements with traditional and emerging powers. It will help them analyse the historical basis and the contemporary priority of such engagements. They will be able to comprehend Africa's interface with global institutions in a holistic perspective. Course Description: Unit I- Africa and the Global North	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks

	Unit II – Africa and the Global South Unit III– Africa and Global Institutions Unit IV- Africa and India	
Paper-9 Diaspora and International Relations Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to the concepts of diaspora. It is designed to understand diaspora through multidisciplinary perspective. It will provide a broader overview and insight on the various issues and aspects of major diaspora of the world. The paper will further look into the diasporic linkages between India and Africa.	Unit 1 Conceptualising Diaspora Unit 2 Disapora Engagement: Issues and Challenges Unit 3 Major Global Diaspora Unit 4 India-Africa Diasporic Linkages	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-8 Political Economy of Africa Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Outcome and Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to political economy of contemporary Africa. It is designed to inform about development trajectory of Africa. It will look at the macro drivers of the African economy. The paper will further analyse transformation process in Africa under globalisation.	Course Outcome : After the competition of course, the students will be able to understand the political economy of contemporary Africa. It will help them analyse the macro drivers of the African economy. They will be able to look at development trajectory of Africa and will be able to comprehend its transformation under globalisation. Course description: Unit I- Economic Crisis in Africa: Causes and Consequences Unit II- Dependency and Under development Unit III- Foreign Aid, Debt Crisis, Food Security, MNCs Unit IV- Role of IFIs	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-7 State and Society in Africa Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to traditional social structures in Africa. It is designed to develop a comprehensive understanding of social stratification, ascriptive identities of Africa. The paper will further	Unit 1 Traditional Structures of African Societies Unit 2 Emergence Social Class & Elite Groups Unit 3 Restructuring of Social Relationship	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks

look at tradition-modernity interface in Africa.	Unit-4 African Tribes- Impact of Globalization	
Paper-6 Overview of African History Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to sources of African history. It is designed to inform them ancient empires, slave trade, colonialism and nationalism in Africa.	Unit 1 Sources of African History Unit 2 Ancient African Empires Unit 3 The Slave Trade Unit-4 Colonialism and African Nationalism	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-5 Introduction to African Geography Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to physical, economic, demographic and political dimensions of Africa geography. It is designed to inform them about regional geography of Africa.	Unit 1 Physical Geography Unit 2 Economic Geography Unit 3 Demography & Political Geography Unit 4 Regional Geography	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-4 Comparative Government and Politics Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to government and politics in a comparative perspective. It is designed to inform about concepts in comparative political analysis. It will look at state formations, constitution making traditions and types of governments from a globally inclusive point of view. The paper will further analyse political party systems, media and civil society organisations.	Unit 1 Concepts in Comparative Political Analysis Unit 2 State Formations, Constitution Making Traditions, and Types of Governments Unit 3 Political Party Systems Unit 4 Media and Civil Society Organisations	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper-3 Foreign Policy, Diplomacy and Development Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to interrelationship among foreign policy, diplomacy and development. It is designed to inform about historical and theoretical perspectives of foreign policy. It will analyse major facets of foreign policy. The paper will further look at foreign policy case studies.	Unit 1 Understanding Foreign Policy: Historical and Theoretical Perspectives Unit 2 Foreign Policy Analysis: Actors, Context, Goals Unit 3 Foreign Policy and Diplomacy: Development Narrative Unit 4	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks

	Foreign Policy Case Studies	
Paper-2 Thinkers in International Relations Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to various thinkers of International Relations. It is designed to inform about profound thought leaders whose ideas are relevant for understanding the subject from a globally inclusive point of view. It will discuss select thinkers of the West on International Relations. The paper will further look at representative thinkers of Asia, Africa and Latin America.	Unit 1 Thinkers in the West: Woodrow Wilson, Hans J. Morgenthau, E. H. Carr, Eric Hobsbawm Unit 2 Thinkers in Asia: Dadabhai Naoroji, Gandhi, Mao Zedong, Ayatollah Khomeini Unit 3 Thinkers in Africa: Kwame Nkrumah, Julius Nyerere, Amílcar Cabral, Frantz Fanon Unit 4 Thinkers in Latin America: Simon Bolívar, Leopoldo Zea, Paulo Freire, Gabriel García Márquez	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
Paper- 1 Theories and Approaches to International Relations Course Code – AFS-PG Course Credit – 05 Teaching Hours – 75		
Course Objective	Course Description	Evaluation Method
The paper aims at introducing students to various theories of International Relations. It is designed to explain a wide range of approaches being used for understanding the subject. It will discuss variants of Realism and facets of Idealism/Liberalism. The paper will further look into alternative approaches and Non-Western ideas in International Relations.	Unit 1 Realism and Its Variants: Classical Realism, Structural Realism, Neoclassical Realism, Subaltern Realism Unit 2 Idealism/ Liberalism: Liberal Internationalism, Neoliberalism, International Society/English School Unit 3 Alternative Approaches in IR: Marxism, Neo Marxism, Constructivism, Feminism, Critical Theory, Postmodernism, Post Colonialism Unit 4 Non - Western IR: Non – Alignment, Islamic Theory, Hindu Theory, Chinese IR, African Liberalism, African Socialism	1. Internal Assessment: 25 Marks 2. End Semester Exam: 75 Marks Total 100 Marks
MA in International Relations and African Studies Two Years Course (Four Semesters)		
Programme Structure	Core Papers	
MA (International Relations and African Studies) is a two year programme consisting of four semesters. Students have to complete sixteen papers (four papers per semester and each paper having five credits). Eight papers of first two semesters are core papers and eight papers of rest two semesters are optional papers.	Semester-I 1. Theories and Approaches of International Relations 2. Thinkers in International Relations 3. Foreign Policy, Diplomacy and Development 4. Comparative Government and Politics Semester II 1. Introduction to African Geography 2. Overview of African History	

Fee: As per the University Rule Number of Seats: 40	3. State and Society in Africa 4. Political Economy of Africa Optional Papers Semester III (Four Papers Only) 1. Diaspora and International Relations 2. Africa in Global Affairs 3. Peace and Conflict Resolution in Africa 4. Environmental Issues in Africa 5. Social and Political Thoughts in Africa 6. Swahili Language 7. Research Methods in Social Sciences and Area Studies (Compulsory) Semester IV (Four Papers Only) 1. Study of African Heritage 2. Study of African Development 3. India-Africa Relations 4. African Resource Diplomacy 5. Women and Gender in Africa 6. Project/ Field Research (Compulsory)	
Paper 14 Swahili Language		
Semester	Exam structure	Mode of Instructions
Semester 1 • Origin and evolution of Swahili Language • Basic understanding of the culture and society of East African countries • Swahili Greetings and Self-introduction • Basic grammar: Classification of Noun, verbs, primary tenses, adjectives. • Verb moods; consecutive and simultaneous tenses • Demonstratives • Possessive pronouns • Counting • Reckoning of time, days of the week	Written: • Internal Assessment • End semester test Oral: • At the time of the End semester test	• Lectures • You Tube videos • Power Point Presentations • Core material and practice exercises to be provided by the teacher • Flip learning method
Semester –II • Conditional tenses • Interrogatives • Compound tenses • Relative particles • Verb derivatives • Conjunctions • Negative sentences Useful phrases and few idioms	Written: • Internal Assessment • End semester test Oral: At the time of the End semester test	• Lectures • You Tube videos • Power Point Presentations • Core material and practice exercises to be provided by the teacher Flip learning method

VIKAS GUPTA, Registrar

[ADVT.-III/4/Exty./568/2025-26]